@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 13 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 152 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

इंडिया ब्लॉक पर चुप क्यों है कांग्रेस: संजय राउत

मुंबई, 12 अप्रैल। विपक्षी इंडिया ब्लॉक में अनबन की खबरों के बीच शिवसेना (यूबीटी) ने शनिवार को कांग्रेस से कुछ सवाल पूछे। यूबीटी शिवसेना के मुखपत्र सामना में छपे एक संपादकीय में कहा गया कि कांग्रेस को इंडिया ब्लॉक की वर्तमान स्थिति पर खुलकर बात करनी चाहिए। साथ ही पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अहमदाबाद में हुई अपनी हालिया बैठक में केवल खुद पर ध्यान दिया, जबकि विपक्षी गठबंधन की चर्चा तक नहीं की। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि कांग्रेस को भारत गठबंधन के सहयोगियों से लगातार संवाद बनाए रखना चाहिए था, जो अब बहुत कम हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अहमदाबाद अधिवेशन में इस मुद्दे पर बात करनी चाहिए थी। मुखपत्र सामना में छपे संपादकीय में भी कांग्रेस से सवाल पूछा गया कि गठबंधन का क्या हुआ? क्या यह जमीन में दफन हो गया या हवा में उड़ गया?, पार्टी ने कहा कि इस सवाल का जवाब कांग्रेस अध्यक्ष को देना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) ने यह भी कहा कि कांग्रेस को देश में तानाशाही के खिलाफ लड़ाई में आगे आना चाहिए। साथ ही ये सवाल भी किया कि कांग्रेस बिहार, गुजरात और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में क्या रणनीति अपनाएगी। संपादकीय में आगे कहा गया कि कांग्रेस ने गुजरात में अपना अधिवेशन किया, लेकिन इसका कोई खास असर लोकसभा चुनाव में नहीं दिखा। पार्टी वहां 1995 से सत्ता से बाहर है और 2014 के बाद से केवल एक लोकसभा सीट जीत पाई है। यूबीटी शिवसेना ने यह भी कहा कि कांग्रेस को मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में ज्यादा मेहनत करनी चाहिए।

औरंगजेब महाराष्ट्र में ही मराठों से हारा और इसी धरती में दफन किया गया: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

रायगढ़, 12 अप्रैल। छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में पहुंचे। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री ने शिवाजी महाराज की वीरता को नमन किया। उन्होंने कहा कि खुद को आलमगीर कहने वाला औरंगजेब जीवन भर महाराष्ट्र में मराठों के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहा। वह मराठों से हारा और इसी धरती में दफन किया गया। औरंगजेब की समाधि इसी धरती पर है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शिवाजी महाराज महाराष्ट्र तक सीमित नहीं हैं। उनकी एकता की विरासत देश के लिए प्रेरणा है। शिवाजी महाराज के स्वधर्म और स्वराज्य के आदर्श स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्य तक सीमित न रखें। उनकी जबरदस्त इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और साहस देश को प्रेरित करते हैं क्योंकि उन्होंने रणनीतिक रूप से समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया। शिवाजी महाराज ने मुगलशाही को हराया था। अमित शाह ने कहा कि न तो भाग्य छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ था, न ही अतीत उनके साथ था, न ही उनके पास पैसा था और न ही सेना थी। एक बच्चे ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प से पूरे देश को स्वराज का मंत्र दिया। कुछ ही समय में उन्होंने 200 साल पुरानी मुगल हुकूमत को चकनाचूर कर दिया और देश को आजाद कराया। उन्होंने कहा कि आज आजादी के 75 साल बाद हम दुनिया के सामने सिर ऊंचा करके खड़े हैं। हम संकल्प लेते हैं कि जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तो हमारा भारत दुनिया में नंबर वन होगा। यह शिवाजी महाराज का भी सपना था। महान मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्श भारत को अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाने और महाशक्ति बनने की यात्रा के लिए प्रेरित करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार शिवाजी महाराज के आदर्शों पर काम करती है। गृह मंत्री ने रायगढ़ किले को एक पर्यटन स्थल के बजाय भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने स्वधर्म की रक्षा और स्वराज्य की स्थापना के बीज बोने का श्रेय शिवाजी महाराज की मां जीजाबाई को दिया। अमित शाह ने कहा कि भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है और महाशक्ति बनना चाहता है। ऐसे में शिवाजी महाराज एक प्रेरणा के रूप में खड़े हैं। उनकी राजमुद्रा (शाही चिन्ह) का प्रयोग भारतीय नौसेना के ध्वज के रूप में किया जाता है। जो राष्ट्र पर उनके स्थायी प्रभाव का प्रतीक है। शाह ने स्वधर्म के लिए लड़ाई जारी रखने तथा सुशासन और न्याय पर शिवाजी महाराज की शिक्षाओं को कायम रखने के महत्व पर बल दिया। इससे पहले, शाह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने रायगढ़ किले के पास पचाड में जीजाबाई को पुष्पांजलि अर्पित की। शाह के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार, और मराठा वंशज भाजपा सांसद उदयनराजे भोसले और राज्य मंत्री शिवेंद्रसिंह भोसले थे। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वह अरब सागर में शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने के लिए काम करेंगे। इस परियोजना से संबंधित याचिका को वापस बॉम्बे उच्च न्यायालय को भेज दिया गया है। हम मामले को कुशलतापूर्वक प्रस्तुत करेंगे। फडणवीस ने दिल्ली में शिवाजी महाराज का राष्ट्रीय स्मारक बनाने की उदयनराजे भोसले की मांग को भी स्वीकार कर लिया और अमित शाह के साथ इस मामले पर चर्चा करने का वादा किया।

जंगलराज का भी क्राइम बुलेटिन जारी करें तेजस्वी यादव: चिराग

कौमी संवाददाता

हाजीपुर, 12 अप्रैल। हाजीपुर के कुतुबपुर में पत्रकारों से बातचीत करने के दौरान केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने लालू परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में जब जंगल राज था, 1990 में जो लोग बिहार छोड़कर दूसरे देश में गए, वे वापस लौटकर नहीं आए। तेजस्वी यादव जो क्राइम का बुलेटिन जारी कर रहे हैं, उन्हें 1990 का भी बुलेटिन जारी करना चाहिए। उस समय हत्या, रेप सहित हर दिन अपराधी घटनाओं को अंजाम दिया जाता था। दरअसल, हाजीपुर के कुतुबपुर में स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग आज पूरी हो गई। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने यहां मिनी पोस्ट ऑफिस का उद्घाटन करने पहुंचे थे। चिराग पासवान ने इस अवसर पर डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी। कहा कि अब गांव में ही मिनी डाकघर खुल जाने से लोगों को सुविधा होगी। नए मिनी डाकघर के खुलने से अब स्थानीय लोगों को डाक सेवाओं का लाभ अपने क्षेत्र में ही मिल सकेगा। इससे उन्हें दूर के डाकघरों तक जाने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी। इस दौरान हाजीपुर सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि जब मेरे पिता रामविलास पासवान हाजीपुर का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, उस समय जो भी केंद्र में योजनाएं चलाई जा रही थीं, सभी योजनाओं को हाजीपुर में लाया जाता था। ठीक उसी तरीके से आप लोगों ने हमें मौका दिया है, तो आने वाले अपने कार्यकाल के पांच साल तक सभी योजनाओं को हाजीपुर में लाने का काम करूंगा। इस दौरान डाक विभाग के सभी अधिकारी मौजूद थे। चिराग पासवान की आने की सूचना पर भारी संख्या में कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पहुंचे, जहां चिराग पासवान को फूल माला और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

हुनर की कद्र नहीं, इस वजह से असफल हो रहे हुनरमंद कारीगर: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 12 अप्रैल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि पिछड़े वर्गों के कई कुशल कारीगर कपड़ा क्षेत्र में सफल नहीं हो पा रहे हैं और उन्होंने कहा कि वह उपेक्षा और अन्याय के इस दुष्चक्र को तोड़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने एक कपड़ा कारीगर की कार्यशाला में अपने दौरे का वीडियो साझा किया, जो फैशन डिजाइन क्षेत्र में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दौरान राहुल गांधी ने कार्यशाला में कारीगरों से मुलाकात की और इस व्यापार में हाथ आजमाया। हिंदी में एक पोस्ट में उन्होंने कहा, मैंने कभी किसी ओबीसी को कपड़ा डिजाइन उद्योग के शीर्ष पर नहीं देखा। यह बात विक्की नामक एक युवा ने कही, जिसने अपने हुनर के दम पर इस क्षेत्र में अपना कारोबार खड़ा किया है। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा, उनके कारखाने में कारीगर दिन में 12 घंटे कड़ी मेहनत करते हैं और सुई-धागे से जादू बुनते हैं। लेकिन स्थिति वही है, हुनर की कोई कद्र नहीं है। उन्होंने कहा कि अन्य उद्योगों की तरह बहुजनों का न तो कपड़ा और फैशन क्षेत्र में प्रतिनिधित्व है, न ही शिक्षा तक पहुंच है और न ही नेटवर्क में जगह है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा- जब मैं विक्की (कपड़ा कारीगर) जैसे प्रतिभाशाली लोगों से मिलता हूं, तो उनके काम को सीखने की कोशिश करता हूं, ताकि दुनिया भारतीय युवाओं की असली प्रतिभा को देख सके। यह जानना चाहिए कि सक्षम और मेहनती होने के बावजूद ये युवा अभिमन्यु (महाभारत के) की तरह उपेक्षा और अन्याय के दुष्चक्र में फंसे हुए हैं।

धर्म के नाम पर हिंसा या दंगा न करें, शांति बनाने की भी अपील: सीएम ममता

कोलकाता, 12 अप्रैल। नए वक्फ कानून को लेकर देशभर में सियासी गर्माहट तेज है। कई जगहों पर इस कानून के विरोध में हिंसा होने की भी खबरे सामने आ रही है। इसी बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कानून के विरोध में हिंसा को लेकर सभी धर्मों के लोगों से शांति बनाने की अपील किया है। सीएम बनर्जी ने कहा कि धर्म के नाम पर हिंसा या दंगा न करें। हर इंसान की जान कीमती होती है। राजनीति के लिए समाज को नुकसान पहुंचाना गलत है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ कानून को लेकर हो रहे हिंसा पर अपना रूख साफ किया। उन्होंने कहा कि नया वक्फ कानून पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है, हम नहीं। इसलिए इस पर जवाब भी केंद्र से ही मांगा जाना चाहिए। सीएम ममता बनर्जी ने राज्य में फैले हिंसा के बीच लोगों से सवाल किया कि जब हमने साफ कर दिया है कि यह कानून बंगाल में लागू नहीं होगा, तो फिर दंगा क्यों?, उन्होंने कहा कि जो लोग हिंसा भड़का रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों पर धर्म का दुरुपयोग करने का आरोप भी लगाया। सीएम ममता बनर्जी ने सभी धर्मों के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील किया। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर हिंसा या दंगा न करें। हर इंसान की जान कीमती होती है। राजनीति के लिए समाज को नुकसान पहुंचाना गलत है। उन्होंने कहा कि धर्म का असली मतलब है मानवता, सद्भाव और शांति। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि राज्य में शांति बनाए रखें और किसी के बहकावे में न आएं। बता दें कि पश्चिम बंगाल के राज्य के मालदा, मुर्शिदाबाद, दक्षिण 24 परगना और हुगली जिलों में शुक्रवार को नए वक्फ कानून के विरोध में हिंसा भड़क उठी।

तेजी से बदल रहे भारतीय परिवारों को लेकर न्यायाधीश ने जताई चिंता: न्यायाधीश बी वी नागरत्ना

सौरभ शर्मा

बंगलूरू, 12 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बी वी नागरत्ना ने शनिवार को तेज से बदल रहे भारतीय परिवारों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इन बदलावों का असर न केवल परिवारों की संरचना और कार्यप्रणाली पर पड़ रहा है, बल्कि कानून-व्यवस्था पर भी ये बदलाव गहरा असर डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव कई कारणों से हो रहे हैं, जिनमें आम शिक्षा तक आसान पहुंच, शहरों की ओर बढ़ता रुझान, व्यक्तिगत आकांक्षाओं से लेकर कार्यबल की अधिक गतिशीलता और शिक्षा प्राप्त करने वाली महिलाओं की बढ़ती आर्थिक स्वतंत्रात शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कानून ने भी इस बदलाव में मदद की है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने बंगलूरू में परिवार- भारतीय समाज का आधार विषय पर दक्षिणी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर सभ्यता में परिवार को समाज की सबसे जरूरी संस्था माना गया है, जो हमारे अतीत और भविष्य को जोड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षा और रोजगार के जरिये महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक आत्मनिर्भरता को समाज द्वारा सकारात्मक रूप से देखा जाना चाहिए और उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाएं न केवल परिवार की भलाई में बल्कि राष्ट्र की भलाई में भी योगदान देती हैं। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि भारत में वर्तमान में न्यायालयों में लंबित पारिवारिक विवादों की संख्या बहुत ज्यादा है। ये तभी सुलझ सकते हैं, जब दोनों पक्ष दो बातों पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि इन बातों में पहला कदम यह है कि दोनों एक दूसरे के प्रति समझ और सम्मान रखें और दूसरा खुद के प्रति जागरूक हों। सुप्रीम कोर्ट की पारिवारिक न्यायालय समिति की अध्यक्ष न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि पति पत्नी को एक दूसरे के दृष्टिकोण और तर्क से समझने का सक्रिय प्रयास करना चाहिए। इससे विवाद को बढ़ाने के बजाय दोनों के बीच जुड़ाव बनाने में मदद मिलेगी। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि जब विवाह के सभी पक्षों या विवाह से बाहर के रिश्तेदारों में इस प्रकार का दृष्टिकोण विकसित हो जाएगा, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि महिलाएं अगर आत्मनिर्भर हो रही हैं, तो यह विवादों की वजह नहीं है, बल्कि समाज का नजरिया पुराना रह गया है, और हमारी सोच को वक्त के साथ बदलना चाहिए।

कुछ लोग बंगाल को आग में झोंकना चाहते हैं: अभिषेक बनर्जी

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 12 अप्रैल। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने लोगों से बंगाल में शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बंगाल को आग में झोंकना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि राज्य में हिंसा और दंगे हों, लेकिन हमें अफवाहों का शिकार नहीं होना है। हमें राज्य में शांति बनाए रखनी चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने आगे कहा कि कुछ लोग धर्म के नाम पर विभाजन के बीज बोकर बंगाल में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह बंगाल के आपसी भाईचारे की परंपरा को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि हम सभी को सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है। कुछ लोग चाहते हैं कि बंगाल जल जाए, लेकिन हमें ऐसा नहीं होने देना है। टीएमसी सांसद बनर्जी ने पश्चिम बंगाल एसएससी भर्ती मामले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करते हैं और उस पर भरोसा करते हैं, लेकिन हमें फैसले की आलोचना करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह फैसला बंगाल के प्रति भाजपा के लगातार सौतेले रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा कहने के पीछे एक वजह है, क्योंकि उन्होंने (केंद्र सरकार) ने 59 लाख जॉब कार्डधारकों के मनरेगा फंड को रोक दिया है। उन्होंने कुछ विसंगतियों के कारण आवास फंड को रोक दिया। उन्होंने कहा कि अयोग्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन कुछ अयोग्य उम्मीदवारों के लिए हजारों लोगों की नौकरियां छीनना गलत है। इस बीच, टीएमसी नेता जय प्रकाश मजूमदार ने मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे भाजपा का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई दिनों से भाजपा के नेतृत्व में कुछ राजनीतिक दल धर्म को हथियार बनाकर बंगाल में दंगा भड़काने का प्रयास कर रहे हैं और लोगों को बांटने की राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हमने जो देखा वह भाजपा की साजिश का नतीजा है। मजूमदार ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि वे पहले से ही ऐसी सांप्रदायिक घटना की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह इस मामले को लेकर हाईकोर्ट का रुख करेंगे। इसके बाद मीडिया के सामने पश्चिम बंगाल में धारा 355 लागू करने की मांग की जाएगी। उन्होंने वक्फ कानून का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने ऐसा कानून क्यों बनाया, जिससे दो धर्मों के बीच दीवार खड़ी हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे मामले की जड़ भाजपा द्वारा करूर कानून बनाना है। हमने इस कानून का कड़ा विरोध किया है। हमारी सीएम ने भी साफ कर दिया है कि हम इस कानून को बंगाल में लागू नहीं करेंगे।

रेलवे संपत्तियों में तोड़फोड़ की जांच एनआईए करे

कोलकाता, 12 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध में जारी विरोध प्रदर्शन जारी हैं। खासकर मुर्शिदाबाद में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ और हिंसा हुई। हंगामे के दौरान रेलवे की संपत्तियों में तोड़फोड़ की गई। अब पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रेलवे की संपत्तियों में तोड़फोड़ की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराने की मांग की है। शुभेंदु अधिकारी ने इस संबंध में रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। पत्र में शुभेंदु अधिकारी ने वक्फ कानून के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद जिले में रेलवे संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं पर रेलवे मंत्री से ध्यान देने की अपील की। भाजपा नेता ने लिखा कि मेरी विनम्र अपील है कि रेलवे संपत्तियों में तोड़फोड़ की जांच एनआईए द्वारा की जाए। उन्होंने लिखा कि ये संवेदनशील मामला है क्योंकि मुर्शिदाबाद जिले की सीमा बांग्लादेश से लगती है। एनआईए जांच से इसके पीछे की साजिश का पर्दाफाश होगा और साजिशकर्ताओं की पहचान की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो सकें। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद में रेलवे संपत्तियों में की गई तोड़फोड़ के चलते न्यू फरक्का-अजीमगंज सेक्शन पर करीब छह घंटे तक रेल यातायात बाधित रहा।

कुछ ताकतें हमें धर्म बदलने के लिए मजबूर करना चाहती हैं: मोहन भागवत

नरेश मल्होत्रा

वलसाड, 12 अप्रैल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि धर्म ही ऐसा रास्ता है जो सबको सुख की ओर ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में लालच, डर या प्रलोभन का सामना करना पड़ सकता है, और वे लोगों को उनके धर्म से भटका सकते हैं, लेकिन हमें लालच या भय के कारण अपने धर्म को नहीं बदलना चाहिए। आरएसएस प्रमुख गुजरात के वलसाड जिले के बारुमल में सद्गुरुधाम में श्री भाव भावेश्वर महादेव मंदिर के रजत जयंती समारोह में बोल रहे थे। आरएसएस प्रमुख भागवत ने समारोह में बोलते हुए कहा कि कुछ ताकतें हैं जो हमें धर्म बदलने के लिए मजबूर करना चाहती हैं, लेकिन हमें ऐसे किसी लालच या डर में नहीं आना चाहिए। धर्म हमें जोड़ता है और सही रास्ते पर ले जाता है। उन्होंने कहा, हम एकजुट होना जानते हैं और एकजुट होना चाहते हैं। हम लड़ना नहीं चाहते। लेकिन हमें खुद को बचाना होगा। इसके लिए प्राचीन काल से ही व्यवस्थाएं हैं, क्योंकि आज ऐसी ताकतें हैं जो हमें बदलना (धर्मांतरित करना) चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब हमारे दैनिक जीवन में ऐसी कोई ताकत नहीं होती, तब भी लालच, डर और प्रलोभन की घटनाएं सामने आती हैं। आरएसएस प्रमुख ने महाभारत का उदाहरण दिया और कहा कि महाभारत के समय धर्म परिवर्तन करने वाला कोई नहीं था, लेकिन दुर्योधन ने पांडवों का राज्य हड़पने के लालच में जो किया, वह अधर्म था। उन्होंने कहा, धार्मिक आचरण दैनिक जीवन में जरूरी है। हमें आसक्ति और प्रलोभन के प्रभाव में आकर कार्य नहीं करना चाहिए, हमें इनसे दूर रहकर धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए। लालच या भय हमें अपनी आस्था से विमुख करते हैं। इसलिए यहां ऐसे केंद्र स्थापित किए गए हैं। आरएसएस प्रमुख भागवत सद्गुरुधाम का जिक्र कर रहे थे, जो आदिवासियों के उत्थान के लिए सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक गतिविधियां संचालित करता है। भागवत ने आगे कहा कि जब इन क्षेत्रों में ऐसे केंद्र संचालित नहीं थे, तो तपस्वी गांव-गांव जाकर लोगों को सत्संग सुनाते थे और उन्हें धर्म के मार्ग पर दृढ़ बनाए रखते थे। लेकिन अब आबादी बढ़ने पर मंदिर जैसे केंद्र बनाए गए हैं, जहां पूरा समाज एकत्र होता है, वे पूजा, अध्यात्म का लाभ उठाते हैं और कला का अभ्यास करने का अवसर भी प्राप्त करते हैं। आरएसएस प्रमुख भागवत ने ऐसे केंद्रों को बहुत जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोग ऐसे केंद्रों में अपना योगदान दे रहे हैं। भागवत ने कहा, वे लोगों का धर्म परिवर्तन नहीं करते। वे सभी को अपने धर्म में दृढ़ रहने के लिए प्रेरित करते हैं। अपने धर्म में दृढ़ रहने से अन्य परेशानियां नहीं आतीं। हमारा सनातन धर्म, किसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखता। उन्होंने आगे कहा कि धर्म के अभाव में लोग बुरी आदतों की ओर आर्षित होते हैं, जिससे उनका जीवन बर्बाद हो जाता है। उन्होंने कहा कि हमारा देश तभी आगे बढ़ेगा, जब समाज में धार्मिक आचरण व्याप्त हो। इसके लिए पूरी दुनिया हमारी ओर देखती है। ऐसे केंद्रों को मजबूत बनाना हमारा काम है। ऐसा करने से हमारा कल्याण, राष्ट्र की सेवा और पूरी मानवता का कल्याण सुनिश्चित होगा। मोहन भागवत ने त्योहारों और मंदिरों में दैनिक पूजा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि त्योहार और मंदिरों में नियमित पूजा भी अर्थव्यवस्था में योगदान देती है। उन्होंने महाकुंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि आपने सुना होगा कि महाकुंभ में कितने ट्रिलियन डॉलर कमाए गए। हम धर्म के नाम पर व्यापार करने वाले लोग नहीं हैं। इसलिए हमने अब तक इस बारे में बात नहीं की। हालांकि, अगर हमें दुनिया को समझाना है, तो हमें उनकी भाषा बोलनी होगी। उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रद्धालु असुविधा का सामना करने के बावजूद भी पवित्र स्नान करने के लिए त्रिवेणी संगम पर एकत्र हुए।

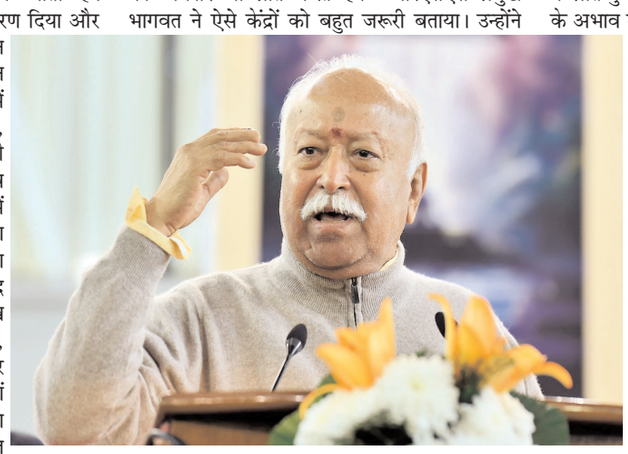

करणी सेना अध्यक्ष ओकेंद्र राणा की खुली धमकी

नई दिल्ली, 12 अप्रैल। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा भी गढ़ी रामी में आयोजित रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में शामिल हुए। मंच से उन्होंने कहा कि हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम कुछ भी कर सकते हैं। सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान ने क्षत्रिय ही नहीं बल्कि सनातन समाज को ठेस पहुंचाई है। अब माफी से काम नहीं चलने वाला है। उन्होंने करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, सपा सांसद की राज्यसभा सदस्यता समाप्त करने, रामजी लाल सुमन के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने, घायल कार्यकर्ताओं की ओर से मुकदमा दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मांगें नहीं मानी गईं तो करणी सेना सांसद के आवास पर कूच करेगी। गढ़ी रामी में रक्त स्वाभिमान सम्मेलन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। भगवान टॉकीज चौराहे से एमजी रोड को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। बैरिकेडिंग कर यहां भारी वाहन खड़े कर दिए गए हैं। पुलिस फोर्स भी तैनात है, जिससे सपा सांसद के आवास की ओर कोई भी प्रदर्शनकारी नहीं जा सके। शनिवार शाम को रक्त स्वाभिमान सम्मेलन का समापन हो गया। भीड़ अब अपने घर की ओर लौट रही है। इससे हाईवे पर भीषण जाम लग गया है। पुलिस जाम खुलवाने में लगी हुई है। केंद्रीय मंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने सांसद रामजी लाल सुमन के राणा सांगा पर दिए गए बयान पर कहा कि रामजी लाल सुमन द्वारा हमारे राष्ट्र वीर राणा सांगा पर टिप्पणी किए जाने पर सभी राष्ट्रवादियों की भावना आहत हुई है। जो जाति, वर्ग, क्षेत्र, धर्म और अपने पुरखों का सम्मान नहीं करता, वह आगे नहीं बढ़ पाता है। रामजी लाल सुमन ने कहा कि बाबर को राणा सांगा ने बुलाया था लेकिन राणा सांगा तो इब्राहिम लोदी को पहले ही दो बार हरा चुके थे और उसे हराने के लिए उन्हें बाबर को बुलाने की जरूरत नहीं थी। उन्हें (रामजी लाल सुमन) माफी मांगनी चाहिए। करणी सेना द्वारा अपने खिलाफ हो रहे प्रदर्शन पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा कि उन्होंने स्थानीय विधायक को ज्ञापन दिया, मुझे नहीं।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी को अस्पताल से मिली छुट्टी

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को ठीक होने के संकेत मिलने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनके चिकित्सक डॉ. असीम हुसैन ने इसकी पुष्टि की। राष्ट्रपति जरदारी को पहली अप्रैल को तबीयत बिगड़ने के बाद कराची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह 10 दिन से अधिक समय तक उपचाराधीन रहे। ईद-उल- फितर की रात चिकित्सा देखभाल के लिए जरदारी को नवाबशाह से कराची स्थानांतरित किया गया था। जियो न्यूज की खबर के अनुसार, डॉ. असीम ने कहा कि राष्ट्रपति की कोविड-19 के लिए किए गए रैपिड टेस्ट में रिपोर्ट निगेटिव आई है। उन्हें अस्पताल से आवास भेज दिया गया। समय-समय पर संक्रामक रोग विशेषज्ञ उनकी देखरेख करेंगे। डॉ. असीम ने मीडिया को बताया कि संक्रामक रोग विभाग के विशेषज्ञों ने दिन में तीन बार राष्ट्रपति आसिफ जरदारी की जांच की। राष्ट्रपति के बीमार पड़ने पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनसे फोन पर बात कर उनके जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद जताई थी।

पश्चिमी जापान में जंगलों में लगी आग बुझाई गयी

टोक्यो। जापान के पश्चिमी शहर ओकायामा में करीब तीन सप्ताह पहले लगी आग बुझा ली गयी है। सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने बताया कि पांच अप्रैल से कोई सक्रिय लपटें या हॉट स्पॉट नहीं मिलने के बाद शहर के अग्निशमन विभाग ने यह घोषणा की। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओकायामा प्रान्त में दर्ज की गयी सबसे बड़ी जंगल की आग से पड़ोसी तामानो शहर के कुछ हिस्सों सहित लगभग 565 हेक्टेयर भूमि जल गयी थी और कम से कम छह घर तथा गोदाम नष्ट हो गये थे। अग्निशमन अधिकारियों ने 28 मार्च को घोषणा की कि आग पर काबू पा लिया गया है, जबकि शहर ने प्रभावित क्षेत्रों में हॉट स्पॉट की जांच करने के लिए जमीन पर हेलिकॉप्टर और अग्निशमन दल तैनात करना जारी रखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा माना जा रहा है कि 23 मार्च को लगी जंगल की आग एक मजदूर ने लगायी थी। उसने पेड़ों को काट कर उनमें आग लगा दी थी। पुलिस घटना के कारण की जांच कर रही है। ओकायामा शहर आग से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए एक फील्ड अध्ययन करने की योजना बना रहा है।

पापुआ न्यू गिनी में 6.2 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी नहीं

सिडनी। पापुआ न्यू गिनी के कोकोपो से 114 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि अंतरराष्ट्रीय समयानुसार तड़के 0347 बजे आये इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.2 मापी गयी। भूकंप का केंद्र, 4.71 डिग्री दक्षिणी अक्षांश और 153.24 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 72.5 किमी की गहराई में था। अमेरिका सुनामी चेतावनी प्रणाली के अनुसार फिलहाल भूकंप के कारण सुनामी की कोई चेतावनी नहीं है। संयुक्त ऑस्ट्रेलियाई सुनामी चेतावनी केंद्र ने यह भी कहा कि वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया को प्रभावित करने वाली कोई सुनामी नहीं है। अधिकारियों द्वारा हताहतों या क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट जारी नहीं की गई।

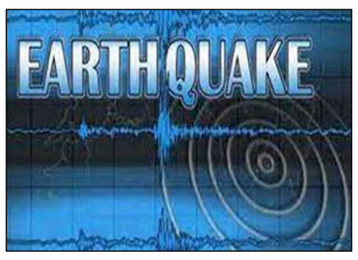

रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर ज्वालामुखी फटा, राख का गुबार 4,000 मीटर तक पहुँचा

व्लादिवोस्तोक। रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर स्थित बेज़िमियानी ज्वालामुखी तड़के फट गया, जिससे 4,000 मीटर तक की ऊँचाई तक राख का गुबार आसमान में फैल गया।स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूसी विज्ञान अकादमी की सुदूर पूर्वी शाखा के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान ने अपने टेलीग्राम चैनल के माध्यम से बताया कि राख का गुबार ज्वालामुखी के उत्तर-उत्तर-पूर्व में लगभग 90 किलोमीटर तक फैल गया, जिससे क्षेत्रीय हवाई यातायात के लिए संभावित खतरा पैदा हो गया। यह विस्फोट कई महीनों से बढ़ रही ज्वालामुखी गतिविधि के बाद हुआ है, जिसमें पिछले 24 घंटों में क्षेत्र में 180 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं। वैज्ञानिक स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहे है। यह विस्फोट 11 अप्रैल, 2023 को हुए शक्तिशाली विस्फोट के लगभग दो साल बाद हुआ है, जिसने उस्त-कामचत्स्की जिले में जीवन को बुरी तरह से बाधित कर दिया था। विशेषज्ञ अब चेतावनी दे रहे हैं कि मौजूदा विस्फोट और भी तीव्र हो सकता है, जिससे राख का उत्सर्जन समुद्र तल से 15,000 मीटर की ऊँचाई तक पहुँचने की संभावना है।

ढाका में बैशाख मंगल शोभायात्रा से पहले फूंका गया फासीवाद का मुखौटा, तनाव

एजेंसी

ढाका। यूनेस्को से अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्य 'बैशाख मंगल शोभायात्रा' निकलने से पहले फासीवाद का मुखौटा (प्रतीकात्मक चित्र) आगे के हवाले कर दिया गया। यह शोभायात्रा 14 अप्रैल को निकलनी थी। इससे ढाका विश्वविद्यालय में तनाव है। इसे ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय (चारुकोला) ने बनाया था।ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, ढाका यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर एसोसिएट प्रोफेसर सैफुद्दीन अहमद ने कहा कि यह घटना आज सुबह हुई। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आग कैसे लगी। प्रॉक्टर ने बताया कि फासीवाद के मुखौटे के साथ कबूतर की तस्वीर भी जलाई गई। उन्होंने कहा कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग किसने लगाई। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की कोशिश की जा रही है। ललित कला संकाय

के डीन प्रोफेसर अजहरुल इस्लाम ने कहा कि यह पता लगाने के लिए कुछ समय चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। घटना की जांच के लिए समिति का गठन किया जाएगा। सीसीटीवी फुटेज प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बैशाख मंगल शोभायात्रा को बांग्लादेश में मंगोल शोभायात्रा भी कहा जाता है। बांग्लादेश में बंगाली नव वर्ष (पहला बैशाख) के अवसर पर ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के शिक्षकों और छात्रों के तत्वावधान में पारंपरिक शोभायात्रा निकाली जाती है। यूनेस्को ने इस शोभायात्रा को 2016 में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी गई है। इसमें सभी धर्मों और जातियों के लोग बड़ी संख्या में हिस्सा लेते हैं। शोभायात्रा में पारंपरिक कला, नृत्य, संगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाता है। यूनेस्को की बेवसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, 14 अप्रैल को होने वाली मंगल शोभायात्रा की परंपरा 1989 में शुरू हुई थी। सैन्य शासन से निराश छात्र समुदाय बेहतर भविष्य की उम्मीद के इसका आयोजन किया था। ललित कला संकाय के सदस्य शोभायात्रा से एक महीने पहले मिलकर मुखौटे (बुरी शक्तियों को दूर भगाने और प्रगति की अनुमति देने के लिए) और झांकियां बनाते हैं।

पाकिस्तान में 5.5 तीव्रता का भूकंप, इस्लामाबाद से खैबर पख्तूनख्वा तक कांपी धरती

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कई शहरों में दोपहर भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए। राजधानी इस्लामाबाद से खैबर पख्तूनख्वा तक इसका प्रभाव दिखा। इससे नागरिकों में दहशत और चिंता फैल गई। लोग घरों से बाहर निकल आए। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, समूचे अटक और चकवाल में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर, मर्दन, मोहमंद और शबकदर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। हालांकि, किसी भी प्रभावित क्षेत्र से अभी तक किसी के हताहत होने या नुकसान की रिपोर्ट नहीं मिली। पाकिस्तान के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप दोपहर 12:31 बजे आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.5 दर्ज की गई। इसकी गहराई 12 किलोमीटर थी। भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में, अक्षांश 33.90 उत्तर

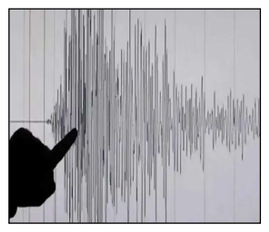

और देशांतर 72.66 पूर्व पर स्थित था। इस्लामाबाद के एक व्यक्ति ने कहा कि सेक्टर एफ-11 में उसकी इमारत बायीं और दायीं ओर झुक गई। सेक्टर के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

नेपाल ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को भेजी 27 टन राहत सामग्री

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को 27 टन राहत सामग्री भेजी है। नेपाल के अधिकारियों ने सुबह यांगून अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर म्यांमार के अधिकारियों को राहत सामग्री सौंपी। विदेश मंत्रालय में दक्षिण पूर्व एशिया के प्रमुख संयुक्त सचिव तपस अधिकारी ने यह जानकारी दी। राहत सामग्री में खाद्य पदार्थ, दैनिक उपयोगी वस्तुए और दवाएं शामिल हैं। यांगून एयरपोर्ट पर नेपाली राजदूत हरीश चंद्र घिमिरे और म्यांमार के अधिकारी इस दौरान उपस्थित थे। आने वाले दिनों में नेपाल की तरफ से और किस तरह से सहयोग किया जा सकता है इसको लेकर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच संक्षिप्त चर्चा भी हुई। इस दौरान नेपाल के एक अधिकारी ने याद दिलाया कि म्यांमार सरकार ने 2015 के भूकंप के दौरान नेपाल की भी सहायता की थी। म्यांमार के एक अधिकारी हेउ वाई

लविन ने बताया कि भूकंप में अब तक 3,590 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 4,800 घायल हो गए हैं और 148 लापता हैं। नेपाली राजदूत घिमिरे ने बताया कि म्यांमार में लगभग 150,000 नेपाली काम कर रहे हैं और उनमें से 18 भूकंप में मारे गए थे। इस आपदा में करीब 15 नेपाली अभी भी लापता हैं। 28 मार्च को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को तलब कर संसदीय समिति से हिदायत देने की सांसदों की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजशाही समर्थकों के प्रदर्शन के दौरान 28 मार्च को हुई हिंसक घटना पर चर्चा के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को संसदीय समिति के समक्ष बुलाने की मांग की गई है। संसद की विधि, न्याय एवं मानवाधिकार समिति की बैठक में नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) के कुछ सांसदों ने इसकी मांग की है। सांसदों ने कहा कि पूर्व राजा को चर्चा के साथ ही हिदायत देने के लिए संसदीय समिति के समक्ष बुलाना जरूरी है। गृहमंत्री रमेश लेखक की उपस्थिति में शनिवार को हुई बैठक में सत्तारूढ़ दल के सांसदों ने इस बात पर जोर दिया कि 28 मार्च की हिंसक घटना की गहन जांच के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को भी तलब किया जाना चाहिए। नेपाली कांग्रेस के सांसद और संयुक्त महासचिव जीवन परियार ने कहा कि पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को हिंसा की घटना में उनकी संलिप्तता के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया जाना चाहिए। नेपाली कांग्रेस की सांसद नगीना यादव ने कहा कि पूर्व राजा को बुलाकर 28 मार्च की घटना से उनके संबंध और इस प्रदर्शन के लिए उन्होंने

निर्देश दिया या नहीं, यह पूछना जरूरी है। नगीना यादव ने कहा कि यह मानवाधिकारों का उल्लंघन है या नहीं, क्या एक नागरिक के तौर पर पूर्व राजा को ऐसा करने की अनुमति है? सीपीएन (यूएमएल) की सांसद नैनकला थापा ने कहा कि संविधान की नजर में सभी नागरिकों को समान मानवाधिकार प्राप्त हैं। किसी को भी अराजकता और अमानवीय व्यवहार में लिप्त होने का अधिकार नहीं है। संविधान की नजर में सभी समान हैं। पूर्व राजा के मानवाधिकार सामान्य जनता के समान ही हैं, इससे अधिक कुछ नहीं, इसलिए उन्हें किसी भी बहाने से छूट नहीं देनी चाहिए। सीपीएन (यूएमएल) की मुख्य सचेतक महेश बरतौला ने 28 मार्च की हिंसक घटना में निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेन्द्र शाह तिनकुने घटना में शामिल थे और उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। राजशाही के पक्ष में हुए प्रदर्शन में 2 लोगों की मौत हो गई थी।बैठक में राजा समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के सांसद ध्रुव बहादुर प्रधान ने आरोप लगाया कि 28 मार्च की तिनकुने की घटना को राज्य द्वारा जानबूझकर दबाया गया। सरकार घटना की निष्पक्ष जांच करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय लीपापोती की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधान ने सरकारी पक्ष पर भीड़ को उकसाने, बिना वजह प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर सैकड़ों राउंड फायरिंग करने का आरोप लगाया।

व्हाइट हाउस की सजावट में बदलाव, ओबामा की फोटो के स्थान पर ट्रंप की लगाई गई

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की सजावट (डेकोरेशन) में अप्रत्याशित बदलाव किया गया है। इसके तहत पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की आधिकारिक तस्वीर को हटा दिया गया है। इस स्थान पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पिछले साल वायरल हुई फोटो को लगाया गया है। व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक अकाउंट में इस बदलाव को साझा किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जुलाई में पेंसिल्वेनिया के बटलर काउंटी के मैदान में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीबारी की गई थी। इस हमले में ट्रंप के कान को छूते हुए गोली निकल गई थी। इसके बाद ट्रंप की एक फोटो दुनियाभर में वायरल हुई थी। इसमें ट्रंप मुट्ठी बांधकर मजबूती से लड़ने

का इशारा करते हैं। यही फोटो व्हाइट हाउस में लगाई गई है। ओबामा का फोटो 2022 में व्हाइट हाउस के स्टेट फ्लोर के फोयर में सीढ़ियों के पास लगाया गया था। अब उसे सामने की दूसरी दीवार में शिफ्ट किया गया है। यहां पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश का फोटो लगा था। बुश के फोटो को शिफ्ट कर उनके पिता जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश की तस्वीर के पास लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन ने ओबामा की तस्वीर के अनावरण के लिए व्हाइट हाउस में पूर्व राष्ट्रपति ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल की मेजबानी की थी। इससे पहले डेमोक्रेट बिल क्लिंटन ने रिपब्लिकन जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश और राष्ट्रपति बुश ने क्लिंटन की मेजबानी की थी।ओबामा ने 2012 में बुश के आधिकारिक चित्र के अनावरण के लिए व्हाइट हाउस में जॉर्ज डब्ल्यू बुश और उनकी पत्नी लॉरा का स्वागत किया था। मगर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान ओबामा की मेजबानी नहीं की थी।

व्हाइट हाउस की परंपरा के मुताबिक हाल ही के दो राष्ट्रपतियों के फोटो फोयर में लगे होते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की नई तस्वीर व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की। खास बात यह है कि डोनाल्ड ट्रंप की फोटो को बिना किसी पूर्व सूचना के लगाया गया है। ट्रंप वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपति दोनों हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चिकित्सा जांच कराने लंदन पहुंचे

एजेंसी

लंदन। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कल लंदन पहुंचे। बेलारूस की यात्रा पूरी कर लंदन पहुंचे शहबाज के दो दिन रुकने की योजना है। उनके बड़े भाई पीएमएल-एन अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ दो सप्ताह के लिए ब्रिटेन की राजधानी पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज देर शाम ल्यूटन हवाई अड्डे पर उतरे। शहबाज का आज लंदन में स्वास्थ्य परीक्षण होना है। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ रविवार रात इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानी सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए स्वदेश वापस लौटेंगे। पीएमएल-एन के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री आज चिकित्सा जांच के लिए जाएंगे और रविवार को उनकी दो बैठकें होंगी। वे कई वर्षों से लंदन में स्वास्थ्य जांच से गुजर रहे हैं। स्वदेश रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री एवेन फील्ड फ्लैट्स में अपने बड़े भाई नवाज से मिलेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि बेलारूस ने पूर्वी यूरोपीय राष्ट्र में राष्ट्र

निर्माण प्रयासों में योगदान देने के लिए 150,000 से अधिक युवा, अत्यधिक कुशल पाकिस्तानी श्रमिकों को आमंत्रित करने के लिए उदार प्रस्ताव दिया है।

अमेरिका में 24 घंटे में दूसरा विमान हादसा, फ्लोरिडा में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में 24 घंटे के अंदर दूसरा विमान हादसा हुआ है। न्यूयॉर्क के बाद फ्लोरिडा में एक छोटे विमान (सेसना 310 आर) के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। न्यूयॉर्क के विमान हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय अधिकारियों और अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार, यह हादसा सुबह फ्लोरिडा के बोका रैटन में हुआ।एबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, बोका फायर रेस्क्यू के सहायक अग्निशमन प्रमुख माइकल लासेल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विमान में स्पष्ट रूप से कुछ यांत्रिक समस्याएं थीं और यह मिलिट्री ट्रेल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आसमान से गिरने पर यह सबसे पहले कार से टकराया। इसके बाद

उसमें आग लग गई। आग के कारण वह पेड़ से टकरा गया। अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि सेसना 310 आर ने सुबह 10:15 बजे बोका रैटन हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। यह टल्हासी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के विमानन दुर्घटना जांचकर्ता कर्ट गिब्सन के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले यह लगभग आठ से 10 मिनट तक हवा में रहा। बोका रैटन के मेयर स्कॉट सिंगर ने कहा, 'हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों और सभी प्रभावितों के साथ हैं।' बताया गया है कि सड़क पर छोटा विमान जिस कार से टकराया, उसमें मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया। टक्कर के बाद कार रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई। इस कारण रेलवे मार्ग को भी रोकना पड़ा। हादसे के बाद बोका रैटन एयरपोर्ट के पास कई सड़कें बंद कर दी गईं। इससे पहले गुरुवार को न्यूयॉर्क में एक टूरिस्ट हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई । मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। इस हादसे में दिग्गज टेक कंपनी सीमेंस के सीईओ अगस्टिन एस्कोबार और उनका पूरा परिवार मारा गया।

सुप्रीम कोर्ट कहेगा तो अब्रेगो गार्सिया को अल साल्वाडोर की जेल से अमेरिका लाया जाएगा : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत में अपने फैसले पर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट कहेगा तो वह किल्मर अब्रेगो गार्सिया को अमेरिका वापस लाएंगे। उनके मन में सुप्रीम कोर्ट के लिए बहुत सम्मान है। ट्रंप का यह बयान सुप्रीम कोर्ट की कल की टिप्पणी के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ट्रंप प्रशासन को अब्रेगो गार्सिया को वापस लाने में सुविधा प्रदान करनी चाहिए, क्योंकि प्रशासन ने स्वीकार किया है कि उसने गलती से गार्सिया को अल साल्वाडोर की जेल में निर्वासित कर दिया था। एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन से कहा था कि वह इस संबंध में अपने आगामी कदमों की जानकारी दे। ट्रंप ने आज रात एयर फोर्स वन में कहा कि वह निचली अदालत के आदेशों का पालन करने के लिए

बाध्य नहीं होंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं निचली अदालत की बात नहीं कर रहा हूं, मैं सुप्रीम कोर्ट का बहुत सम्मान करता हूं। अगर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे वापस लाया जाए, तो मैं शीर्ष अदालत के फैसले को स्वीकार करूंगा। उल्लेखनीय है कि एब्रेगो गार्सिया को पिछले महीने अल साल्वाडोर की एक कुख्यात मेगाजेल में उन लोगों के साथ भेजा गया था, जिनके बारे में प्रशासन का दावा है कि वे वेनेजुएला के गिरोह के सदस्य हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि मूल रूप से अल साल्वाडोर के रहने वाले एब्रेगो गार्सिया अमेरिका में वैधानिक रूप रह रहे थे और गिरोह की हिंसा से बचने के लिए उन्होंने अपना देश छोड़ दिया था।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के छात्र खलील के निर्वासन को कोर्ट की हरी झंडी

एजेंसी

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन फिलिस्तीन समर्थक कोलंबिया यूनिवर्सिटी के स्नातक छात्र महमूद खलील को निर्वासित कर सकता है। लुइसियाना के इमिग्रेशन जज जेमी कोमन्स यह फैसला सुनाया। जज ने

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सूडान में हर तीन में से दो को मदद की जरुरत, पीछे हट रहे दानदाता : यूएन

एजेंसी

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एजेंसियों ने सूडान में मानवीय संकट के बेहद गंभीर होने को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि देश में अकाल फैल रहा है और हिंसक टकराव जारी है जिसमें सभी आयु वर्ग के नागरिकों को बलात्कार समेत अन्य दुर्व्यवहारो का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दानदाता अब पीछे हट रहे हैं। आपात सहायता मामलों के लिए यूएन कार्यालय के प्रवक्ता येन्स लार्क ने शुक्रवार को बताया कि शान्ति हासिल होती नजर नहीं आ रही है, जबकि सूडानी नागरिक इस विशाल मानवीय संकट में फंसे हुए हैं। लार्क ने कहा, हर तीन में से दो लोगों को मदद की जरुरत है, यानि तीन करोड़ लोग...इसके लिए व्यापक स्तर पर अन्तरराष्ट्रीय समर्थन की आवश्यकता है लेकिन हम दुनिया भर के दानदाताओं को अपने कदम पीछे हटाते देख रहे हैं।

विश्व खाद्य कार्यक्रम ने अकाल

का सामना कर रहे 2.5 करोड़ सूडानी नागरिकों के हालात पर गहरी चिन्ता जताई है। सूडान के लिए यूएन एजेंसी की संचार अधिकारी लेनी किन्ज़ली ने बताया कि दो वर्षों से जारी युद्ध की वजह से सूडान में विश्व की सबसे बड़ी भूख आपदा पैदा हो गई है और अकाल फैल रहा है। पूर्व राष्ट्रपति उमर अल-बशीर की सत्ता से बेदखली के बाद देश में नागरिक शासन को बहाल किए जाने पर उभरे मतभेदों के बाद, 15 अप्रैल 2023 को सूडान की सशस्त्र सेना और अर्द्धसैनिक बल (आरएसएफ) के बीच हिंसक संघर्ष भीषण लड़ाई में देश के अनेक हिस्सों में शहरों को भारी नुकसान हुआ और हजारों आम नागरिक हताहत हुए। कम से कम 1.24 करोड़ लोग बेघर हो गए, जिनमें 33 लाख ने अन्य देशों में शरण ली।

पिछले दो वर्षों में स्वास्थ्य केन्द्रों पर 156 हमलों की पुष्टि हुई है, जिनमें 300 से अधिक लोगों की जान गई है और स्वास्थ्य देखभालकर्मियों व मरीजों समेत 270 घायल हुए हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए यूएन संस्था के अनुसार, हिंसक टकराव से ग्रस्त इलाकों में 80 फीसदी अस्पतालों में कामकाज ठप है, और मातृत्व मौतों में चिन्ताजनक वृद्धि हो रही है। सूडान में हर 10 में से आठ विस्थापित महिलाओं व लड़कियों की स्वच्छ जल तक पहुंच नहीं है।

बसवराज रायरेड्डी के बयान पर भाजपा का कटाक्ष, भ्रष्टाचार और लूट का एटीएम बना कर्नाटक

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य भ्रष्टाचार और लूट का एटीएम बन गया है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रवक्ता प्रत्यूष कंठ ने कहा कि कर्नाटक में अब तक हम कहते थे कि राज्य भ्रष्टाचार का अड्डा है। अब सत्ता पक्ष के लोगों ने साबित कर दिया है कि कर्नाटक वाकई भारत का सबसे भ्रष्ट राज्य बन गया है। येलबुर्गा के विधायक और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने कहा कि कर्नाटक भ्रष्टाचार में नंबर वन है। यहां तक कि कर्नाटक के राजस्व मंत्री ने भी माना कि उनके विभाग में बहुत भ्रष्टाचार है। राज्य चलाने वाले लोग खुद राज्य में भ्रष्टाचार को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो राज्य भ्रष्टाचार और लूट का एटीएम बन जाएगा। देखिए, उनके शब्द कितने भविष्यसूचक थे। कर्नाटक वाकई भ्रष्टाचार में नंबर वन बन गया है। चोरी को संस्थागत रूप दे दिया गया है। जबकि मोदी सरकार विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है, कर्नाटक में इसके विपरीत स्थिति देखिए, जहां भ्रष्टाचार केंद्र में है।

दिल्ली के मेयर ने निगमायुक्त को हटाने के लिए गृह मंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर महेश कुमार खिची ने निगमायुक्त अश्विनी कुमार को हटाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। महापौर ने अश्विनी कुमार के स्थान पर एक उत्तरदायी निगमायुक्त की नियुक्ति की मांग की है। महापौर ने पत्र में लिखा है कि निगमायुक्त सदन को बिना विश्वास में लिये जनता की कमर तोड़ने वाले टैक्स लगा रहे हैं और विभिन्न मामलों में फीस बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगमायुक्त का रवैया पूरी तरह से उदासीन और जनविरोधी है। महापौर ने कहा कि नागरिक सुविधाएं देने के लिए निगम के कार्यपालक अधिकारियों एवं विधायी संस्थाओं के प्रमुखों के साथ समन्वय एवं सहयोग आवश्यक है। खिची ने कहा कि जनता टैक्स के बोझ से परेशान है और निगमायुक्त ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं किए। पत्र में उन्होंने यह भी लिखा है आयुक्त को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए और निगम में एक ऐसी सोच वाले व्यक्ति की नियुक्ति की जाए, जो दिल्ली की जनता और निगम के बीच तालमेल बना सके। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यूजर चार्ज के खिलाफ एमसीडी मेयर ने गुरुवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा था।

आईपीएल मैच के दौरान मेट्रो अपनी सभी लाइनों पर बढ़ायेगी अंतिम ट्रेन का समय

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टी-20 क्रिकेट मैच देखने के लिए मेट्रो का उपयोग करने वाले दर्शकों की सुविधा के लिए सभी लाइनों पर अपनी अंतिम ट्रेन का समय बढ़ाया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के प्रवक्ता अनुज दयाल के अनुसार 13, 16, 27 और 29 अप्रैल और 11 मई को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के टी-20 मैचों के दौरान दर्शकों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित सभी लाइनों पर अपनी अंतिम ट्रेन के समय में परिवर्तन किया है। उन्होंने बताया कि अरुण जेटली स्टेडियम दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन के पास है, जो वॉयलेट लाइन पर है। यह लाइन कश्मीरी गेट से राजा नाहर सिंह मेट्रो स्टेशन के बीच है। हालांकि मैच वाले दिन सभी मेट्रो लाइनों पर आखिरी मेट्रो 30-45 मिनट की देरी से निकलेगी, जिससे मैच देखने वाले दर्शकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सहूलियत रहे।

राजधानी में डीटीसी बस, ट्रक एवं रेस्टोरेंट में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में तीन जगहों पर आग लगने का मामला सामने आया है। गनीमत यह रही कि तीनों ही जगहों पर कोई हताहत की सूचना नहीं मिली। रात आजादपुर में खड़े ट्रक में आग लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। फराश खाना इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट में आग लग गई। मौके पर पहुंची चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। वहीं, रोहिणी सेक्टर -37 स्थित एक बस डिपो के अंदर खड़ी डीटीसी बस में आग लग गई। मौके पर पहुंची तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। तीनों जगहों पर पुलिस मामला दर्ज आग लगने का कारण पता लगाने की कोशिश कर रही है। जानकारी के मुताबिक, फराश खाना इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट में आग लग गई।

घटना की सूचना पर दमकल की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आग की चपेट में आकर सिलेंडर भी फट सकते थे, लेकिन दमकल विभाग ने समय पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। इसके अलावा पहले ही लोगों ने अपने घरों से और टंकी के पानी से आग को बुझाने का काफी प्रयास किया। जब दमकल की गाड़ी पहुंची तो लोगों ने उसे वहां से जाने के लिए कहा। इसके बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया।

दिल्ली में नरेला के एजुकेशनल हब के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट : उपराज्यपाल

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्च शिक्षा हमारी प्राथमिकता में है। इसके मद्देनजर नरेला में प्रस्तावित एजुकेशनल हब के लिए इस साल के बजट में 500 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल एवं गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (आईपीयू) के कुलाधिपति विनय कुमार सक्सेना ने यह बातें आईपी यूनिवर्सिटी के द्वारका कैंपस में आयोजित 17वें दीक्षांत समारोह में अध्यक्षीय भाषण में कही। इस अवसर पर यूजी से पीएचडी तक के कुल 24,456 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। 110 छात्रों को पीएचडी, 12 को एमफ़िल, 2,624 को मास्टर्स, 20,739 को बैचलर्स, 483 को एमबीबीएस, 488 को एमडी, एमएस एवं आयुर्वेद वाचस्पति की डिग्री दी गई।इनमें से 74 छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कुल 110 पीएचडी प्राप्तकर्ताओं में 35 पुरुष और 75 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा 73 मेडल विजेताओं में, 49 महिलाएं हैं। साथ ही यूनिवर्सिटी के

द्वारा दिए गए विशेष पदक भी महिलाओं ने जीते। यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलसचिव रहे डॉ. बीपी जोशी की स्मृति में दिया जाने वाला एक स्वर्ण पदक रिया दुआ को दिया गया, सिद्धार्थ खिटोलिया अवार्ड मुस्कान गुप्ता ने प्राप्त किया और अशोक साहनी एवं सुमन साहनी अवार्ड क्रमशः टेक्नोलॉजी एवं मेडिसिन के फील्ड में उल्लेखनीय योगदान के लिए पूजा सुखीजा और हिमानी तोमर को दिया गया।

डिग्री लेने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि अब आपके कंधों पर पूरे समाज और राष्ट्र की जिम्मेदारी है। आपको संवेदनशील रहना होगा। जो शिक्षा किसी के जीवन में खुशी ना ला सके वो किसी काम की नहीं। मानवीय मूल्यों की पढ़ाई किताबों से संभव नहीं है। इतिहास इस बात का गवाह है कि एक मनुष्य पूरी दुनिया में परिवर्तन ला सकता है। अब दिल्ली सुरक्षित हाथों में है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि हमारी प्राथमिकता दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की है। छात्रों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के प्रति वे अपनी जिम्मेदारी को समझें। आपसी भागीदारी से ही विकसित दिल्ली या विकसित भारत का लक्ष्य पाया जा सकता है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि डिग्री सही मायने में विद्यार्थियों के संघर्ष की गाथा है और उनके जीवन की असली परीक्षा अब शुरू होगी। विद्यार्थियों को सस्टेनेबलिटी और एआई से देश की सूरत को बदलना होगा। सीखने की प्रक्रिया हमेशा जारी रहनी चाहिए।

दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र ने कहा कि स्किल गैप को कम करने की जरूरत है।

दिल्ली मंडल के रेल प्रबंधक ने कहा-कुलियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) पुष्पेश रमन त्रिपाठी ने कहा कि कुलियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को लाभ होगा और साथ ही यह कुलियों के दैनिक जीवन में भी उपयोगी होगा। त्रिपाठी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुलियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/यात्री सेवाएं, स्टेशन निदेशक और दिल्ली मंडल के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।डीआरएम त्रिपाठी ने कहा कि सहायकों के साथ बातचीत उनकी कार्य स्थितियों और समग्र कल्याण

में सुधार के लिए रेलवे के प्रयासों का एक अनिवार्य हिस्सा है। सहायकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे स्टेशन पर यात्रियों के साथ संपर्क में सबसे आगे होते हैं और उन्हें यात्रियों के साथ विश्वास का माहौल बनाने का प्रयास करना चाहिए। सहायकों को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को लाभ होगा और साथ ही यह सहायकों के दैनिक जीवन में भी उपयोगी होगा।

भारतीय ईवीएम फुलप्रूफ, डेटा तक अनधिकृत रूप से कोई नहीं पहुंच सकता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग ने हैकर्स के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम में हेराफेरी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के बयान का जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि भारतीय ईवीएम को फुलप्रूफ बनाया गया है। इसमें किसी भी नेटवर्क या वाई-फाई से कनेक्ट करने की क्षमता नहीं है। इसलिए ईवीएम के डेटा तक कोई भी अनधिकृत रूप से पहुंच नहीं सकता है। चुनाव आयोग के एक सूत्र ने कहा कि ईवीएम साधारण कैलकुलेटर के समान कार्य करती है, केवल वोटों की सही गणना करने के लिए ईवीएम होती हैं। आयोग ने जोर देकर कहा कि पांच करोड़ से अधिक मतदाताओं द्वारा सत्यापित पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों को वोटों की गिनती के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सावधानीपूर्वक सत्यापित और मिलान किया गया। इससे मतदान प्रक्रिया की विश्वसनीयता को बल मिलता है। सुप्रीम कोर्ट कठोर

कानूनी जांच के माध्यम से भी इनकी जांच कर चुका है। साथ ही वास्तविक चुनावों से पहले किए गए मॉकपोल के जरिए विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा सत्यापन किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत में चुनाव के दौरान प्रयोग की जाने वाली ईवीएम को लेकर तुलसी गबार्ड ने सवाल उठाया था। गबार्ड ने गुरुवार को दावा था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के जरिए चुनाव में छेड़छाड़ के महत्वपूर्ण जोखिम हैं। ये सिस्टम लंबे समय से हैकर्स के लिए अतिसंवेदनशील रहे हैं, जिनमें मतदान के परिणामों में हेरफेर करने की क्षमता है। इस बात के साक्ष्य मिले हैं कि कैसे ये इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम बहुत लंबे समय से हैकरों के लिए आसान टार्गेट थीं और वोटों के परिणामों में हेरफेर करने के लिए उनका इस्तेमाल किया जा सकता था। उन्होंने इस आधार पर अमेरिका में पेपर बैलेट के इस्तेमाल की वकालत की।

विरासत, संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का अवसर है सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का दिल्ली के लाल किले पर किये जाने वाला मंचन भारतवर्ष के महान, यशस्वी और दूरदर्शी शासक सम्राट विक्रमादित्य के प्रेरणादायक जीवन को पुनः जीवंत करेगा। यह उनके द्वारा सुशासन के क्षेत्र में स्थापित किये गये मानदण्डों से आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर केन्द्रित महानाट्य का मंचन दिल्ली में किया जा रहा है, जो हर्ष और सौभाग्य का विषय है। इस महानाट्य के माध्यम से दिल्लीवासियों को अपनी विरासत, संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्तानई दिल्ली में चांदनी चौक पर मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित सम्राट विक्रमादित्य की शोभा यात्रा शुरू होने पहले कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की

अवधारणा पर इतने बड़े आयोजन का उन्हें स्वागत अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने दिल्ली के नागरिकों को लाल किले के माधव दास पार्क में 12 से 14 अप्रैल तक आयोजित होने वाले सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य को देखने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सम्राट विक्रमादित्य का पात्र निभाने वाले कलाकार विक्रम सिंह चौहान की आरती उतारी, तिलक लगाया और पुष्पाहार पहना कर दिल्ली में स्वागत किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सम्राट विक्रमादित्य को रथ पर बैठा कर फतेहपुरी, चांदनी चौक से लाल किले तक भव्य शोभा यात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में घोड़ों और ऊंट पर सवार सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्न, सैनिक और नृत्य दल शामिल हुआ।

अयोध्या राष्ट्र का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आधार, प्राचीन भारत का सॉफ्ट पावर: मनोज सिन्हा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी कला केंद्र और अयोध्या न्यास का तीन दिवसीय 'अयोध्या पर्व' का भव्य शुभारम्भ हुआ। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 22 जनवरी को पुनर्निर्मित श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि यह तिथि नहीं, एक ऐसी सेतु है, जिसमें अतीत से वर्तमान को जोड़ने का एक वृहत्तर काम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ एक प्राचीन शहर और तीर्थस्थल का पुनरुत्थान नहीं है बल्कि सदियों के भारत ने एक आध्यात्मिक जागृति का अनुभव किया है। अयोध्या का महत्त्व भूगोल से परे है। अयोध्या आनंद और जागृति की कुंजी है। अयोध्या हमारी सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। अयोध्या हमारी प्रेरक शक्ति है। अयोध्या राष्ट्र का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आधार भी है। हज़ारों वर्षों से

अयोध्या ने हमारी राष्ट्रीय पहचान और पूरे समाज को जोड़े रखने में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कि एक तरफ अयोध्या में जहां आप अध्यात्म का स्वर्ण शिखर देख सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ अयोध्या में आपको व्यक्तिगत मूल्यों और आकांक्षाओं का प्रतीक मूल्य भी स्पष्ट रूप से नज़र आएगा। रामराज्य के संदर्भ में उन्होंने कहा, भगवान राम को विकास, साहस, न्याय और जीवंत धर्म का प्रतीक पुरुष मानते हैं। वह अवतार थे, लेकिन सुशासन के भी प्रतीक हैं। वह त्रेता युग में जरूर पैदा हुए थे, लेकिन वह भविष्योन्मुखी भी हैं। सुशासन के संदर्भ में मनोज सिन्हा ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम चला रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 'अयोध्या पर्व' के आयोजन के लिए आईजीएनसीए और अयोध्या न्यास को बधाई दी और आयोजन के सफलता की कामना की।

यूपीएससी ने एनडीए और एनए परीक्षा (II) 2024 का अंतिम परिणाम घोषित किया

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और नौसेना अकादमी (एनए) परीक्षा (II), 2024 की लिखित परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। यूपीएससी ने एक बयान जारी कर बताया कि आयोग द्वारा 1 सितंबर, 2024 को आयोजित लिखित परीक्षा और उसके बाद सेवा चयन बोर्ड, रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित साक्षात्कारों के परिणामों के आधार पर एनडीए के सेना, नौसेना और वायु सेना विंग में 154वें पाठ्यक्रम और एनए में 116वें भारतीय नौसेना अकादमी पाठ्यक्रम (आईएनएसी) में प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले 792 उम्मीदवारों की योग्यता क्रम की सूची जारी की है। आयोग ने बयान में कहा है कि इन सूचियों को तैयार करते समय मेडिकल परीक्षा के परिणामों को ध्यान में नहीं रखा गया है। परिणाम यूपीएससी की वेबसाइट https://www.upsc.gov.in पर भी उपलब्ध है। उम्मीदवारों के अंक अंतिम परिणाम घोषित होने की तिथि से 15 दिन बाद वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

आईपीयू की 150वीं सभा में बोले राज्य सभा के उपसभापति, लोकतांत्रिक सुदृढ़ीकरण के लिए उठाए गए कदमों को किया रेखांकित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने ताशकंद में आयोजित अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 150वीं सभा के दौरान भारत सरकार द्वारा जवाबदेही को बेहतर बनाने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सशक्त करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों को रेखांकित किया। ये अभ्युक्तियां आईपीयू संकल्पों और निर्णयों के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित विशेष सत्र में की गई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 'हमारी सरकार ने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, शोषण, तस्करी, और हिंसा के विरुद्ध एक व्यापक रणनीति लागू की है, जिसके अंतर्गत द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और इन मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय पहलों में भागीदारी की गई है। भारत ने सशक्त संसदीय लोकतंत्र, स्वतंत्र न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसे संस्थानों की स्थापना हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए की है।÷ उपसभापति सभा की मुख्य कार्यवाही और गवर्निंग काउंसिल की बैठक का भी हिस्सा थे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया जिसमें दोनों सभाओं के सदस्य सम्मिलित थे। आईपीयू सभा का विषय

सामाजिक विकास और न्याय हेतु संसदीय कार्रवाई था। अपने पांच दिवसीय ताशकंद दौरे के दौरान उपसभापति ने विभिन्न देशों के पीठासीन अधिकारियों और राष्ट्राध्यक्षों के साथ कई अन्य द्विपक्षीय बैठकें की ।राज्य सभा सचिवालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया उपसभापति और लोक सभा अध्यक्ष ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव से भी शिष्टाचार भेंट की। इस बैठक में उन्होंने दोनों देशों के गहरे संबंधों को रेखांकित किया तथा आगामी वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने पर बल दिया। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारत उज्बेकिस्तान की स्वतंत्रता के बाद उसकी राज्य संप्रभुता को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था, जिसे 18 मार्च, 1992 को राजनयिक संबंधों की स्थापना द्वारा औपचारिक रूप दिया गया।सम्मेलन के दौरान उपसभापति और लोक सभा अध्यक्ष ने आर्मेनिया, कज़ाख़स्तान, उज्बेकिस्तान सहित अन्य देशों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

दूसरे परीक्षण में लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम 'गौरव' ने लक्ष्य पर साधा सटीक निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (एलआरजीबी) गौरव अपने दूसरे परीक्षण में भी खरा उतरा है। ओडिशा के तट पर परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को बिल्कुल सटीकता से मारकर अपनी उपयोगिता साबित की। उड़ान की निगरानी डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना को बधाई दी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का पहला परीक्षण पिछले साल 14 अगस्त को किया था। डीआरडीओ ने लड़ाकू विमान एसयू-30 एमकेआई से 8-10 अप्रैल के दौरान लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (एलआरजीबी) 'गौरव' के सफल परीक्षण किए हैं। उड़ान परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को सटीक निशाना बनाया। परीक्षण प्रक्षेपण के दौरान संपूर्ण उड़ान डेटा को समुद्र तट के किनारे एकीकृत परीक्षण रेंज में तैनात टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए कैप्चर किया गया। उड़ान की निगरानी डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने की। विकास सह उत्पादन साझेदार अडाणी डिफेंस और भारत फोर्ज ने भी उड़ान परीक्षण के दौरान भाग लिया। एलआरजीबी 'गौरव' हवा से प्रक्षेपित 1,000 किलोग्राम वर्ग का ग्लाइड बम है, जो लंबी दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। प्रक्षेपित होने के बाद ग्लाइड बम आईएनएस और जीपीएस डेटा के संयोजन के साथ अत्यधिक सटीक हाइब्रिड नेविगेशन योजना का उपयोग करके लक्ष्य की ओर बढ़ता है। गौरव को हैदराबाद के रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम 'गौरव' के सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना को बधाई दी।

दिल्ली में तेज आंधी के साथ बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लगातार दूसरे दिन तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इससे एक तरफ जहां तापमान में गिरावट आई वहीं दूसरी तरफ कई इलाकों में पेड़ और बिजली के खम्भे गिर गए, जिससे कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट समेत उत्तर भारत के कई हवाई अड्डों पर विमान परिचालन भी प्रभावित हुआ। गुरुवार को भी धूल भरी आंधी आई थी और बारिश भी हुई थी। आज शाम आई तेज आंधी के कारण दिल्ली-एनसीआर में चारों तरफ धूल का गुबार ही नजर आ रहा था, जिसके कारण सड़कों पर पैदल ही नहीं बल्कि वाहन पर भी चलना दूभर हो गया। आंधी के बाद अचानक झमाझम बारिश भी होने लगी। यही हाल गुरुग्राम और नोएडा का भी रहा। वहां भी धूल भरी आंधी चलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों के दफ्तरों से निकलने का समय था कि तभी आंधी चलने लगी।धूल भरी आंधी के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर 15 उड़ानों को डायवर्ट किया गया। दिल्ली में मौसम बिगड़ने के चलते मेट्रो ट्रेनों की रफ्तार पर भी असर पड़ा। बिजली का खंभा गिरने से आईटीओ इलाके में यातायात प्रभावित हुआ। दिल्ली के

सराय रोहिल्ला इलाके में पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मौसम विभाग ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में हल्की से मध्यम बारिश, आंधी, धूल भरी आंधी के साथ 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने अपने अलर्ट में कहा, अगले 2 घंटों के दौरान पूरे दिल्ली और एनसीआर में धूल भरी आंधी/बाद में हल्की से मध्यम बारिश (40-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं) की संभावना है। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा था कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण 9 से 11 अप्रैल के बीच राजधानी में बारिश और आंधी की संभावना है। इससे पहले, गुरुवार को भी दिल्ली में धूल भरी आंधी के बाद अचानक बारिश हुई, जिससे एक घंटे के भीतर तापमान में भारी गिरावट आई और भीषण गर्मी से काफी राहत मिली।

दिल्ली को सुरक्षित बनाने का संकल्प, सीएम ने चार हजार डार्क स्पॉट्स को रोशन करने के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सार्वजनिक सुरक्षा, ट्रैफिक की समस्या और बेघर लोगों के लिए बनाए गए शेल्टर होम्स की स्थिति में व्यापक सुधार के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने शहर में फैले 4,000 से अधिक डार्क स्पॉट्स (अंधेरे इलाकों) को प्राथमिकता के आधार पर सुधारने के आदेश दिए हैं।

एक उच्च स्तरीय बैठक में सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहर में जिन चार हजार जगहों पर प्रकाश की कमी है, वह महिलाओं के लिए असुरक्षित साबित हो सकते हैं। इन इलाकों में सफाई के साथ-साथ पर्याप्त स्ट्रीट लाइट्स लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द इन स्थानों को सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने 129 मोबाइल डार्क स्पॉट भी चिह्नित किए, जहां मोबाइल नेटवर्क कवरेज कमजोर है या पूरी तरह से नहीं है। सीएम ने इन क्षेत्रों में इमरजेंसी सेवाओं की सुचारू पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टेलीकॉम कंपनियों और संबंधित विभागों को नेटवर्क सुधार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में मजबूत मोबाइल कनेक्टिविटी, विशेषकर संकट की घड़ी में, सुरक्षा का एक अहम हिस्सा है। इसके अलावा, दिल्ली में भीड़भाड़ वाले 233 स्थानों की पहचान की गई है, जो यातायात प्रवाह और सार्वजनिक आवाजाही दोनों को बाधित कर रहे हैं। इनमें से 123 पॉइंट्स लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आते हैं। अब तक 41 प्वाइंट्स से जाम की समस्या को हटाया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि शहर की जनता को जाम से राहत देने के लिए शेष सभी प्वाइंट्स को जून तक हर हाल में हल किया जाए।

ऑडिटोरियम व लाइब्रेरी की डीपीआर तैयार करें अधिकारी- आयुक्त

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर आयुक्त रेनू सोगन ने निगम क्षेत्र के गांव नखड़ौला व नाहरपुर कासन का दौरा किया। इस दौरान गांव नखड़ौला में बनने वाले ऑडिटोरियम व लाइब्रेरी के लिए प्रस्तावित भूमि का अवलोकन किया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारी को डीपीआर तैयार करने के आदेश दिए। आयुक्त रेनू सोगन ने निगम अधिकारियों के साथ शुक्रवार को गांव नखड़ौला, नाहरपुर कासन, आईएमटी सेक्टर-6 आदि इलाकों का दौरा किया। इस दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को समस्याओं का हल करने के आदेश दिए। आयुक्त ने कहा कि गांव नखड़ौला में जिस भूमि पर ऑडिटोरियम, एसटीपी, जोहड़ और लाइब्रेरी बनाई जानी प्रस्तावित है, अधिकारी तय मानकों की जांच करके ऑडिटोरियम और लाइब्रेरी की डीपीआर तैयार करें। डीपीआर के समय आर्किटेक्ट के साथ रायशुमारी अवश्य करें। डीपीआर तैयार करके मुख्यालय को अनुमति के लिए भेजा जाएगा। इसके अलावा गांव नाहरपुर कासन और सेक्टर-6 के कुछ इलाकों में गंदा पानी भरने की शिकायत भी आयुक्त के समक्ष पहुंची थी। आयुक्त ने मौके पर पंप लगाकर अस्थाई समाधान के निर्देश दिए। स्थाई समाधान के लिए अधिकारियों ने बताया कि जीएमडीए की सीवर लाइन ब्लॉक है। जिस कारण गांव में पानी की निकासी नहीं हो रही।

ब्लॉक समिति चेयरपर्सन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए बुलाई बैठक दूसरी बार स्थगित

बहादुरगढ़। ब्लॉक समिति बहादुरगढ़ की चेयरपर्सन वर्षा गौतम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर बुलाई गई बैठक दूसरी बार भी स्थगित हो गई है। बैठक की अध्यक्षता करने वाली अतिरिक्त उपायुक्त सलोनी शर्मा बीमार होने की वजह से छुट्टी पर चली गईं। ऐसे में बैठक स्थगित करनी पड़ी। पिछली बार गत 9 जनवरी को भी उनके छुट्टी पर चले जाने की वजह से बैठक स्थगित करनी पड़ी थी। ऐसे में अतिरिक्त उपायुक्त की ओर से दोबारा बैठक बुलाई गई थी, जिसे स्थगित कर दिया गया। बैठक में भाग लेने के लिए बी.डी.पी.ओ. कार्यालय में कुछ पार्षद पहुंचे थे, मगर उन्हें जैसे ही सूचना मिली कि बैठक स्थगित हो गई है तो वे भी निराश होकर घर लौट गए। बैठक स्थगित होने के पीछे कई तरह के कयास भी लगाए जा रहे हैं। चेयरपर्सन वर्षा गौतम ने इसके पीछे भाजपा के ही कुछ नेताओं पर जान-बूझकर प्रशासनिक अधिकारियों को दबाव में लेकर बैठक को स्थगित कराने का आरोप लगाया है। उधर, चर्चा थी कि चेयरपर्सन के पक्ष में 17 सदस्य प्रदेश से बाहर घूमने गए हुए थे। वहीं विपक्ष वाले सदस्य भी घूमने गए थे लेकिन उनके सदस्यों की संख्या 20 तक नहीं पहुंच सकी। दरअसल, चेयरपर्सन वर्षा गौतम के खिलाफ पिछले दिनों ब्लॉक समिति के 30 में से 20 सदस्यों ने उपायुक्त को शपथ पत्र देकर अविश्वास प्रस्ताव लाने की मांग की थी। एक दिन बाद ही 3 सदस्यों ने अपना शपथ पत्र वापस ले लिया था।

समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने में ज्योतिबा फुले ने निभाई अग्रणी भूमिकाः राजीव जैन

सोनीपत। नगर निगम के महापौर एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन ने महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उनको नमन करते हुए युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे उनके आदर्शों व शिक्षाओं तथा संपूर्ण जीवन का अनुकरण कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका अदा करें। वे महात्मा फूले के जयंती समारोह में उपस्थित जनसमूह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्य आयोजन नई सब्जी मंडी चौक पर किया गया जहाँ पर प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद महात्मा ज्योतिबा फुले अमर रहें के नारे लगाए गए । राजीव जैन ने महात्मा ज्योतिबा फूले द्वारा अपने समय में किये गए कार्यों एवं उनके सम्पूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महात्मा फूले विरले संत एवं समाज सुधारक थे, जिनका पूरा जीवन समाज को समर्पित रहा। महात्मा फूले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जमकर आवाज बुलंद की। कुरीतियों को दूर करने के लिए संघर्ष किया और लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। विशेष रूप से उन्होंने समाज में व्याप्त महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों व शिक्षा के लिए लंबा संघर्ष किया, जिसके सुखद परिणाम भी सामने आये। उनका मानना था कि भावी पीढ़ी का निर्माण करने वाली माताओं-बहनों को शिक्षित किये बिना समाज व राष्ट्र की वास्तविक उन्नति नहीं हो सकती। जब इस कार्य के लिए उन्हें कोई महिला नहीं मिली तो उन्होंने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फूले को शिक्षित कर एक शिक्षिका बनाया, ताकि वे महिलाओं को शिक्षित कर सकें।

सीजेएम नेहा गुप्ता ने किया वन स्टाप सेंटर का निरीक्षण, सुविधाओं का लिया जायजा

नूंह। सीजेएम नेहा गुप्ता ने नूंह में वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। वन स्टॉप सेंटर सी ए फ़रखूंदा ने कहा कि उपायुक्त नूह व जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन मे वन स्टॉप सेंटर में हिंसा या अन्य प्रकार से प्रभावित महिलाओं को एक ही छत के नीचे परामर्श ,चिकित्सा, पुलिस सहायता , कानूनी सहायता ,अस्थाई आश्रय जैसी सेवाएं प्रदान की जाती है। विधिवक्ता मोहम्मद अशफाक अली ने बताया कि महिला किसी भी समय 24 घंटे महिला हेल्पलाइन 181 पर संपर्क कर सकती है। उन्होंने बताया कि नूंह जिले में वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं के अभी तक 1358 मामले आये हैं। 'वन स्टॉप सेंटर्ज' को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने तैयार किया है , उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां हिंसा या अन्य किसी तरह से प्रभावित महिला सभी तरह की मदद एक ही छत के नीचे एक साथ पा सकती।

हरियाणा के विकास में मील का पत्थर साबित होगी ग्लोबल सिटी : नायब सैनी

गुरुग्राम में एक हजार एकड़ में विकसित की जा रही ग्लोबल सिटी विकास परियोजना

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के सभी मानकों को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम में ग्लोबल सिटी विकसित की जाएगी। यह परियोजना हरियाणा के विकास में एक और मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने यह बात शुक्रवार को गुरुग्राम में ग्लोबल सिटी की साइट पर निवेशकों के साथ बैठक को संबोधित करते हुए कही। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर व गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी बैठक में मौजूद रहें। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक लाख करोड़ से अधिक निवेश की क्षमता वाली यह परियोजना लगभग 16 लाख लोगों के जीवन को प्रभावित करेगी। परियोजना के विकसित होने पर करीब पांच लाख रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। एक हजार एकड़ पर विकसित की जा रही इस परियोजना में मिक्स यूज लैंड का प्रावधान किया गया है। जिसमें रिहायशी, व्यावसायिक, हॉस्पिटैलिटी व शैक्षणिक संस्थानों आदि के लिए भी विशेष स्थान रहेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से विकसित की जा रही इस परियोजना का पहला चरण अगले साल के अंत तक निर्धारित टाइम लाइन अनुसार पूरा कर लिया जाएगा। परियोजना के पहले चरण में 587 एकड़ के क्षेत्रफल पर 940 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सिटी में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 18 एकड़ में 350 मिलियन लीटर क्षमता का मास बैलेसिंग रिजर्वायर बनाया जाएगा, जोकि जल भंडारण के रूप में कार्य करेगा और इस सिटी की सुंदरता बढ़ाने के साथ साथ ग्लोबल सिटी के लिए सात दिनों का जल बैकअप भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ग्लोबल सिटी में 10.7 किमी यूटिलिटी टनल होगी, जिसमें वाटर पाइपलाइन, इलैक्ट्रिक केबल, अग्निशमन सेवाएँ, लाइटिंग

सिस्टम, वेंटिलेशन सिस्टम, फायर डिटैक्शन, अर्थिंग सिस्टम आदि का प्रावधान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत पूरी परियोजना में ग्रीन एरिया का भी विशेष ध्यान रखा गया है। ग्लोबल सिटी का तापमान गुरुग्राम शहर से कम रहे। इसके लिए ग्लोबल सिटी में लगभग 125 एकड़ पर ग्रीन जोन प्रस्तावित है। उन्होंने ग्लोबल सिटी की कनेक्टिविटी की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्लोबल सिटी की दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 30 मिनट, रेलवे स्टेशन/आई.सी.डी. से 20 मिनट, हैलीपोर्ट और मल्टीमॉडल ट्रांजिट हब से मात्र 10 मिनट की दूरी रहगी। वहीं एनपीआर, एसपीआर, सीपीआर सहित राष्ट्रीय राजमार्ग 48 सडक से इसकी सडक कनैक्टीविटी रहेगी। मुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट को लेकर 14 बड़े निजी समूहों नामत- मैक्रोटेक (लोढ़ा), डीएलएफ, अडानी, आरएमजेड, एलएंडटी रियल्टी, सिग्नेचर, एल्डेको, हीरो रियल्टी, यूनिटी, बेस्टेक, प्रेस्टिज कंस्ट्रक्शन, जेएलएल, सीबीआरई तथा एएसएफ से सुझाव भी लिए। मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकतर ग्रुप्स के प्रतिनिधियों ने ग्लोबल सिटी को लेकर अपनी रूचि जाहिर की।

मुख्यमंत्री नायब सैनी के 'ड्रग फ्री हरियाणा' संदेश को लेकर गुरुग्राम आई साइक्लोथॉन 2.0

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संकल्प 'नशा मुक्त हरियाणा' बनाने के संदेश को लेकर प्रदेश भर में निकाली जा रही साइक्लोथॉन 2.0 यात्रा का गांव बादशाहपुर ठेठर में जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। विधायक तेजपाल तंवर इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। गांव बादशाहपुर ठेठर में प्रवेश के दौरान साइक्लोथॉन 2.0 में शामिल जवानों पर पुष्प वर्षा की गई और फूल मालाएं पहना कर उनका गरिमापूर्ण ढंग से अभिवादन किया गया। यात्रा का जिले की सीमा में पहुंचने पर सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, एसडीएम संजीव सिंगला, स्थानीय ग्रामीणों, विद्यार्थियों और अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। साइक्लोथॉन 2.0 के आगमन ने पूरे जिले में नशा मुक्ति अभियान के प्रति उत्साह, उमंग और सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर दिया। फरीदाबाद से सुबह चली साइक्लोथॉन 2.0 ने बादशाहपुर ठेठर गांव से जिला गुरुग्राम की सीमा में प्रवेश किया तो सोहना के विधायक तेजपाल तंवर ने सभी साइक्लिस्ट का गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रत्येक वीरवार को नागरिक अस्पताल में की जाती है क्लब फुट से ग्रस्त बच्चों की स्वास्थ्य जांच

एजेंसी

नारनौल। प्रत्येक वीरवार को नागरिक अस्पताल के जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र (डीआईसी) में क्लब फुट से ग्रस्त बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जाती है। सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार ने बताया कि नागरिक अस्पताल में आने वाले क्लब फुट से ग्रस्त बच्चों का इलाज अनुष्का फाउंडेशन की ओर से मुफ्त किया जाता है। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक क्लब फुट के 42 बच्चों का फ्री इलाज अनुष्का फाउंडेशन की ओर से किया जा रहा है।

बच्चों के उपचार में लगभग 5 वर्ष तक का समय लग सकता हैं। इन 42 बच्चों में से 4 बच्चों का इलाज पूर्णतया हो चुका है। इलाज के दौरान

बच्चों को निशुल्क ब्रेसेस एवं जूते प्रदान किए जाते हैं। बच्चों का ईलाज पूर्ण होने पर बच्चा सामान्य जीवन जीने योग्य हो जाता है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि अपने आसपास यदि क्लब फुट से ग्रस्त बच्चा हो तो उसको हर गुरुवार नागरिक अस्पताल नारनौल के (डीआईसी) केंद्र में लेकर आएं ताकि उनका मुफ्त इलाज किया जा सके और बच्चा सामान्य जीवन जीने योग्य हो सके।

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने ली अधिकारियों की बैठक

माइनिंग प्रभावित क्षेत्रों के विकास पर हुई चर्चा

एजेंसी

नारनौल। भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने आज लघु सचिवालय में डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। चेयरमैन डीएमएफ एवं उपायुक्त डा. विवेक भारती ने अब तक हुए कार्यों की जानकारी दी। इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव, महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव तथा नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी भी मौजूद थी। सांसद ने बताया कि माइनिंग क्षेत्र से सीधे प्रभावित तथा अप्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित गांवों व शहरों के लिए योजनाबद्ध तरीके से विकास करवाया जाए। उन्होंने बताया कि पहले खर्च मिनरल फंड का उपयोग प्रमाण पत्र समय पर दिया जाए।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को कहा कि अगली बैठक के लिए नए प्रपोजल तैयार करें। इस बैठक में पेयजल, स्वास्थ्य शिक्षा तथा सड़क आदि विभिन्न प्रोजेक्ट स्वीकृति के लिए रखे गए। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि जिला में सीएसआर के तहत भी विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। जिला खनन इंजीनियर एवं सदस्य सचिव डॉ राजेश कुमार ने पिछले कार्यों की प्रगति रिपोर्ट दी।

अमरपुर जोरासी में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

एजेंसी

नारनौल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के दिशा निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता के मार्गदर्शन में आज गांव अमरपुर जोरासी में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैनल अधिवक्ता गिरीबाला यादव ने बताया कि हर साल 11 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मातृ स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन कानूनी प्रावधानों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य मातृ मृत्यु दर को कम करने और गर्भवती महिलाओं

को नवजात शिशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मातृत्व लाभ अधिनियम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान विस्तृत रूप से जानकारी देकर जागरूकता फैलाने का उद्देश्य रहा है। भारतीय संविधान में महिलाओं को समान अधिकार दिए गए हैं। महिलाएं देश व समाज की मजबूत स्तंभ होती है। मां प्रकृति का सबसे बड़ा श्रृंगार माना जाता है। तथा एक मां ही है जो अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे सकती है। उन्होंने कहा कि जब हम महिलाओं और बच्चों की समग्र देखभाल करेंगे तभी देश का सतत विकास संभव है।

इस अवसर पर स्नेहलता, मनीषा शर्मा आंगनबाड़ी वर्कर ने तथा संतोष देवी ने अपने-अपने विचार रखें। उन्होंने बताया कि आज का दिवस हम महिलाओं के लिए विशेष दिवस है तथा इसका मकसद गर्भवती और स्तनपान करने वाली महिलाओं की देखभाल को बेहतर बनाना और मातृ स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

बिहाली के समीप टेंपो ने बाइक सवार को मारी टक्कर, 14 दिन उपचार के दौरान हुई मौत

मंडी अटेली। गत 28 मार्च को घिलोठ कंपनी में काम करके वापस अपनी बाइक से घर लौअ रहे एक युवक को बिहाली के समीप टेंपो ने टक्कर मार थी। बाइक सवार युवक की 14 दिन उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक युवक के पिता ने जिसकी शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत में अटेली मंडी के वार्ड नंबर आठ निवासी ऋषिराज ने बताया कि उसके दो लडक़े है उसका बड़ा बेटा आर्मी में हैं तथा उसका छोटा बेटा घिलोठ कंपनी में काम करता था जो प्रतिदिन घर वापस आता था। गत 28 मार्च

को जब वह वापस घर वापस आ रहा था तब करीब 7:50 पर बिहाली समीप अज्ञात टैंपू ने लापरवाही से उसके बेटे राहुल की बाइक को टक्कर मार दी। उस टक्कर से सिर में गंभीर चोट लगने के कारण एंबुलेंस की सहायता से अटेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चोट ज्यादा लगने के चलते उसको रेवाड़ी के एक निजी अस्पताल भर्ती था। गंभीर स्थिति के चलते गत 9 अप्रैल अस्पताल जयपुर में भर्ती कराया गया। वीरवार को रात्रि के समय उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में उसका पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया।

प्रदेश में कांग्रेस शासनकाल में 11 बार बढे बिजली के रेटः कर्मवीर सैनी

कहा-बिजली गुल, बिल फुल, सड़कों पर प्रदर्शन करने पर मजबूर थे लोग

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं हरियाणा कॉन्फेंड के चेयरमैन कर्मवीर सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा हाल ही बिजली दरों में की गई मामूली बढ़ोतरी पर हल्ला मचाने वाले कांग्रेस नेताओं को अपना शासनकाल याद करना चाहिए। प्रदेश में वर्ष 2004 से 2014 तक कांग्रेस सरकार ने 11 बार बिजली के दरों में बढ़ोतरी की थी, जो तीन रुपये प्रति यूनिट तक थी। कांग्रेस शासन काल में बिजली कि बिल ढाई गुणा तक बढ़ गये थे। जबकि प्रदेश में मौजूदा भाजपा सरकार ने अपने करीब साढ़े दस वर्ष के शासनकाल में मात्र 2 बार वर्ष 2022 व 2025 में 20 से 45 पैसे तक की मामूली बढ़ोतरी की है, जोकि कांग्रेस शासनकाल के दौरान की गई बढ़ोतरी की तुलना में बेहद कम है। इससे साफ है कि भाजपा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के लोगों को बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं न केवल सस्ते दामों पर उपलब्ध करवा रही है, बल्कि पर्याप्त मात्रा में बिजली दे भी रही है। उपभोक्ताओं बकाया बिलों के भुगतान के लिए भाजपा सरकार द्वारा अलग से सेटलमेंट योजना चलाई गई। जबकि कांग्रेस के राज में बिजली गुल रहती थी और बिल फुल आते थे। लोगों ने बिजली के लिए सडक़ों पर रहना पड़ता था। बिजली गुल रहने के कारण पूरा रात मच्छर काटते थे। कांग्रेस की इन्हीं जन विरोधी नीतियों के कारण ही लोगों ने उसे सत्ता से बाहर किया हुआ है।

चेयरमैन कर्मवीर सैनी ने कहा कि डा. बीआर अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यमुनानगर में 7272 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 800 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल यूनिट का शिलान्यास करेंगे।

मान्यता प्राप्त स्कूलों को हरियाणा स्कूल शिक्षा नियम 2003 की पालना करना होगा अनिवार्य- महिपाल ढांडा

5 साल से पहले कोई भी स्कूल विद्यार्थियों की वर्दी नहीं बदल सकता

एजेंसी

चंडीगढ़। शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा ने कहा कि प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त स्कूल प्रबंधन हरियाणा स्कूल शिक्षा नियम 2003 के अंतर्गत किसी एक दुकान से पाठ्य पुस्तकें, स्टेशनरी, स्कूल वर्दी खरीदने के लिए विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को बाध्य न करें। इस सम्बन्ध में शिक्षा विभाग द्वारा निर्देश जारी किया गए हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि कोई भी स्कूल विद्यार्थियों की स्कूल वर्दी 5 साल से पहले नहीं बदल सकता। इसके अलावा स्कूल द्वारा सिफारिश की गई दुकानों से पाठ्य पुस्तक, अभ्यास पुस्तिका, लेखन सामग्री, जूते, जुराब व वर्दी इत्यादि खरीदने के लिए कोई भी विद्यार्थी बाध्य नहीं होगा। वह किसी भी दुकान से स्कूल सामग्री खरीद सकता है। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों व मौलिक शिक्षा अधिकारियों को भी शिक्षा निदेशालय द्वारा परिपत्र जारी किया गया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि फिर भी अगर किसी भी अभिभावक को दिक्कत है तो वे ईमेल-dsepsvx@gmail.com या दूरभाष संख्या 01725049810 संपर्क कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि सभी स्कूलों को हरियाणा स्कूल शिक्षा नियम 2003 के नियम 158 के नंबर 6 व 7 की अनुपालना करना अनिवार्य है। किसी भी प्रकार की लापरवाही व उलंघन्ना स्कूल प्रबंधन द्वारा की जाती है तो उनके विरुद्ध हरियाणा स्कूल शिक्षा अधिनियम 1995 व शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी।

जिला में फसलों की खरीद प्रक्रिया जारी- उपायुक्त

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला की मंडियों में गेहूं और सरसों की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। मंडियों में फसल उठान के कार्य को और अधिक तेजी से किए जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त अजय कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि फर्रुखनगर, सोहना, हेलीमंडी और खोर की मंडियों में गेहूं की खरीद अब तक 29 हजार 889 मीट्रिक टन हो चुकी है। इन मंडियों में जिला के 4514 किसान गेहूं की फसल लेकर आ चुके हैं। हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन और हैफेड एजेंसी द्वारा 2425 रूपए प्रति झिंवटल के हिसाब से गेहूं की खरीद की जा रही है। इसके अलावा मंडियों से 2820.2 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया जा चुका है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि गेहूं की उठान प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उपायुक्त ने बताया कि हेलीमंडी, सोहना व फर्रुखनगर की मंडियों में 18 हजार 620.70 मीट्रिक टन सरसों की

खरीद हो चुकी है। यह फसल जिला के 9 हजार 515 किसानों से ली गई है। हैफेड व हरियाणा वेयरहाऊस कार्पोरेशन द्वारा 5950 रूपए प्रति झिंवटल के हिसाब से सरसों की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि तीनों मंडियों से 15 हजार 336.2 मीट्रिक टन सरसों को गोदामों में पहुंचा दिया गया है। अभी 3284.50 मीट्रिक टन सरसों मंडियों में है, जिसकी लिफ्टिंग शीघ्र करवा दी जाएगी। उपायुक्त अजय कुमार ने जिला के किसानों से अपील की है कि वे आराम से अपनी फसल को मंडी लेकर आए, अभी फसलों की सरकारी खरीद जारी है। फसल को सुखाकर और साफ करने के बाद ही मंडी में लाएं,जिससे कि उसकी खरीद करने में एजेंसी को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो।

पुस्तकें हमें नई दिशा प्रदान करती हैं : सुनीता यदुवंशी

नूंह। पुस्तकें अकेलेपन का साथी और हमें उन्नति के पथ पर अग्रसर करती हैं। पुस्तकें अखण्ड ज्ञान का भंडार है, हिंदी साहित्य ने हमें बहुत कुछ दिया है। पुस्तकें हमें नई दिशा प्रदान करती हैं। इतिहासकारों की कर्मयोग पुस्तक हमें कर्म की प्रेरणा देती है। यह विचार उपमंडल के गांव डालावासी में स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्रिंसिपल सुनीता युदवंशी ने रखे। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता भी हमें कर्म की प्रधानता के बारे में बताती है । साहित्य समाज का दर्पण है । साहित्य से हमें उस समय की संस्कृति व समाज की दशा का ज्ञान होता है, जो पुस्तकें पढने से मिलता है। अगर बालक को अच्छी पुस्तकें, अच्छा साहित्य पढने की आदत डाल दी जाए तो वह जीवन मे कभी मार्ग नहीं भटक सकता । उन्होंने कहा कि महापुरुषों का जीवन चरित्र पढ़ने से हमें स्वावलंबन, स्वाभिमान, साहस, संयम व सतपथ पर चलने की प्रेरणा मिलती है ।

नूंह में साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, साइबर क्राइम के बड़े गिरोह का किया पर्दाफाश

एजेंसी

नूंह। नूंह साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़े साइबर अपराध रैकेट का पर्दाफाश करते हुए उत्तर प्रदेश के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है । पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ साइबर थाना में विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शिवम प्रताप पुत्र समर बहादुर (निवासी जगजोतपुर, थाना कोतवाली अमेठी, यूपी), आदर्श तिवारी पुत्र संतोष कुमार (निवासी छाचा तिवारी का पुरवा, थाना संग्रामपुर, अमेठी, यूपी), अंकित सिंह पुत्र अरविंद सिंह (निवासी गंगोली, थाना कोतवाली अमेठी, यूपी), अनुराग पुत्र सुरेंद्र बहादुर (निवासी जगजोतपुर, थाना कोतवाली अमेठी, यूपी) के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि ये आरोपी फर्जी सिम कार्ड और एटीएम कार्ड बनाकर उन्हें क्षेत्र के साइबर ठगों को बेचने का गोरखधंधा चला रहे थे। इनके कब्जे से पुलिस ने आठ फर्जी सिम कार्ड, एक एटीएम कार्ड और एक कार बरामद की है। यह गिरोह लंबे समय से साइबर अपराधियों को संसाधन मुहैया कराने में सक्रिय था, जिससे क्षेत्र में साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा था। साइबर थाना प्रभारी विमल कुमार के मुताबिक आरोपियों से पूछताछ जारी है और इस रैकेट के अन्य संभावित कनेक्शनों का पता लगाने के लिए गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि इन फर्जी सिम और एटीएम कार्ड का उपयोग किन-किन अपराधों में किया गया था। इस कार्रवाई से साइबर अपराध पर लगाम लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें। जिससे समय रहते हुए आरोपियों को गिरफतार किया जा सके। मेवात पुलिस कप्तान विजय प्रताप का कहना है कि साइबर ठगों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। जिला में साइबर ठगीं को कराने में सहयोग करने वाले और साइबर ठगी में फर्जी सिम, एटीएम व मोबाइल उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है।

बजाज ऑटो के गैर-कार्यकारी निदेशक मधुर बजाज का निधन

एजेंसी

मुंबई। देश एवं निजी क्षेत्र की दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड के गैर-कार्यकारी निदेशक मधुर बजाज का यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। कंपनी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मुधर बजाज को कुछ दिन पहले स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण दक्षिण मुंबई स्थित ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे दो दिन पहले उन्हें 'स्ट्रोक' भी हुआ था। उन्होंने आज सुबह करीब 5 बजे अस्पताल में अंतिम सांस ली। मधुर बजाज के पास बजाज ऑटो के गैर-कार्यकारी निदेशक के अलावा महाराष्ट्र स्कूटर लिमिटेड के चेयरमैन का भी कार्यभार था। इसके अलावा वे बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, बजाज फाइनेंस लिमिटेड और बजाज ग्रुप की अन्य दूसरी कंपनियों के डायरेक्टर थे।

महाराष्ट्र में रेलवे की 1 लाख 73 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी

मुंबई। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई में नई एसी लोकल ट्रेनें शुरू करने का ऐलान किया, जिससे महाराष्ट्र में रेलवे नेटवर्क का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में रेलवे के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख 73 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आज मुंबई के बीकेसी में संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता कर रहे थे। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि मुंबई में उपनगरीय रेल सेवाओं में सुधार के लिए एसी लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इससे यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। महाराष्ट्र में रेलवे नेटवर्क का तेजी से विस्तार करने पर जोर दिया जा रहा है और केंद्र सरकार इसके लिए हर संभव सहयोग देगी। रेल मंत्री ने गोंदिया-बल्लारशाह और जलगांव-जालना नई रेलवे लाइनों की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कल्याण-आसनगांव के बीच चौथी लेन का काम भी जल्द शुरू होगा। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि केंद्र से प्राप्त धनराशि से महाराष्ट्र के रेलवे विकास को गति मिलेगी। महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर रेलवे नेटवर्क बनाया जा रहा है। मुंबई में कई रेलवे परियोजनाओं पर काम चल रहा है। महाराष्ट्र में तेजी से रेलवे नेटवर्क बनाया जा रहा है। फडणवीस ने यह भी कहा कि गोंदिया-बल्लारशाह रेलवे लाइन खुलने से विदर्भ क्षेत्र को अधिक लाभ होगा। इससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

विदेशों में अधिक संभावनाएं तलाश रही हैं भारतीय नर्सें

बेंगलुरु। भारत में नर्सों की नौकरी में मार्च 2020 के बाद 44 प्रतिशत वृद्धि हुयी है जबकि इसी अवधि में नौकरी के इच्छुकों की रुचि 75 प्रतिशत बढ़ी है और अब भारतीय नर्सें विदेशों में अधिक संभावनाएं तलाश रही हैं। महामारी बीत चुकी है लेकिन स्वास्थ्य सेवा के कार्यबल पर इसका प्रभाव और केयर के बारे में हमारी सोच का लगातार विकास हो रहा है। टियर 2 शहरों से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित करने तक नर्सें भारत में स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महामारी के दौरान भारत की नर्सों ने तब मोर्चा संभाला, जब देश को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पांच साल बाद आज वे केवल अपना दायित्व ही नहीं निभा रही हैं बल्कि देश और विदेश में हेल्थकेयर के भविष्य को भी आकार दे रही हैं। महामारी की चुनौती का मुकाबला करने से लेकर वैश्विक अवसरों के गलियारों तक भारत की नर्सें पिछले पांच सालों में सबसे ज्यादा मांग में रहने वाले कार्यबलों में से एक हैं। इनडीड के नए आंकड़े इच्छाशक्ति, बढ़ती महत्वाकांक्षा और हेल्थकेयर के बदलते परिदृश्य की कहानी कहते हैं। इनडीड के नए आंकड़ों में भारत में खासकर टियर-2 और छोटे शहरों में नर्सों की भूमिका में स्थिर वृद्धि प्रदर्शित होती है। साथ ही, ये आंकड़े पूरी दुनिया की नर्सों के बीच बढ़ती रुचि का भी खुलासा करते हैं, जो भारत को नौकरी के लिए सबसे व्यवहारिक स्थान के रूप में देख रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार जहां भारत में नर्सों की घरेलू मांग स्थिर बनी हुई है, जो मार्च 2023 से मार्च 2024 के बीच नौकरियों की पोस्टिंग में साल-दर-साल 15 प्रतिशत की वृद्धि में परिलक्षित होती है। वहीं, नौकरी की इच्छुक कई नर्सें विदेशों में अवसरों की तलाश में हैं।

डिजिटली सुरक्षित भारत के लिए पीएनबी का 'साइबर रन' हाफ मैराथन

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने फिटनेस और साइबर जागरूकता के गठजोड़ के साथ पहले पीएनबी हाफ मैराथन 2025 का आयोजन किया, जिसमें विजेताओं को 15 लाख रुपये के पुरस्कार दिये गये। बैंक ने यहां बताया कि राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मैराथन का औपचारिक शुभारंभ वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू , पीएनबी के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्र , पीएनबी मेटलाइफ इंश्योरेंस एमडी एवं सीईओ समीर बंसल और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ गिरीश कौसगी ने किया। इस मौके पर श्री नागराजू ने साइबर अपराध के बारे में जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय प्रयासों के लिए पीएनबी की सराहना की। श्री चंद्र ने कहा, पीएनबी जब राष्ट्र को अपनी निरंतर सेवा के 131 वर्ष पूर्ण कर रहा है तब 'साइबर रन' वित्तीय कल्याण और डिजिटल सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक सुरक्षित डिजिटल इकोसिस्टम भारत के विकास गाथा की रीढ़ है और पीएनबी को गर्व है।

नीति आयोग ने सरकार को ऑटो कंपोनेंट विनिर्माण के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन का दिया सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग ने ऑटोमोटिव उद्योगः वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी का सशक्तिकरण की रिपोर्ट लॉन्च की। इस रिपोर्ट में आयोग ने सरकार को ऑटो कंपोनेंट निर्माण के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन प्रदान करने और वैश्विक ऑटोमोटिव बाजारों में भारत को एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के लिए ब्राउनफील्ड बड़े पैमाने पर ऑटो क्लस्टर विकसित करने का सुझाव दिया है।

नीति आयोग ने जारी एक बयान में बताया कि नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने ऑटोमोटिव उद्योगः वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी को सशक्त बनाना शीर्षक वाली रिपोर्ट को लॉन्?च किया। आयोग के मुताबिक इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि देश का ऑटोमोटिव कंपोनेंट उत्पादन 2030 तक 145 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ जाएगा, जबकि निर्यात 20 अबर अमेरिकी डॉलर से तीन गुना बढ़कर 60 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। नीति

आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने इस रिपोर्ट को डॉ. वी.के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग, डॉ. अरविंद विरमानी, सदस्य, नीति आयोग और बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम, सीईओ, नीति आयोग के साथ मिलकर पेश किया। यह रिपोर्ट भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्र का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है। इसमें अवसरों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया और वैश्विक ऑटोमोटिव बाजारों में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है, सरकार को विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए परिचालन व्यय (ओपेक्स) सहायता प्रदान करनी चाहिए, जिसमें टूलिंग, डाई और बुनियादी ढांचे के लिए पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत में ऑटोमोटिव उद्योग में वैश्विक अग्रणी बनने की महत्वपूर्ण क्षमता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ उद्योग के हितधारकों के केंद्रित प्रयासों की आवश्यकता है। मौजूदा चुनौतियों का समाधान करके और प्रस्तावित हस्तक्षेपों का लाभ उठाकर, भारत अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकता है, निवेश आकर्षित कर सकता है और वैश्विक मूल्य श्रृंखला का नेतृत्व करने में सक्षम एक मजबूत ऑटोमोटिव क्षेत्र का निर्माण कर सकता है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में अपने हितों की रक्षा करेगा भारत: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अमेरिका के साथ बातचीत में भारत सरकार अपने देश तथा जनता के हितों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में कोई भी कदम उठाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की सभी व्यापार वार्ताएं भारत पहले के दृष्टिकोण के साथ अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं, जिससे विकसित भारत 2047 का मार्ग सुनिश्चित होगा।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल आज नई दिल्ली में इटली-भारत व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्रता से पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है, जिससे दोनों पक्षों को आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप गलियारा (आईएमईसी) भारत तथा इटली को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर प्रदान करेगा। गोयल ने कहा कि भारत और इटली के बीच निर्बाध व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने की भी जरूरत है। कार्यक्रम से इतर भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर पीयूष गोयल ने संवाददाताओं से कहा कि भारत कभी भी किसी देश के साथ बंदूक के बल पर बातचीत नहीं करता। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बुधवार को भारत सहित 75 देशों पर पारस्परिक टैरिफ पर 90 दिनों की रोक लगाने के बाद आई है।

बाजार में उतार-चढ़ाव से छोटे निवेशकों का भरोसा डगमगाया, मार्च में बंद हुए 51 लाख एसआईपी अकाउंट्स

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले साल अक्टूबर के महीने से ही घरेलू शेयर बाजार में जारी जबरदस्त उतार-चढ़ाव के कारण छोटे निवेशकों का भरोसा काफी डगमगा गया है। इसका असर इक्विटी म्युचुअल फंड्स में होने वाले निवेश और एसआईपी अकाउंट्स की संख्या में आई गिरावट से भी पता चलता है। मार्च के महीने में निवेशकों की बेरुखी के कारण 51 लाख एसआईपी अकाउंट्स बंद हो गए। इसी तरह मार्च के महीने में इक्विटी म्युचुअल फंड्स में होने वाला निवेश भी 11 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च के महीने में म्युचुअल फंड्स में होने वाले ओवरऑल निवेश में गिरावट आई है। खासकर, इक्विटी म्युचुअल फंड्स का इनफ्लो पिछले 11 महीने के सबसे निचले स्तर तक पहुंच गया है। मार्च के महीने में इक्विटी स्कीमों में होने वाला निवेश मासिक आधार पर 14 प्रतिशत घट कर फरवरी के 29,241 करोड़ रुपये के की तुलना में 25,017 करोड़ रुपये के स्तर तक आ गया। मार्च के पहले फरवरी के महीने में भी इक्विटी म्युचुअल फंड्स के इनफ्लो में गिरावट दर्ज की गई थी। इस तरह लगातार दूसरे महीने इक्विटी म्युचुअल फंड्स में होने वाले निवेश में गिरावट आई है। एएमएफआई के आंकड़े के अनुसार सेक्टोरल फंड्स में होने वाले निवेश में मार्च महीने के दौरान मासिक आधार पर 57 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। निवेशकों ने मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स में अपना निवेश बढ़ा दिया है। जहां तक एसआईपी की बात है तो मार्च के महीने में निवेशकों का इससे भी मोह भंग हुआ है। इसका प्रत्यक्ष असर 51 लाख एसआईपी अकाउंट्स बंद होने के रूप में देखा जा सकता है। मार्च के महीने में एसआईपी इनफ्लो भी कम होकर 4 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है। फरवरी के महीने में एसआईपी के जरिए 25,999 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, लेकिन मार्च के महीने में निवेश का ये आंकड़ा घट कर 25,926 करोड़ रुपये रह गया। इसके पहले जनवरी के महीने में निवेश का ये आंकड़ा 26,459 करोड़ रुपये का था।? इक्विटी फंड्स में होने वाले निवेश के आंकड़ों पर नजर डालें तो अक्टूबर 2024 के बाद से ही एक मौके को छोड़कर निवेश में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। अक्टूबर 2024 में इक्विटी फंड्स में 41,865 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, जो नवंबर में घट कर 35,927.30 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। हालांकि दिसंबर में एक बार फिर निवेश में तेजी आई, जिससे इक्विटी फंड्स में होने वाले निवेश का आंकड़ा बढ़कर 41,136 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद 2025 शुरू होते ही निवेश के आंकड़ों में गिरावट आने लगी। जनवरी, 2025 में इक्विटी म्युचुअल फंड्स में 39,706 करोड़ रुपये का निवेश हुआ।

औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर फरवरी में छह माह के निचले स्तर 2.9 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर सरकार को झटका लगने वाली खबर है। देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर इस साल फरवरी में सुस्त पड़ कर छह माह के निचले स्तर 2.9 फीसदी पर आ गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत?पादन मुख्य रूप से विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन की वजह से औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि सुस्त पड़ी है। देश के औद्योगिक उत?पादन की वृद्धि दर फरवरी में छह माह के निचले स्तर 2.9 फीसदी पर आ गई है। पिछले साल फरवरी 2024 में इसमें 5.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक इस बीच सरकार ने जनवरी 2025 के लिए आईआईपी पर आधारित औद्योगिक उत्पादन के वृद्धि दर के आंकड़े को संशोधित कर 5.2 फीसद कर दिया है। पिछले माह मार्च में जारी आंकड़ों में इसके पांच फीसदी रहने का अनुमान जताया गया

था। इससे पहले पिछला सबसे निचला स्तर अगस्त 2024 में सबसे कम वृद्धि दर शून्य फीसदी पर स्थिर रही थी। विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन में वृद्धि फरवरी में सुस्त पड़कर 2.9 फीसदी रही, जो पिछले साल इसी महीने में 4.9 फीसदी रही थी। खनन क्षेत्र का उत्पादन फरवरी महीने में 1.6 फीसदी रही, जो एक साल पहले फरवरी महीने में 8.1 फीसदी थी। फरवरी 2025 में बिजली उत्पादन की वृद्धि दर भी धीमी होकर 3.6 फीसदी रही जो पिछले साल इसी अवधि 7.6 फीसदी थी। वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-फरवरी के दौरान आईआईपी में 4.1 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो पिछले साल इसी अवधि में 6.0 फीसदी थी।

सीतारमण का ऑस्ट्रियाई कंपनियों को भारत के उभरते क्षेत्रों में निवेश का न्योता

एजेंसी

वियना। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऑस्ट्रियाई कंपनियों से भारत में निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत-ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत आर्थिक और वाणिज्यिक साझेदारी की संभावनाएं बहुत उज्ज्वल हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रियाई कंपनियों को भारत में उपलब्ध अनेक अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। भारत ने आर्थिक वृद्धि और समानता में तेजी लाने के साथ कारोबारी सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए किए गए सुधारों की वजह से जबरदस्त प्रगति की है। ऑस्ट्रिया के दौरे पर गई केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण राजधानी वियना में भारत-ऑस्ट्रिया व्यापार गोलमेज सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं।उन्होंने भारत में

हरित हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नवाचार में उभरते जैसे अवसरों का जिक्र किया। सीतारमण ने ऑस्ट्रिया के व्यापार प्रतिनिधियों से कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत आर्थिक और वाणिज्यिक साझेदारी की संभावनाएं बहुत उज्ज्वल हैं। उन्होंने कहा कि कई ऑस्ट्रियाई कंपनियों ने भारत में उत्कृष्ट डिजिटल और आईटी प्रतिभा का लाभ उठाने के लिए भारत में क्षमता केंद्र स्थापित किए हैं।सीतारमण ने पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा को याद करते हुए कहा कि यह भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी में, खासकर आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने में एक मील का पत्थर था। उन्होंने ऑस्ट्रियाई अर्थव्यवस्था मंत्री और वित्त मंत्री के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान वित्तीय, आर्थिक, व्यापार और निवेश क्षेत्रों में भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने कहा कि दोनों देश पारस्परिक लाभ के लिए अपनी पूरक क्षमताओं का लाभ उठाने पर सहमत हुए हैं।

टैरिफ राहत से रुपया 49 पैसे चढ़ा

एजेंसी

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने और अमेरिकी टैरिफ से राहत मिलने से शेयर बाजार में आई जबरदस्त तेजी की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 49 पैसे की छलांग लगाकर 86.19 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.68 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।शुरुआती कारोबार में रुपया 43 पैसे की तेजी के साथ 86.25 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। वहीं, आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली से यह 85.95 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 86.68 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 49 पैसे की छलांग लगाकर 86.19 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। डीलरों के मुताबिक रुपये में यह मजबूती कमजोर डॉलर इंडेक्स और भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा आगामी 90 दिनों तक टैरिफ में ढील देने के फैसले के चलते आई है। इस निर्णय से बाजार की धारणा में सकारात्मकता आई है और यह भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। इससे निकट भविष्य में व्यापार तनाव कम होने की उम्मीदें बढ़ी हैं। रुपये की मजबूती के साथ-साथ भारतीय पूंजी बाजारों में भी तेजी देखने को मिली है। निवेशकों को उम्मीद है कि टैरिफ ढील से भारतीय निर्यात पर जोखिम प्रीमियम घटेगा, जिससे निर्यातकों को राहत मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यदि वैश्विक जोखिम भावना स्थिर रहती है और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश का प्रवाह जारी रहता है तो रुपये के 85.50 से 86.50 रुपये प्रति डॉलर की सीमा में कारोबार करने की संभावना बनी रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर सोना, पहली बार 3,230 डॉलर के स्तर को किया पार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में तूफानी तेजी के साथ ही सोना ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम किया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने के भाव में तेजी लगातार जारी है, जिसकी वजह से आज ये चमकीली धातु 3,200 डॉलर प्रति औंस के स्तर को भी पार कर गई। इंट्रा-डे में सोना 3,234.49 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया। सोना इसके पहले कभी भी इस ऊंचाई तक नहीं पहुंचा है। यूएस गोल्ड फ्यूचर्स में भी आज तेजी का माहौल बना हुआ है। गोल्ड फ्यूचर्स में सोना 1.9 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,236 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर भारत में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स में भी सोने ने आज तेजी का नया रिकॉर्ड क्राइम कर दिया।

एमसीएक्स में गोल्ड फ्यूचर्स 1,567 रुपये यानी 1.70 प्रतिशत की उछाल के साथ 93,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच गया। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर जो सख्त रुख अपनाया है, उसकी वजह से चीन और अमेरिका के बीच टकराव बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। दुनिया की दो आर्थिक महाशक्तियों के बीच ट्रेड वॉर की आशंका के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। इसी वजह से निवेशक सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने में जमकर खरीदारी कर रहे हैं, जिससे उसकी मांग में तेजी आ गई है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि सोने के भाव में आने वाले दिनों में भी तेजी जारी रह सकती है। इसकी एक बड़ी वजह अमेरिकी डॉलर के भाव में आई कमजोरी भी है। डॉलर की कमजोरी इस बात का संकेत है कि अमेरिकी एसेट्स से पैसे की निकासी हो रही है और उसका दूसरे एसेट्स में निवेश हो रहा है। इसके साथ ही अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी को लेकर जिस तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार अपने फैसलों में बदलाव कर रहे हैं, उसकी वजह से भी अनिश्चितता की स्थिति बढ़ती जा रही है। इसके कारण स्टॉक और बॉन्ड्स में लगातार बिकवाली हो रही है। इसका एक परिणाम डॉलर इंडेक्स की कमजोरी के रूप में भी देखा जा सकता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार अप्रैल को समाप्त हफ्ते में 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि चार अप्रैल को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 6.59 अरब डॉलर बढ़कर 665.39 अरब डॉलर हो गया था। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.1 अरब डॉलर बढ़कर 574.09 अरब डॉलर हो गई। आंकड़ों में बताया गया कि स्वर्ण भंडार का मूल्य 15.7 लाख डॉलर बढ़कर 79.36 अरब डॉलर हो गया।

इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 18.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.36 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 4.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.46 अरब डॉलर हो गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर, 2024 में बढ़कर 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

एनएसई में निवेशक खातों की संख्या 22 करोड़ के पार

नई दिल्ली। देश के प्रमुख शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निवेशक खातों यानी यूनिक क्लाइंट कोड (यूसीसी) की कुल संख्या अप्रैल 2025 में 22 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। एनएसई ने बताया कि यह उपलब्धि पिछले छह महीनों में दो करोड़ नए खातों के जुड़ने के साथ हासिल हुई क्योंकि अक्टूबर 2024 में एनएसई ने 20 करोड़ खातों का आंकड़ा पार किया था। इसके साथ ही यूनिक रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, जो 31 मार्च 2025 तक 11.3 करोड़ हो गई। यह आंकड़ा 20 जनवरी, 2025 को 11 करोड़ के पार गया था। गौरतलब है कि एक निवेशक एक से अधिक ब्रोकर के साथ खाता खोल सकता है, जिससे कई क्लाइंट कोड बन सकते हैं। एनएसई के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा, भारत का निवेशक आधार तीव्र गति से बढ़ रहा है। केवल छह महीनों में दो करोड़ से अधिक नए खाते जुड़ना भारत की अर्थव्यवस्था और पूंजी बाजार में मजबूत निवेशक विश्वास का प्रतीक है। इस वृद्धि में डिजिटल बदलाव, मोबाइल ट्रेडिंग की बढ़ती लोकप्रियता और टियर-दो, तीन और चार शहरों से भागीदारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा कि यह उछाल वित्तीय साक्षरता अभियानों, सरल केवाईसी प्रक्रियाओं और खुदरा निवेशकों को लक्षित पहलों की सफलता को भी दर्शाता है।

अमेरिकी टैरिफ में राहत से शेयर बाजार जबरदस्त दौड़ा, सेंसेक्स 1,620 अंक तक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी टैरिफ से 90 दिन के लिए राहत मिलने की वजह से घरेलू शेयर बाजार में चौतरफा खरीदारी का माहौल बना रहा, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक इंट्रा-डे में 2 प्रतिशत से भी अधिक उछल गए। बाद में मुनाफा वसूली होने की वजह से ये दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर बंद हुए। आज के कारोबार की शुरुआत भी 1 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ हुई थी। बाद में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने तेज रफ्तार हासिल कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.77 प्रतिशत और निफ्टी 1.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। इनमें मेटल, ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस, बैंकिंग, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेलीकॉम, पावर और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी का माहौल बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.04 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े सात करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 401.54 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 393.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 7.72 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,079 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,118 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 844 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 117 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,557 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,191 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 366 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 47 शेयर हरे निशान में और 3 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 988.34 अंक उछलकर 74,835.49 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद यह सूचकांक 1,620.18 अंक की मजबूती के साथ 75,467.33 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इस तेजी के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से करीब 310 अंक फिसल कर 1,310.11 अंक की बढ़त के साथ 75,157.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 296.25 अंक की छलांग लगा कर 22,695.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने भी रफ्तार पकड़ ली।

बादाम के साथ इन चीजों का भूलकर भी न खाएं, जानिए एक्सपर्ट ने क्या बताया

बादाम को सेहत के लिए सुपरफूड माना जाता है. बादाम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स एनर्जी बूस्ट करने और बीमारियों का खतरा कम करने में मदद करते हैं. लेकिन बादाम के साथ कुछ चीजों को खाने से बचना चाहिए, आइए जानते हैं एक्सपर्ट से

बादाम को सुपरफूड माना जाता है क्योंकि इसमें प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट्स, विटामिन श्र, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. रोजाना बादाम खाने से दिमाग तेज होने के अलावा दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है. वहीं, अगर आप रोजाना बादाम खाते हैं को इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है.

डायटीशिन मोहिनी डोंगरे कहती हैं किकुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें बादाम के साथ खाने से शरीर को फायदा नहीं बल्कि नुकसान हो सकता है. चलिए जानते हैं उन चीजों के बारे में, जिन्हें बादाम के साथ कभी नहीं खाना चाहिए.

ज्यादा नमक वाले स्नैक्स

बादाम में नेचुरल फैट्स और न्यूट्रिएंट्स होते हैं जो शरीर को फायदा पहुंचाते हैं. अगर आप नमकीन स्नैक्स जैसे चिप्स, नमकीन या फ्राइड चीजों के साथ बादाम खाते हैं, तो यह कॉम्बिनेशन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. ज्यादा नमक ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है और बादाम के पोषक तत्वों का फायदा कम कर देता है.

कैफीन वाली चीजें

बादाम में मैग्नीशियम और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं. कॉफी या एनर्जी ड्रिंक्स में मौजूद कैफीन तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करता है. जब आप बादाम के साथ ज्यादा कैफीन का सेवन करते हैं, तो इससे नींद में खलल, चिड़चिड़ापन और हार्ट रेट में असंतुलन हो सकता है. खासकर रात के समय इस कॉम्बिनेशन से बचना चाहिए.

ज्यादा चीनी वाले खाद्य पदार्थ

बादाम हेल्दी स्नैक है, लेकिन अगर आप इसे मिठाइयों, चॉकलेट्स या शुगर वाली चीजों के साथ खाते हैं, तो इससे ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है. यह डायबिटीज के रोगियों के लिए खतरनाक हो सकता है.

खट्टे फल

नींबू, संतरा, अंगूर जैसे खट्टे फलों केसाथ बादाम खाए जाएं, तो इससे डाइजेशन खराब हो सकता है. खट्टे फलों में सिट्रिक एसिड होता है और बादाम में फाइबर और हेल्दी फैट्स होते हैं. इस कॉम्बिनेशन से ब्लोटिंग, पेट दर्द और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं. ऐसे में आप बादाम खाने के बाद या पहले खट्टे फलों से दूरी ही बनाकर रखें.

मोदी के दावों और नीति पर सवाल करते पीयूष गोयल

हमारे उद्यमी इस दिशा में न बढ़ते हुए बिना जोख़िम के धंधों में लग गए हैं। देखा यही गया है कि भारतीय विदेश में नए इनोवेशन और नई कंपनियों के मालिक और साझेदार हैं लेकिन यही भारतीय उद्योगपति भारत में इंतज़ार में रहते हैं कि कब कोई नई तकनीक ईजाद हो और वे यहां उसे रेपलिकेट कर तुरंत मुनाफा बना सकें। आज जिस सर्विस को वे दे रहे हैं वह चीन पंद्रह साल पहले कर चुका है।

वाणिज्य और उद्योमंत्री पीयूष गोयल के भाषण के बाद उपजे बवाल को समझने के लिए शहरों में डिलीवरी सर्विसेस पर एक निगाह डालना ज़रूरी है। कुछ समय से जयपुर के कुछ हिस्सों में रहने वाले खुद को ऐसे नागरिक के रूप में देख रहे हैं जिनके क़दमों में हर चीज़ बस आठ से बीस मिनटों में हाज़िर रहने के लिए आतुर है।हुकुम करो आका की तज़ पर ये डिलीवरी बॉयज़ दौड़ते रहते हैं और हर ज़रूरत का सामान पहुंचा देते हैं। 43 डिग्री की तपती दोपहरी में सड़कों पर कोई नहीं हैं पर ये हैं। भारत के कई शहर यूं ही दौड़ रहे हैं। इस चाल में महामारी कोविड ने जान फूंकी थी लेकिन अब जो हो रहा है इसमें कीमतें बहुत कम हैं और कई बड़े प्लेयर मैदान में उतर आए हैं। केवल आठ मिनट में ज़रूरी सामान पहुंचाने की होड़ तो दो सालों से है लेकिन अब तो पूरा का पूरा राशन, उसे पकाने के लिए स्टोव, कुकर और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जल्दी पहुंचाने की ज़िद में है। जिनके पास धन है, वे फ़ोन में बंद जिन्न को आदेश देते हैं और वह चुटकी बजाते सब हाज़िर कर देता है।

सैकड़ों स्टार्टअप्स इन अमीरों की ज़रूरतों को पूरा करने में लगे हुए हैं। ऐसा लगता है जैसे चंद शहरी अमीरों की चाकरी में बड़ी तादाद में ग़रीब लग गए हैं क्योंकि भारत की आबादी में चंद अमीर भी ऑस्ट्रेलिया-न्यूज़ीलैंड की कुल आबादी के बराबर हैं। ऐसा पहले भी था, पर अब तो पढ़ा-लिखा युवा बेरोज़गार पूरी तरह इस कार्यबल के दलदल में खींचा जा चुका है। उसके पास कोई और काम नहीं, पूंजी नहीं। पहले-पहल तो थोड़े बढ़े दाम में किराना, फल-सब्जियां आदि घरों तक पहुंच रही थीं जिससे छोटे पंसारी, सब्जियों के ठेले वालों पर कुछ ख़ास असर नहीं डाला था, लेकिन अब तो ऐसे बड़े खिलाड़ी धंधे में कूद पड़े हैं जो अधिकांश सब्ज़ियां 36 रुपए किलो में दे रहे हैं और उस पर 399 रुपए के सामान पर एक किलो चीनी भी मुफ्त। जो पहले से मौजूद थे वे अब पचास से सौ रुपए कैश का लालच ग्राहकों को दे रहे हैं फिर चाहे कुल ख़रीद केवल दो सौ रुपए हो। इस गलाकाट प्रतिस्पर्धा के केंद्र में वह डिलीवरी बॉय है जो कभी युवा बेरोज़गार था और अब सस्ता मजदूर है। वही सड़कों पर दिन-रात दौड़ कर मुनाफ़े और ज़रूरत के बीच की ज़रूरी कड़ी बना हुआ है और वही सबसे कमज़ोर भी है।

एक डिलीवरी बॉय के साथ संवाद शायद उसकी तकलीफ़ को बयान कर सके-

- आपको आपका काम कैसा लगता है ?

00 मजबूरी है, इसलिए कर रहे हैं।

- पढ़ाई कहां तक की है?

00 इसी साल ग्रेजुएशन किया है।

- कितनी पगार है?

00 पगार कहां? नौ घंटे के छह सौ रुपए मिलते हैं। उसमें भी 200 रुपए का तो तेल जल जाता है, बाइक भी खुद की है। उसकी सर्विसिंग भी हमें ही करवानी पड़ती है। फ़ोन खुद का हो तो ही काम मिलता है। बहुत कम समय में ज़्यादा डिलीवरी देने का दबाव होता है।

लड़के का स्वर निराशा में डूबने लगता है। तब क्या भारत के स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स की दुनिया इसी में सिमट गई है कि अमीर को चिप्स और ठंडी-ठंडी आइसक्रीम खिलाने के लिए ग़रीब युवा भरी गर्मी में सड़कों पर दौड़ता रहे। शायद इसी तस्वीर को समझते हुए और भारत के तमाम स्टार्टअप्स को इसी तरफ़ मुड़ते देख भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कह दिया है कि भारत में सिर्फ फूड डिलीवरी, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी या बेटिंग-गेमिंग के स्टार्टअप्स बन रहे हैं, जबकि चीन में एआई और ईवी के स्टार्टअप्स बन रहे हैं। मंत्री ने उद्योगपतियों का नाम लेकर उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा-वे ऐसे अरबपतियों को जानते हैं, जिनके बच्चों ने बहुत फैंसी आइसक्रीम और कुकीज के ब्रांड बनाए और वे सफल कारोबार चला रहे हैं। उन्हें इससे दिक्कत नहीं है लेकिन क्या यही भारत का भविष्य है और क्या देश इससे संतुष्ट है?% तब क्या उद्योगपतियों के बहाने उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावों और नीतियों पर भी सवाल खड़ा कर दिया है?आखिर बीते दस सालों से स्टार्टअप्स की लगातार चर्चा करते हुए विकसित भारत का ज़िक्र कौन कर रहा था? प्रधानमंत्री ने कहा था- हमें नौकरी मांगने वालों को नौकरी देने वाला बनाना है। यही हमारे युवाओं की बड़ी ताकत है और हमारे स्टार्टअप्स की बड़ी शक्ति है। क्या ऐसा हुआ? प्रधानमंत्री मोदी बार बार कहते रहे हैं कि भारत स्टार्टअप्स का कैपिटल है और दावा करते हैं कि भारत के कितने स्टार्टअप्स यूनिकॉर्न यानी सौ करोड़ डॉलर से ज्यादा का कारोबार करने वाले बन गए। लेकिन उनके इस दावे की रौशनी को मंद कर पीयूष गोयल ने भारत के स्टार्टअप्स की हकीकत बता कर क्या कोई बड़ा जोखिम ले लिया है?

लगता तो यही है। उद्योगपति तीखे तेवर दिखा रहे हैं। उनका तर्क है कि यह आसान नहीं है और हम लाखों बेरोज़गारों को काम दे रहे हैं। दरअसल यह केवल मंत्री का भाषण नहीं बल्कि बड़े सच से पर्दा उठाता अध्ययन है। ऐसे ही स्टार्टअप्स की उपलब्धियों को बड़ा बना कर भारत को विकसित बताए जाने के प्रयास किए जाते रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि हम अपने पड़ोसी चीन से कहीं ज़्यादा पिछड़ गए हैं। आज अमेरिका की नीतियों की वजह से दुनिया में जो निर्वात बना है उसे भारत भर सकता था, परन्तु भारत के उद्योगपति और संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर के नतीजे नहीं दे पाते हैं और इसी ओर मंत्री पीयूष गोयल ने बीते सप्ताह स्टार्टअप महाकुंभ में इशारा किया और कहा-%भारत में स्टार्टअप्स फूड डिलीवरी, फैंसी आइसक्रीम व कुकीज़, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी, बेटिंग व गेमिंग ऐप्स और रील्स व इन्फ्लूएंसर्स इकानॉमी बनाने में बिजी हैं।% उन्होंने भारत के स्टार्टअप की तुलना चीन से करते हुए कहा कि दूसरी ओर चीन में %ईवी व बैटरी टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, एआई रोबोटिक्स व ऑटोमेशन, ग्लोबल लॉजिस्टिक्स, ट्रेड व डीप टेक और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े स्टार्टअप्स शुरू हो गए हैं।%

हमारे उद्यमी इस दिशा में न बढ़ते हुए बिना जोख़िम के धंधों में लग गए हैं। देखा यही गया है कि भारतीय विदेश में नए इनोवेशन और नई कंपनियों के मालिक और साझेदार हैं लेकिन यही भारतीय उद्योगपति भारत में इंतज़ार में रहते हैं कि कब कोई नई तकनीक ईजाद हो और वे यहां उसे रेपलिकेट कर तुरंत मुनाफा बना सकें। आज जिस सर्विस को वे दे रहे हैं वह चीन पंद्रह साल पहले कर चुका है। ज़ाहिर है कि वे लीक पर चलना पसंद करते हैं। इस सोच और नीति ने बेरोज़गार युवाओं को सस्ते मजदूर में बदल दिया है । हम सोचते हैं कि भारत के आईटी सेक्टर में युवाओं के पास मोटी तनख्वाह वाला काम है लेकिन यह भी सर्विस सेक्टर की तरह ही है। थोड़े बेहतर मजदूर कह सकते हैं। नई सोच और रिसर्च का अभाव है।भारत आईटी शोध में जीडीपी का केवल 0.64प्रतिशत खर्च करता है जबकि चीन 2.41 प्रतिशत और अमेरिका 3.47 प्रतिशत। चिंता की बात तो यह भी है कि चीन का निजी सेक्टर जहां 77 फ़ीसदी योगदान इसमें देता है भारत का केवल 36 फ़ीसदी। चीन ने शोध के लिए 496 बिलियन डॉलर खर्च किए जबकि भारत ने 24 मिलियन डॉलर का फण्ड बनाया। आश्चर्य किया जा सकता है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजन्स से जुड़े 70 फ़ीसदी पेटेंट चीन के होते हैं।

लगता तो यही है कि मंत्री पीयूष गोयल ने जैसे अलार्म बजा दिया है और उठकर काम करना है या सोते रहना है- यह निर्णय देश के नीति निर्धारकों को लेना है। स्टार्टअप्स को लेकर यही बात स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने भी कही थी। इस तरह कामरा और मंत्री जी दोनों एक ही पाले में खड़े हैं। दोनों देश की आंख खोलना चाहते हैं लेकिन कामरा ने जहां से बात कही उस जगह को तोड़ दिया गया। उसके ख़िलाफ़ हर रोज़ नए पुलिस केस दर्ज हो रहे हैं। उसका शो देखने वालों को पुलिस द्वारा बुलाया जा रहा है। बुक माय शो से उनके कार्यक्रमों की बुकिंग हटा दी गई है। क्या मंत्री जी की बात का कुछ असर होगा या आत्ममुग्धता और अहंकार का यह सिलसिला अब चुप रहने के लिए मजबूर करेगा? वे दस साल में भारत सरकार के नौ मंत्रालय संभाल चुके हैं और पहली बार मुंबई, उत्तर से लोकसभा चुनाव जीत कर आए हैं जो देश की व्यावसायिक राजधानी भी है।

संपादकीय

टैरिफ़ वॉर ठहरा है, स्थगित नहीं हुआ

एक अप्रत्याशित फैसले के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दुनिया भर के देशों के खिलाफ़ छेड़ा गया टैरिफ़ युद्ध 90 दिनों के लिये रोक लिया है। हालांकि उन्होंने अपनी मंशा साफ कर दी है कि वे %रेसिप्रोकल टैरिफ़% के अपने फैसले पर अडिग हैं। 75 देश ऐसे हैं जो ट्रम्प के इस व्यवसायिक युद्ध विराम से कुछ राहत तो पायेंगे लेकिन उनकी यह आशंका अभी खत्म नहीं हुई है कि 90 दिनों के बाद जब बढ़ी हुई दरें लागू होंगी तो उनके कारोबार का क्या होगा। साथ ही, अपने मुख्य प्रतिस्पर्धी चीन को राहत देने की बजाय उसकी सामग्रियों पर 125 प्रतिशत टैरिफ़ लागू करने का ऐलान कर साफ कर दिया है कि वह अपने वैचारिक प्रतिद्वंद्वी के साथ कारोबार के मोर्चे पर बड़ी लड़ाई से पीछे नहीं हट रहे हैं। हालांकि चीन भी अमेरिकी सामानों पर शुल्क बढ़ाकर माकूल जवाब दे रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के इस ऐलान के साथ ही एशियाई समेत दुनिया भर के शेयर बाजारों में बड़ा उछाल आया। अमेरिकी शेयर मार्केट ने तो सबसे बड़ी छलांग लगाई जो ट्रम्प के ऐलान के बाद नीचे चला गया था। ट्रम्प ने यह निर्णय अपने सहयोगियों की सलाह पर लिया जो

भारतीय समयानुसार बहुत सुबह हुआ था। यह भी कहा जाता है कि टैरिफ़ बढ़ाने की घोषणा से अमेरिका समेत विश्व भर के शेयरों में जो गिरावट आई और निवेशकों की राशि डूबी थी, (तकरीबन 19 लाख करोड़ रुपये), उससे अमेरिका में ही चिंता की लहर दौड़ गयी थी। अमेरिका के सभी 50 राज्यों में जो ट्रम्प विरोधी प्रदर्शन हुए, उसका प्रमुख कारण बढ़ाया गया टैरिफ़ ही था। ट्रम्प व रिपब्लिकन सरकार की लोकप्रियता इसके कारण देश में तो गिरी ही, अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी उसकी आलोचना हो रही है। अमेरिकियों का मानना है कि इससे अमेरिका दुनिया भर में अपने सहयोगियों के साथ साख भी खो रहा है।

चाहे यह फैसला कुछ दिनों के लिये आगे बढ़ा हो पर ट्रम्प इसे लेकर जिस कदर उत्साहित हैं उससे लगता नहीं कि वे यह कदम वापस लेंगे। अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उन्होंने जो भाषण दिया उसमें लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित राष्ट्राध्यक्ष की बजाय किसी तानाशाह की सी ध्वनि निकलती है। पहले तो उन्होंने कहा कि %इस ऐलान के बाद अमेरिका में इतना पैसा आ रहा है जितना पहले कभी नहीं देखा गया।% वास्तविकता तो यह है कि अभी इस फैसले पर ठीक से अमल शुरू भी नहीं हुआ है पर अमेरिकी नागरिकों में चिंता है कि बहुत सी वस्तुएं उन्हें महंगी मिलेंगी, खासकर जिनके लिये अमेरिका पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। इतना ही नहीं, ट्रम्प ने निर्लज्जतापूर्वक एक ऐसी गर्वोक्ति की जो कि शर्मनाक व असंसदीय है; जिसे न उद्धृत किया जा सकता है और न ही अभिव्यक्त। अमेरिकी शब्दावली में कहे गये उनके बयान का आशय यह था कि दुनिया एक तरह से उनके कदमों में आ गयी है।

90 दिन टलने के कारण जो उछाल आया वही बताने के लिये काफी है कि ट्रम्प का टैरिफ़ वॉर किस कदर से शेयर बाजारों पर कहर बनकर टूटा है, तभी तो वह कदम, चाहे कुछ ही दिनों के लिये टालते ही शेयर बाजारों की सांसें लौट आईं। खुद अमेरिकी बाजारों का झूम उठना बताता है कि राष्ट्रपति का यह फैसल अमेरिकी निवेशक भी नहीं झेल पायेंगे। इसके साथ य भी साफ हो गया है कि 1991 में अमेरिका प्रवर्ति वैश्विक अर्थव्यवस्था की ट्रम्प रत्ती भर परवाह नहीं करते वैसे भी %अमेरिकी फर्स्ट% के नारे पर जीतकर दूस बार जीतने वाले ट्रम्प के इस कदम से 3 माह दुनिया व व्यवसाय ऊहापोह में रहेगा। अलबत्ता, ट्रम्प व खासमखास मस्क को इस उछाल से बड़ा लाभ मिल की सूचना है। एक वीडियो सामने आया है जिसमें ट्रम्प बता रहे हैं कि उनके इस कदम से उनके कुछ मित्रों व कितना लाभ मिला है।

वैसे जिस चीन को सबक सिखाने के नाम पर ट्रम्प ने इतना बड़ा प्रपंच रचा और सारी दुनिया को लपेटे में लिया है, वह चीन बिलकुल निश्चिंत है। अपने कुल उत्पादन का लगभग 70 फीसदी वह निर्यात करता है वह भी अपनी जनता की ज़रूरतें पूरी करने के बाद चीन अमेरिकी वस्तुओं पर उतना निर्भर नहीं जितना कि अमेरिका चीन पर।

युद्धों के कारण मानवीय संकट अपने चरम पर युद्ध, मानवीय संकट, डॉ. अरुण मित्रा

रूस यूक्रेन युद्ध के परिणामस्वरूप मानवीय पीड़ा का अंत निकट भविष्य में एक वास्तविकता नहीं लगता है। युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और रूसी सरकारों के बीच बातचीत जल्द ही परिणाम देगी, यह अनिश्चित है। यूरोपीय संघ ने इन वार्ताओं पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूरोपीय संघ के कई देशों ने यूक्रेन सरकार को सैन्य समर्थन देने की घोषणा की है।मध्य पूर्व के देशों और रूस और यूक्रेन के बीच युद्धों के परिणामस्वरूप मानवीय संकट अपने चरम पर है। इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम के बावजूद गाजा के असहाय नागरिकों पर बमबारी से कोई राहत नहीं मिली है। यदि हम बड़े अनुमानों पर जाएं तो 100,000 से अधिक लोग पहले ही मारे जा चुके हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। वास्तव में यह इजरायल के ज़ायोनी शासन द्वारा फिलिस्तीनियों का सफाया करने के लिए एक ज़बरदस्त आक्रमण साबित हुआ है। पैरा-मेडिकल कर्मचारियों की हाल ही में हुई हत्या इस बात को साबित करती है।अमेरिकी प्रशासन नवीनतम उच्च शक्ति वाले बमों के साथ इजरायल का पूरा समर्थन कर रहा है और सभी परिस्थितियों में इजरायल के पीछे खड़ा है। इसने जनवरी 2025 में इजरायल को 2,000 पाउंड के बम छोड़ने की अनुमति दी, एक ऐसा गोला-बारूद जिसे पहले रोक लिया गया था।इसी तरह, रूस यूक्रेन युद्ध के परिणामस्वरूप मानवीय पीड़ा का अंत निकट भविष्य में एक वास्तविकता नहीं लगता है। युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और रूसी सरकारों के बीच बातचीत जल्द ही परिणाम देगी, यह अनिश्चित है। यूरोपीय संघ ने इन वार्ताओं पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूरोपीय संघ के कई देशों ने यूक्रेन सरकार को सैन्य समर्थन देने की घोषणा की है। कीव द्वारा जारी किए गए आंकड़ों, संयुक्त राष्ट्र के सांख्यिकी और बीबीसी रूस द्वारा प्रकाशित ओपन-सोर्स डेटा के अनुसार, 31 मार्च, 2025 तक यूक्रेनी और रूसी सैनिकों, साथ ही मृत यूक्रेनी नागरिकों की कुल संख्या 158,341 है।

नाटो यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है, जो रूस को परेशान करता है। इस युद्ध के अंत की उम्मीद कम है। अगर ये युद्ध जारी रहे तो परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इजरायल के विरासत मंत्री अमीचाई एलियाहू ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी थी। अमेरिकी सीनेटर लिंडसेग्राहम और टिमवालबर्ग ने भी इसी तरह के बयान दिए हैं। ये बयान फिलिस्तीनियों को खत्म करने के इजरायल के इरादे की पुष्टि करते हैं। ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आक्रामक बयान भी इस दिशा में गंभीर खतरा हैं।

इंटरनेशनल कैंपेनटूएबोलिश न्यूक्लियर वीपन्स (आईसीएएन) के लिए लिखी गई एक टिप्पणी में, लुंड यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान विभाग और सेंटर फॉर एडवांस्ड मिड्ल ईस्टर्न स्टडीज में एसोसिएट सीनियर लेक्चर रहे बाताहा ने चेतावनी दी है कि %पिछले साल भर में, गाजा में हिंसा का वर्णन परमाणु सादृश्यों का उपयोग करके किया गया है, उदाहरण के लिए, रिपोर्टें बताती हैं कि गाजा पर गिराए गए इजरायली विस्फोटकों की विनाशकारी शक्ति हिरोशिमा और नागासाकी बमों के बराबर या उससे भी अधिक है। ये रूपक गाजा को इन परमाणु लक्ष्यों से जोड़ने की कोशिश करते हैं। ये रिपोर्टें शायद पारंपरिक और गैर-पारंपरिक हथियारों के बीच के अंतर को भी पीछे धकेलती हैं, क्योंकि गाजा पारंपरिक हथियारों से होने वाले भारी नुकसान और अकल्पनीय हिंसा का प्रदर्शन है।%राष्ट्रपति पुतिन ने चल रहे युद्ध के दौरान परमाणु शस्त्रागार के खतरे का तेजी से इस्तेमाल किया है और रूस ने अपने हथियारों को हाई अलर्ट पर रखा है।चल रहे युद्ध में एक समय परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए गंभीर खतरा दिखाई दिया था। यह खतरा फिलहाल टल गया है, लेकिन समाप्त नहीं हुआ है।2025 में, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, साथ ही %खतरनाक परमाणु बयानबाजी और धमकिया% चिंता का विषय बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कानूनी रूप से बाध्यकारी परमाणु हथियार प्रतिबंध संधि का समर्थन करने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान किया है।पारंपरिक युद्ध ऐसी पूर्व शर्त प्रदान करते हैं जहां अधिक घातक हथियार विकसित किए जाते हैं। इन परिस्थितियों में परमाणु खतरा बढ़ता हुआ देखा गया है। इसलिए यह जरूरी है कि अगर हमें परमाणु हथियारों को खत्म करना है तो पारंपरिक युद्धों को रोकना होगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वैश्विक समुदाय वर्तमान स्थिति में या तो मूकदर्शक है या अप्रभावी है। संयुक्त राष्ट्र भी युद्धों को समाप्त करने के लिए पक्षों को सहमत कराने में विफल रहा है।

डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा शुरू किया गया व्यापार युद्ध कभी भी स्थिति की गंभीरता को बढ़ा सकता है। ग्लोबल साउथ जो पहले से ही वंचित क्षेत्र है, अब और भी खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है।

यह जरूरी है कि ग्लोबल साउथ इन युद्धों को समाप्त करने के लिए मजबूत पहल करे। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के नेता के रूप में भारत के पास शांति को बढ़ावा देने के लिए शक्तिशाली आवाज थी। यह संभावना नहीं है कि वर्तमान नेतृत्व ऐसी कोई पहल करेगा क्योंकि उनकी योजना हथियार निर्यातक बनने की है। इसके अलावा भारत सरकार ने ज़ायोनीवादियों की नरसंहारक कार्रवाइयों के खिलाफ कोई कड़ा रुख नहीं अपनाया है।इन परिस्थितियों में नागरिक समाज का यह कर्तव्य है कि वह पारंपरिक युद्धों को समाप्त करने के लिए और अधिक जोरदार आवाज में मांग करे और स्थिति को परमाणु विनिमय तक बढ़ने से बचाए जो विनाशकारी होगा।

महिलाओं का वार्डरोब

वस्त्रों का चयन इस प्रकार करें जिसे पहन कर आप आत्मविश्वासी लगें। ऐसा न लगे कि आपका शरीर वस्त्रों में बस लिपटा हुआ है। जिस ड्रैस को पहनें, उसे पहनने का सलीका रखें। अवसरों के आधार पर वस्त्रों का चयन करें।

आधुनिक पढ़ी-लिखी स्त्री खाली घर बैठकर घर संभालना पसंद नहीं करती। घर से बाहर निकलने पर स्त्री आत्मविश्वासी, समय की पाबंद और स्मार्ट होती है। बाहर निकलने पर भिन्न-भिन्न कपड़ों की भी आवश्यकता रहती है। प्रतिदिन वह अपने वार्डरोब को सही रूप नहीं दे सकती इसलिए उसे चाहिए कि वह अपना वार्डरोब अपनी आवश्यकतानुसार कपड़ों से तैयार रखे जिससे सुबह उसे समय नष्ट किए बिना अपनी जरूरत अनुसार कपड़े आसानी से प्राप्त हो सकें।

ऑफिसवियर: कामकाजी महिला को प्रतिदिन दफ्तर जाने के लिए जिन वस्त्रों की आवश्यकता हो, उन्हें एक शैल्फ में इस प्रकार लगा कर रखें कि सुबह बिना रुकावट के अपनी पसंद के कपड़े आसानी से प्राप्त हो सकें। ऑफिस हेतु आरामदेय वस्त्र ही पहनें, जो काम करते समय किसी प्रकार की रुकावट पैदा न करें। कपड़े ऐसे पहनें जो साथियों के बीच हंसी का पात्र न बन सकें। साड़ी पहनते समय पल्लू को ढंग से बांध कर रखें। ब्लाऊज और सूट के गले अधिक गहरे न रखें। सूट पहनते समय चुन्नी सही रूप से लें।

समारोहों पर पहनने वाले वस्त्र: इन कपड़ों को प्रतिदिन प्रयोग में आने वाले वस्त्रों से अलग रखें। इन्हें हमेशा प्रैस करवा कर या चर्ख चढ़वा कर हैंगर में लटकाएं और कवर से ढंक कर रखें। जब भी समारोह पर वस्त्र पहनेंगे, प्रफुल्लता का एहसास होगा।

रात्रि में पहनने वाले वस्त्र: रात में ऐसे कपड़े पहनें जो नर्म और आकर्षक हों। नॉयलोन मिश्रित कपड़े त्वचा पर रैश पैदा कर सकते हैं। अधिक लेसदार नाइट वियर न पहनें। कपड़े वही पहनें जो त्वचा के लिए आरामदायक हों। रात को कभी सख्त और कसे हुए वस्त्र न पहनें। शरीर को रात्रि में पूरा आराम मिलना आवश्यक है। रात्रि के वस्त्रों का शैल्फ अलग रखें जो अन्य कपड़ों में मिक्स न हों।

वस्त्रों का चयन: वस्त्रों का चयन इस प्रकार करें जिसे पहन कर आप आत्मविश्वासी लगें। ऐसा न लगे कि आपका शरीर वस्त्रों में बस लिपटा हुआ है। जिस ड्रैस को पहनें, उसे पहनने का सलीका रखें। अवसरों के आधार पर वस्त्रों का चयन करें।

मेल खाते आभूषण: प्रतिदिन ऑफिस जाते समय ध्यान रखें कि आपकी साड़ी, सूट के साथ मेल खाते गहने भी पहनें। जरूरी नहीं कि सोने के आभूषण बदल-बदल कर पहनें। आप मोतियों के, नगों के, नकली, चांदी के आभूषण ड्रैस के अनुसार पहनें। इन आभूषणों को भी अपने वार्डरोब में उचित स्थान दें जिससे सुबह आपको ढूंढने हेतु समय नष्ट न करना पड़े।

आपका नन्हा प्रतिनिधि!

परवरिश वह आधार तैयार करती है जहां व्यवहार और प्रवृत्तियां पल्लवित होती हैं। बच्चे के मन में जो भी उगेगा, इसी आधार पर होगा। अपने इस नन्हे प्रतिनिधि के लिए मुफीद तैयारी ही करें। बच्च जब घर से निकलकर बाहरी दुनिया में कदम रखता है, तो आपका, आपके परिवार का प्रतिनिधि बनकर सामने आता है। आपकी सिखाई बातें, आदतें, संस्कार सभी कुछ उसके ज़रिए दुनिया के सामने आते हैं। आपकी परवरिश कैसी है, यह आपके बच्चे को देखकर ही अंदाज़ा लगाया जाता है। इसलिए बच्चे के लिए, घर का अंदरूनी माहौल कैसा है, यह प्रश्न मायने रखता है।

बच्च जो भी सीखेगा, करेगा या बनेगा, वो पहले आपसे ही जानेगा। बातचीत का तरीका, संस्कार, व्यवहार कुशलता सभी कुछ उसे आपसे ही सीखनी है। घर में रहते हुए बच्च हर छोटी-सी छोटी चीज़ या बात का आकलन अपने अनुसार करता है और उसे अपना लेता है। आप जिस तरह व्यवहार करते हैं, बातचीत करते हैं, वही अंदाज़ बच्चे का भी बन जाता है। अब क्योंकि यह सब घर की चारदीवारी के अंदर होता है, इसलिए घर का वातावरण बच्चे के लिए अच्छा हो, यह ज़रूरी है।

घर 'लॉन्चिंग पैड' है!

एक बच्चे के लिए घर 'लॉन्चिंग पैड' की तरह है। बच्च घर से ही अपने लिए भविष्य और दिशा तय करता है। बच्चे जिस माहौल में रहते हैं, उसका उन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उनकी पढ़ाई, खेल और व्यक्तित्व विकास की अन्य कसौटियों पर घर का अंदरूनी माहौल काफी असर डालता है।

जिस घर में लड़ाई-झगड़े, कलह या दूसरी पारिवारिक परेशानियां प्रबल होती हैं, उस घर के बच्चे दूसरे बच्चों की तुलना में कमतर प्रदर्शन कर पाते हैं। इस तरह के माहौल का असर बच्चे की सोच-समझ और विचारों पर भी पड़ता है।

जिस तरह 'आदर्श घर' बनाने की कोई मार्गदर्शिका नहीं हैं, ठीक उसी तरह एक 'अनचाहे घर' की व्याख्या करने का भी कोई स्थापित मापदंड नहीं है। फिर भी यह कहा जा सकता है कि शत्रुतापूर्ण पारिवारिक वातावरण में किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व का विकास नहीं हो सकता या माता-पिता और बच्चे के असफल सम्बंध से उत्पन्न दुर्गति को नहीं रोका जा सकता।

घर का माहौल, असर डालता है

कोशिश करें कि बच्चे के लिए घर में आदर्श माहौल स्थापित करें। घर के सभी सदस्य इस बात का ध्यान रखें कि घर के अंदर जो कुछ और जैसे भी होगा, उसका असर बच्चे के भविष्य पर होगा। बच्चे के लिए उसके अभिभावकों के बीच खटास भी गहरी छाप छोड़ती हैं, इसलिए कोशिश करें कि जब भी कोई बात हो, बच्चे के सामने न हो। आपके परस्पर सम्बंधों का असर बच्चों पर नहीं पड़ना चाहिए, इसके लिए आप दोनों (पति-पत्नी) को संयुक्त प्रयास करने होंगे। उसे पर्याप्त समय देना होगा, लगातार संवाद करना होगा, उसकी अपेक्षाओं को समझना होगा, तभी घर बच्चे के लिए 'लॉन्चिंग पैड' बन पाएगा। परिवार प्रकृति की सबसे खास कृतियों में से एक है। यह एक स्वतंत्र दुनिया है, जो रिश्तों के ताने-बाने से बनी है। इन रिश्तों की कभी न दिखाई देने वाली डोर हमें एक दूसरे से बांधे रहती है और हरेक पर परिस्थितियों का असर भी डालती हैं। आपका घर कैसा हो, बच्चे के व्यक्तित्व में कितना मददगार हो, यह आपको तय करना है और बेहतरी के लिए प्रयास भी।

बिंदिया क्या बोले?

माथे पर सजी बिंदी सिर्फ सौंदर्य प्रसाधन नहीं। न ही यह आधुनिक समाज में सुहाग के चिन्ह के रूप में मौजूद है बल्कि इसने नए आयाम गढ़े हैं और खुद को स्त्री के व्यक्तित्व से जोड़ लिया है। तभी तो जो बिंदी आप लगाती हैं, वह बिना कहे भी बहुत कुछ कह जाती है। क्या आप बिंदिया का यह पक्ष जानती हैं। आइए जानते हैं किस तरह यह छोटी-सी बिंदिया नेत्रियों-अभिनेत्रियों के बीच अपनी लोकप्रियता बनाए हुए है :

जूलिया राबर्ट्स-

हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जूलिया राबर्ट्स जब ताजमहल देखने आईं तो उनके माथे पर भी लाल रंग की बड़ी-सी बिंदिया चमक रही थी। यह तस्वीर अमेरिका की 'ग्लॉसी मैगजीन' में भी छपी। उनके अमेरिकी फैन भी यह कहे बिना नहीं रह सके कि जूलिया पर इंडियन बिंदिया खूब फबती है।

जूलिया ने एक विशेष इंटरव्यू में कहा कि 'छोटी-सी बिंदी ने मेरे दिमाग पर गहरा असर छोड़ा है और जब भी मैं लीक से हटकर सँवरना चाहती हूँ तो मुझे भारतीय बिंदी जरूर याद आती है।' आगरा यात्रा के दौरान बिंदी लगाने के एक और कारण के बारे में जूलिया कहती हैं कि 'जब भी मैं किसी भारतीय स्त्री के माथे पर सजी रंग-बिरंगी बिंदी देखती हूँ, मेरी नजरें बरबस ही उस पर ठहर जाती हैं।

अजीब-सा सम्मोहन महसूस होता है। मुझे रश्क होता था कि साधारण शक्लोसूरत के बावजूद ये महिलाएँ इतनी प्यारी क्यों लगती हैं। इसलिए जब मैं भारत आई तो खुद को बिंदी लगाने से रोक नहीं पाई। और सच मानिए इसे लगाते ही ऐसा लगा जैसे मैं बदल गई।

यह एक अनूठा एहसास था। जब सारी नजरें मुझे देख रहीं थीं, तब सेलिब्रिटी होने के भाव से कहीं ज्यादा यह एहसास प्यारा था कि मेरा चेहरा आज बदला-बदला लग रहा है। एक बिंदी से इतना बड़ा कमाल।'

उषा उत्थुप

विदेश में आयोजित एक म्यूजिक शो में उषा उत्थुप से मिलने एक विदेशी प्रशंसिका आई। तो उसने गीत की तारीफ के बजाए पूछा कि आप ऐसी बिंदी क्यों लगाती हैं? उषा ने जवाब दिया , 'जब मैं बिंदिया लगाती हूँ तो अच्छा गाती हूँ। मतलब! उषा ने हँसते हुए कहा, बिंदिया मेरा आत्मविश्वास दोगुना कर देती है। यह बिंदिया मेरी पहचान है और औरों से अलग दिखने का एक आसान तरीका।'

शोभा डे शोभा ने बिंदी के बारे में एक बार कहा था, 'अपनी धरती पर हमें बिंदी का बहुत बड़ा प्रभाव नजर नहीं आता। लगभग हर माथे पर बिंदी किसी न किसी रूप में सजी नजर आ ही जाती है। पर, जब हम देश से बाहर जाते हैं तो समझ में आता है कि छोटी-सी बिंदी हमारी संस्कृति और हमारी अस्मिता की पहचान है।

लोग पूछते हैं आर यू इंडियन? हम हैरान होते हैं कि इन्हें यह पता कैसे चला। तब वे मुस्कुराकर हमारे माथे की ओर इशारा कर कहते हैं दैट रेड ब्यूटी स्पाट ऑन योर फोरहेड। बहुत अच्छा लगता है। गर्व होता है कि हमने बिंदी लगानी नहीं छोड़ी। लोग आज भी हमें इसी खूबसूरत सुहाग चिन्ह से जानते हैं।'

डॉली ठाकुर जब थिएटर कलाकार डॉली ठाकुर ने धारावाहिक क्या होगा निम्मो का में काम करने को मंजूरी दी तो उनकी पहली शर्त यही थी कि वे बिंदी जरूर लगाएँगी। डॉली का कहना है 'मैंने उस धारावाहिक में काम करने से पहले ही कह दिया था कि अपने स्टाइल स्टेटमेंट को छोड़ना मेरे बस में नहीं

जया जेटली विल्स लाइफ स्टाइल इंडिया फैशन वीक के दौरान दर्शक दीर्घा में बैठी जया जेटली भीड़ में बेहद अलग दिख रही थीं। बिंदिया की महिमा पर जया कहती हैं बचपन से ही मैंने बिंदिया का साथ कभी नहीं छोड़ा। दक्षिण भारतीय होने के नाते बचपन से ही बिंदिया लगाने का शौक रहा है। मुझे लगता है कि किसी भी महिला के ललाट पर बिंदिया उसकी खूबसूरती पर चार चाँद लगा देती है।

वृंदा करात, अंबिका सोनी, सुषमा स्वाराज और रेणुका चौधरी के माथे पर लगी कत्थई बिंदिया इन नेत्रियों में गजब का आकर्षण पैदा कर ती है। वृंदा करात के अनुसार अब यह बिंदी उनकी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन गई है। इसके बिना उन्हें कुछ अधूरा-सा लगता है।

ऐसे ही किरण खेर चाहे किसी भी फिल्म में दिखें, उनकी बिंदी उनका साथ कभी नहीं छोड़ती। नीना गुप्ता ने तो धारावाहिक 'सांस' में अपने व्यक्तिगत स्टाइल स्टेटमेंट को सबकी पसंद बना दिया। आज भी नीना किसी भी समारोह में नजाकत के साथ साड़ी पहने और बिंदी लगाए ही दिखती हैं। इसी तरह सुधा चंद्रन ने भी एक धारावाहिक में काम करके बिंदी को फैशन स्टेटमेंट बना दिया था। इला अरुण का ट्रेडमार्क भी बिंदी और कलात्मक आभूषण ही है। नृत्यांगना मल्लिका साराभाई की बिंदी भी किसी से कम नहीं। यह कहना गलत नहीं होगा कि लाखों की भीड़ में अपने व्यक्तित्व को अलग दिखाने की चाह में सभी सेलिब्रिटीज नया कदम उठाते हैं।

सुपर वूमन बेहतर या घरेलू

महिला

कामकाजी मांएं अब अपने दोहरे बोझ से थकने लगी हैं। इंगलैंड में हुए एक सर्वे में 94 प्रतिशत औरतों ने कहा कि वे सुपर मां, सुपर पत्नी के साथ-साथ सुपर सफल व्यवसायी नहीं बन सकतीं। मां और पत्नी का रोल खुद में इतना बोझ लेने वाला है कि सुपर कैरियर का सपना भंग हो जाता है।

सुपर वूमन का जो सपन कुछ दिन तक औरतें देख रही थीं, वह काम की जगह पर बढ़ते दबावों के कारण ही भंग हो रहा है। प्रारंभ में औरतों ने निचले स्तर की नौकरियों पर कब्जा किया था पर जैसे जैसे वे अच्छे पदों पर पहुंचने लगीं, उन्हें पता चलने लगा कि उन की जगह पर काम कर रहे पुरुषों का जीवन जीवट भरा है।

ऊंचे स्तर पर काम करने वालों पर एक बड़ा दबाव हर समय नीचे गिरने का होता है। दूसरा दबाव होता है कि उनके नीचे कितने ही लोग काम कर रहे होते हैं और कोई भी गलत फैसला इन सब को प्रभावित करता है। ऊंचे स्तर पर प्रतियोगिता भी बहुत होती है. इस प्रतियोगिता में कुछ को हारना ही होता है। हारने वाला अगर पुरुष होता है तो वह घर जा कर पत्नी के आंचल में छिप कर गम गलत कर सकता है पर औरतें क्या करें?

कामकाजी, ऊंचे स्तर की औरतों में अहं भी ज्यादा हो जाता है. वे न पति से और न बच्चों से दिल खोल कर दर्द दूर कर सकती हैं। पुरुषों को गम पीने की आदत पहले से ही होती है।

एक समस्या है जो सफलता के सोपान चढ़ती औरतों को झेलनी पड़ रही है। प्रारंभिक सफलताओं में औरतों का ग्लैमर बहुत काम आता है पर जैसे-जैसे वे ढलती जाती हैं, उन्हें अपने से ज्यादा चमचमाने वाली औरतों से डर लगने लगता है। आयु तो वापस लाई नहीं जा सकती। एक आयु के बाद सेक्स सफलता का हथियार भी नहीं रहता। उस समय जो छटपटाहट होती है उस को बयान करना भी कठिन होता है।

ऊंचे स्तर पर केवल वे ही सफल हो सकती हैं जिनके पास आयाओं, ड्राइवरों, सुरक्षा कर्मचारियों और ब्यूटी एक्सपर्टों की सुविधाएं हों। वे ही लंबे समय तक पुरुषों की तुलना में टिकी रहती हैं। इसलिए अब ज्यादातर औरतें कहने लगी हैं जब रेस में हारना ही है तो क्यों परेशानी मोल लें। छोटी सी नौकरी, ढेर सारा प्यार, प्यारे से बच्चे और भरोसेमंद पति हो तो और क्या चाहिए?

गोरा निखार पाने के लिए सिर्फ 7 दिन करें स्ट्रॉबेरी का इस्तेमाल

आज की बिजी लाइफ स्टाइल में नियमित रूप से पॉल्यूशन, गाड़ियों के धुंए, धूल मिटटी, धूप आदि का सामना करना पड़ता है। यह सभी चीजें हमारी स्किन के लिए बहुत हानिकारक होती हैं। वैसे तो मार्केट में कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट मौजूद हैं, जो यह दावा करते हैं कि वह आपकी त्वचा को खूबसूरत बना सकते हैं पर ज्यादा मात्रा में कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा को बहुत नुकसान हो सकता है। आज हम आपको एक ऐसा तरीका बताने जा रहे हैं जिसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा खूबसूरत और गोरी हो जाएगी। इसे इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा को कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा।

स्ट्रॉबेरी हमारी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। ये एक बेहतरीन टोनर रूप में काम करती है। ये हमारी त्वचा पर मौजूद डेड स्किन को हटाने में सहायक होती है और साथ ही स्किन टोन को भी बेहतर बनाती है। अगर आप भी बेदाग और गोरी त्वचा पाना चाहते हैं तो रोजाना स्ट्रॉबेरी का इस्तेमाल करें। रोज रात में सोने से पहले एक कटोरी में स्ट्रॉबेरी का पेस्ट ले लें। अब इसमें थोड़ा सा गुलाबजल और नीबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसे अपने चेहरे पर लगाएं। रात भर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। सुबह उठने पर अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। 7 दिनों तक लगातार ऐसा करने से आपके चेहरे की रंगत बदल जाएगी।

पसीने की बदबू से परेशान हैं तो देसी नुस्खे आएंगे काम

गर्मियों में शरीर से पसीना ज्यादा निकलता है, जिस वजह से अजीब दुर्गंध आने लगती है। पसीने के कारण शरीर से आने वाली दुर्गंध कई बार हमें दूसरों के सामने शर्मिंदा भी कर देती है और खुद को असहज महसूस करते हैं। ऐसे में लोग कई खुशबूदार परफ्यूम और डियो आदि का इस्तेमाल करते हैं, मगर यह प्रॉडक्ट्स कुछ समय के लिए तो अपना असर दिखाते हैं, लेकिन बाद में फिर वहीं हाल हो जाता है। अगर आप भी पसीने की बदबू से परेशान हैं तो ऐसे में हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे जो आपको हमेशा फ्रेशनेस का एहसास दिलाते रहेंगे।

इसलिए आती है शरीर से बदबू

शरीर की बदबू के 2 कारण हैं, पहला पसीना तो दूसरा बैक्टीरिया। दरअसल, शरीर का तापमान संतुलित रहने के लिए अधिक पसीना आता है, जिससे शरीर से बदबू आने लगती है। वहीं, एपोक्राइन ग्रंथि के उत्सर्जन से बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। यह बैक्टीरिया शरीर में एमीनो एसिड का निर्माण करते हैं, जिस वजह से शरीर से बदबू आने लगती हैं।

पसीने की बदबू से बचने के टिप्स

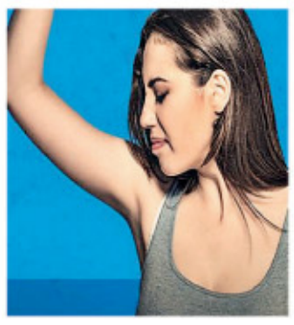

- साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- कॉटन के कपड़े पहनें।
- शेव करना न भूलें।
- भरपूर पानी युक्त फूड्स तरबूज, खरबूज, अंगूर और खीरा खाएं।
- दिनभर में 2 से 3 लीटर ज्यादा पानी पिएं।
- ज्यादा मसालेदार खाने से परहेज करें।

पसीने की बदबू से बचने के घरेलू टिप्स

नींबू का रस : आपके शरीर के जिस हिस्से में ज्यादा पसीना आता है, वहां नींबू का रस रगड़ें। दरअसल, नींबू में प्राकृतिक एसिड के गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा की सफाई कर शरीर के बैक्टिरिया को खत्म करने में मदद करते हैं, जिससे शरीर की बदबू दूर रहती हैं।

खीरे का उपयोग: सबसे ज्यादा पसीना आर्मपिट पर आता है, जहां बदबू भी सबसे ज्यादा रहती है। ऐसे में नहाने के बाद अपने आर्मपिट पर खीरे की स्लाइस रगड़ें। खीरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर से बैक्टीरिया को खत्म कर बदबू से बचाए रखते हैं।

सेब का सिरका: सेब का सिरका भी पसीने की बदबू से बचाए रखता है। रोजाना नहाने से पहले सेब के सिरके को 30 मिनट तक अपने अंडरआर्म्स एवं उन हिस्सों में लगाएं जहां पसीना सबसे ज्यादा आता है। आप चाहे तो अच्छा रिजल्ट पाने के लिए रात को सोने से पहले यह तरीका अपनाएं।

बेकिंग सोडा: बेकिंग सोडा से पसीने की बदबू को भी खत्म किया जा सकता है। बेकिंग सोडा हमारी बॉडी से पसीने को कम करके कई घंटों तक बदबू से दूर रखता है। शरीर के जिस हिस्से पर सबसे ज्यादा पसीना या बदबू आती हैं वहां रोजाना 1 चम्मच बेकिंग सोडा को ताजे नींबू के रस में मिलाकर लगाएं। इससे काफी फर्क नजर आएगा।

रेसिपी

केसरिया श्रीखंड

- **ताजा दही:** 500 ग्राम
- **शक्कर:** 50 ग्राम
- **केसर:** थोड़ी सी
- **इलाइची पाउडर:** 3-4 चम्मच
- **पिस्ता :** 5-6 बारीक कटे
- **बादाम:** 5-6 बारीक कटे

विधि

दही को मलमल के कपड़े में बांधकर 2-3 घंटे के लिए लटका दीजिए। इससे दही का पूरा पानी निकल जाएगा। केसर को एक चम्मच दूध में भिगोकर रख दें। अब दही को एक बर्तन में निकाले। इसमें चीनी और इलाइची पाउडर डालकर अच्छे से मिला दें। दही के मिश्रण में केसर दूध मिलाएं। इसमें बादाम और पिस्ता भी मिला दीजिए। इसे ठंडा कर के खाएं।

चने की दाल की खीर

- एक कप चना दाल
- आधा कप नारियल (टुकड़ों में कटा हुआ)
- गुड़ 100 ग्राम
- एक बड़ा चम्मच घी
- चार-पांच काजू (तले हुए)
- छह किशमिश
- चुटकीभर इलायची पाउडर
- पानी जरूरत के अनुसार

विधि

सबसे पहले चने की दाल को पानी में भिगोकर आधे घंटे के लिए रख दें।
नारियल के टुकड़ों में पानी मिलाकर पीसकर पेस्ट बना लें और नारियल निचोड़कर इसका दूध निकाल लें।
अब मीडियम आंच में एक प्रेशर कूकर में भिगोई हुए चने की दाल डालकर 4-5 सीटी में पका लें और आंच बंद कर दें।
सीटी निकल जाने पर कूकर में ही दाल को पीसकर इसमें गुड़ मिलाएं।
गुड़ डालने के बाद इसे कड़छी से लगातार चलाते रहे जब तक कि गुड़ पिघल न जाए।
नारियल का दूध मिलाएं और इसके गाढ़ा होने तक इसे चलाते रहें।
काजू, किशमिश, इलायची पाउडर मिलाकर अच्छे से मिक्स कर दे और आंच बंद कर दें।
तैयार है चने की दाल की खीर, बादाम और पिस्ते से गार्निश कर सर्व करें।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (ने जा नी खी खू खे खो गा गी)

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

काकुरो पहेली -4024

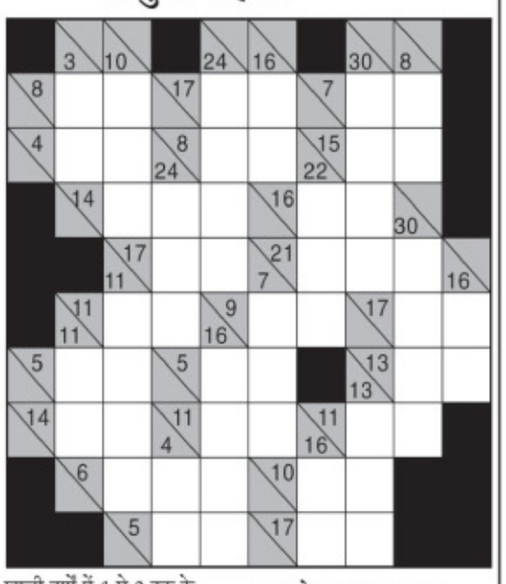

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

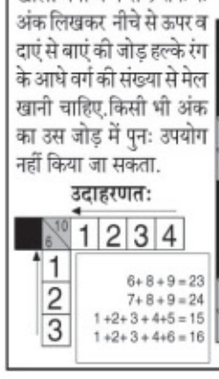

काकुरो 4023 का हल

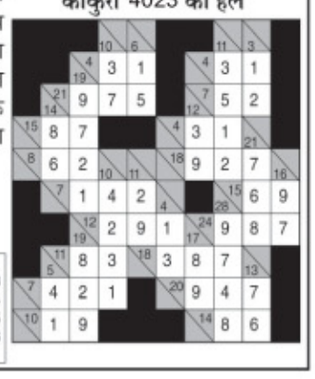

फिल्म वर्ग पहेली- 4024

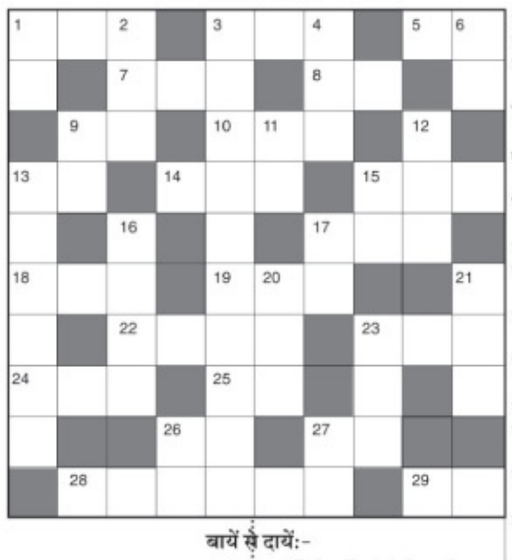

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भाख, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरुख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, स्वीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खाख्रास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, स्वीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4023

सूडोकु -4024

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4023 हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 4024

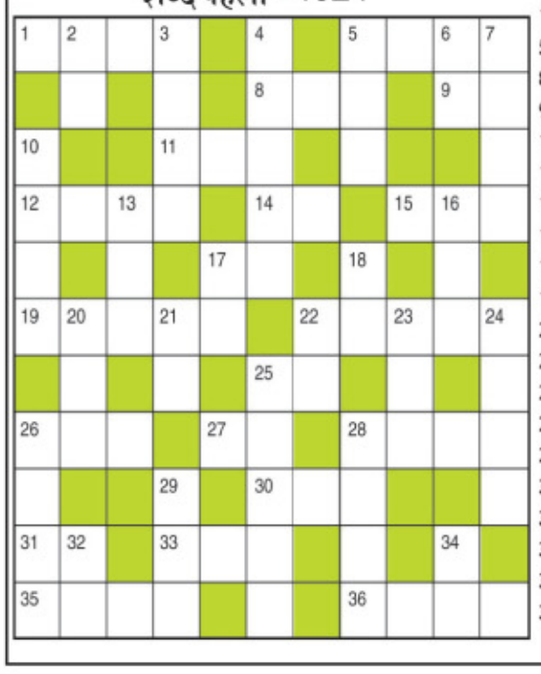

बाएँ से दाएँ

1.चिकित्सा,इलाज-4
5.पैतृक संपत्ति-4
8.बलवा,क्रांति-3
9.निम्न-2
11.सुअर,शूकर-3
12.चौबीसवें तीर्थंकर-4
14.केश-2
15.मुनाफा,अर्जित-3
17.मैदे की रोटी-2
19.मनोहर,आकर्षक-5
22.अनासक्ति,निर्विकारता-5
25.पानी,नीर-2
26.सूखा,दुष्काल-3
27.कांटा,कंटक-2
28.शांति,ध्वनिहीनता-4
30.तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31.लाख,गोंद-2
33.मधुक,महुआ-3
35.हृदयगति,स्पंदन-4
36.अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2.पंख,पराया-2
3.राम का एक नाम-4
4.संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5.वियोग,जुदाई-3
6.गलत का विलोम-2
7.एकांतता,अकेलापन-4
10.मरियल,निर्बल-4
13.'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16.मक्खन-3
17.रिश्ता-2
18.लाश-3
20.माला का मोती-3
21.यमराज-2
22.ललाट-2
23.ताप वर्धक-3
24.विदिर्ण-2.2
25.पानी का बहना-5
26.जुर्म,गुनाह-4
28.रसहीनता-4
29.प्रणाम,नमस्कार-3
32.लड़ी,श्रृंखला-2
34.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली 4023का हल

साय सरकार ने की 450 करोड़ रुपये के शराब घोटाले की जांच सीबीआई से करने की सिफारिश

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने ईओडब्ल्यू में दर्ज 450 करोड़ रुपये के आबकारी(शराब) घोटाले की जांच सीबीआई से करने की सिफारिश की है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार इस घोटाले की फाइल सीबीआई दफ्तर दिल्ली को भेजी गई है। माना जा रहा है कि सीबीआई जल्द ही शराब घोटाले की जांच शुरू करेगी। छत्तीसगढ़ ईओडब्ल्यू ने झारखंड के रांची के कारोबारी विकास सिंह की शिकायत पर 450 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप दर्ज किया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार के समय हुए शराब घोटाले को लेकर छत्तीसगढ़ एसीबी और ईओडब्ल्यू की ओर से 7 सितंबर 2024 को एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले में छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा ,अरुणपति त्रिपाठी जो कांग्रेस सरकार में आबकारी विभाग के प्रबंध संचालक रह चुके हैं, उनके अलावा कारोबारी अनवर ढेबर समेत सहित और भी आरोपित हैं। एजेंसियों ने झारखंड के रांची के कारोबारी विकास सिंह की शिकायत पर 450 के घोटाले का आरोप यहां दर्ज किया है।

पीईसी ने किया एग्रीवोल्टाइक्स साइट का दौरा, पीएम कुसुम और पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना की समीक्षा की

नई दिल्ली। सांसद डॉ. संजय जायसवाल की अध्यक्षता वाली पार्लियामेंट्री एस्टीमेट्स कमेटी (पीईसी) ने दिल्ली के नजफगढ़ के इस्सापुर में सनमास्टर एग्रीवोल्टाइक्स प्लांट का दौरा किया। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा आयोजित इस दौरे में दो प्रमुख योजनाओं पीएम-कुसुम और पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरे में संसद सदस्यों और अधिकारियों को एग्रीवोल्टाइक्स तकनीक का जमीनी परिप्रेक्ष्य प्रदान किया गया, जो सौर ऊर्जा उत्पादन और कृषि खेती दोनों के लिए भूमि के दोहरे उपयोग की अनुमति देता है। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत एमएनआरई के अतिरिक्त सचिव सुदीप जैन ने किया, जिन्होंने कृषि के लिए स्वच्छ, टिकाऊ ऊर्जा को बढ़ावा देने में पीएम-कुसुम के उद्देश्यों और प्रभाव पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे यह योजना खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा दोनों को सुनिश्चित करते हुए ऊर्जा पहुंच को बढ़ाकर किसानों को सशक्त बनाती है।

जम्मू-कश्मीर में अब तक हुर्रियत से जुड़े 12 संगठनों ने छोड़ा अलगाववाद का रास्ता: अमित शाह

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी आंदोलन को बड़ा झटका देते हुए एक और समूह जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट ने भी ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस (एपीएचसी) से अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में अलगावाद का रास्ता छोड़ने वाले संगठनों की संख्या 12 तक पहुंच गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के तहत जम्मू-कश्मीर में एकता की भावना व्याप्त है। हुर्रियत से जुड़े एक अन्य संगठन जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट ने अलगाववाद को खारिज करते हुए भारत की एकता के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता की घोषणा की है। मैं उनके इस कदम का तहे दिल से स्वागत करता हूं। अब तक हुर्रियत से जुड़े 12 संगठन अलगाववाद से अलग हो चुके हैं और भारत के संविधान पर भरोसा जता चुके हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने की जीत है। उल्लेखनीय है कि यह घटनाक्रम केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मीरवाइज उमर फारूक की अध्यक्षता वाली अवामी एक्शन कमेटी (एसीसी) और मसरूर अब्बास अंसारी की अध्यक्षता वाले जम्मू-कश्मीर इत्तेहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंधित संगठन घोषित करने के कुछ दिनों बाद शुरू हुआ था।

राजा भोज का निर्मित बड़ा तालाब तकनीकी उत्कृष्टता का है श्रेष्ठ उदाहरण : मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्राचीनकाल से ही आर्किटेक्ट्स का विशेष महत्व रहा है। राजा भोज स्वयं बड़े वास्तुकार थे। भोपाल ताल सहित प्राचीन स्थापत्य के कई उदाहरण भोपाल और इसके आसपास विद्यमान हैं। भोपाल का ताल मूलतः बांध है। एक हजार साल पहले बनी है यह अद्भुत और बेमिसाल संरचना आज भी सामयिक और बड़ी आबादी के लिए उपयोगी है। मितव्ययता और तकनीकी उत्कृष्टता के साथ निर्मित यह संरचना, प्राचीन समृद्ध ज्ञान परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जिस पर आज भी विचार प्रासंगिक है। इस दृष्टि से भोपाल में हो रहा यह राष्ट्रीय आर्किटेक्ट्स सम्मेलन विशेष महत्व का है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन ट्रांसम के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने वास्तुशिल्प नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए वास्तुकला उत्कृष्टता में विरासत को समाहित करने के लिए डॉ. निधिपति सिंघानिया को भारतीय वास्तुकार संस्थान (आईआईए) फैलोशिप से सम्मानित किया।

लेखन लेखक बनने के लिए नहीं, समाज को दिशा देने के लिए हो : दत्तात्रेय होसबाले

एजेंसी

रांची। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि ग्रामोत्थान से ही राष्ट्रोत्थान संभव है। जीवन के हर क्षेत्र में क्या परिवर्तन होने चाहिए, यह निरंतर सोचते रहना चाहिए। उनका मानना है कि हर आंदोलन से कुछ-न-कुछ सकारात्मक परिवर्तन जरूर होता है और अशोक भगत ऐसे ही एक आंदोलन के प्रतिफल हैं।दत्तात्रेय ने कहा कि आज लेखन केवल लेखक बनने के लिए नहीं होना चाहिए, बल्कि उस संकल्प को शब्दों में ढालने के लिए होना चाहिए, जो समाज को दिशा दे सके। जो संस्कृति को बचाते हुए सभ्यता को आगे बढ़ा सके। कर्तव्य, संकल्प और

सेवा-इन्हीं तीन मूलधाराओं में बहता है वह विचार जो अशोक भगत जैसे लोगों के जीवन में मूर्त रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास एक जीवंत परंपरा है जो शास्त्र, धर्म और प्रकृति तीनों के संतुलन से पनपी है। हमारे ऋषियों-मुनियों ने जिस सभ्यता की नींव रखी, उसमें 'वन लाइफ-वन मिशन' का विचार जीवित था-एक ऐसा जीवन जो केवल स्वयं के लिए नहीं, समष्टि के कल्याण के लिए जिया जाए। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बतौर मुख्य अतिथि विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत की नई पुस्तक 'परंपरा और प्रयोग' का लोकार्पण किया। राजधानी रांची के बरियातु रोड स्थित ग्रामायतन आरोग्य भवन-1 सामाजिक चेतना के संगम लोकार्पण समारोह का साक्षी बना।

दत्तात्रेय होसबाले ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह कृति केवल एक पुस्तक नहीं बल्कि एक आंदोलन है, जो समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखने के साथ-साथ विकास की नई राहों की ओर प्रेरित करती है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत 14 से चार दिवसीय दौरे पर आएंगे कानपुर

एजेंसी

कानपुर। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत 14 से 17 अप्रैल तक चार दिवसीय दौरे पर कानपुर में रहेंगे। इस दौरान वे करवालो नगर स्थित नवनिर्मित संघ कार्यालय का उद्घाटन करने के साथ-साथ अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। जिसे लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। यह जानकारी आरएसएस के प्रांत प्रमुख डॉक्टर अनुपम ने दी। प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ अनुपम ने बताया कि 14 अप्रैल को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संघ चालक डॉक्टर मोहन भागवत द्वारा कार्यालय व अम्बेडकर सभागार का उद्घाटन किया जाएगा। जिसकी सभी तैयारियां प्रांत प्रचारक रामजी के मार्गदर्शन में संचालित हो रही हैं। 15 तथा 16 अप्रैल को संघ के छह आयाम में से सेवा विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ उनकी बैठक होगी। साथ ही पर्यावरण गतिविधि, सामाजिक समरसता आदि के प्रांत स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग समय पर बैठक रहेगी। 15 तारीख को केशव भवन संघ कार्यालय से 12 किलोमीटर दूर कानपुर के पूर्वी भाग कोयला नगर में शाखा पर रहेंगे। 16 अप्रैल को निराला नगर की शाखा पर रहेंगे। 17 अप्रैल को संघ की प्रांत कार्यकारिणी के साथ संघ शताब्दी वर्ष में संघ द्वारा पंच परिवर्तन (नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली, सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य, स्वबोध) का जो विषय लिया गया है। उन विषयों की विस्तार से चर्चा करेंगे तथा प्रांत में उस दिशा में बढ़ रहे कार्यों की समीक्षा करेंगे।

राजद के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव के 11 ठिकानों पर पुलिस-एसटीएफ की छापेमारी

एजेंसी

पटना। बिहार के दानापुर से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव के 11 ठिकानों पर पटना पुलिस और एसटीएफ की टीम ने एकसाथ छापेमारी की। छापेमारी जारी है और इसमें 1000 पुलिसकर्मी शामिल हैं। रीतलाल के दानापुर स्थित आवास पर पुलिस और एसटीएफ की टीम की छापेमारी जारी है। पूरा इलाका छावनी में तब्दील है। दानापुर एसपी समेत कई थानों की पुलिस टीम मौके पर मौजूद है। एएसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि कुल 11 जगहों पर यह छापेमारी चल रही है।सिटी एसपी ईस्ट एसआर सरथ ने बताया कि 6 से 7 लोगों की तरफ से विधायक रीतलाल यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है। न्यायालय से आदेश मिलने के बाद यह कार्रवाई हो रही है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बिल्डरों की शिकायत पर राजद विधायक रीतलाल यादव के खिलाफ छापेमारी कर कार्रवाई की गई। इस संबंध में खगौल थाना में मामला दर्ज किया गया है। किसी भी समय विधायक की गिरफ्तारी की जा सकती है। राजद विधायक ने सोशल

मीडिया एक्स पर पोस्ट साझा कर पुलिस प्रशासन पर मनमानी और उनकी राजनीतिक छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। उल्लेखनीय है कि पटना हाई कोर्ट ने दानापुर की पूर्व विधायक आशा देवी के पति सत्यनारायण सिन्हा की हत्या मामले में दानापुर विधायक रीतलाल यादव समेत अन्य के खिलाफ इस साल फरवरी में नोटिस जारी किया था। मामला 30 अप्रैल 2003 का है, जब पटना के गांधी मैदान में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा 'तेल पिलावन, लाठी घुमावन' रैली का आयोजन किया गया था। इसी दिन खगौल के जमालुद्दीन चक के पास सत्यनारायण सिन्हा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बीते साल दिसंबर में राजद विधायक रीतलाल के भाई और भांजे को बिहार पुलिस ने गिरफ्तार किया था। खगौल थाने की पुलिस ने दोनों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया था।

नागेंद्रन संभालेंगे तमिलनाडु भाजपा की कमान, अन्नामलाई की जगह लेंगे

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की तिरुनेलवेली विधानसभा सीट से भाजपा विधायक नैनार नागेंद्रन तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। वे के अन्नामलाई की जगह लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है इसलिए नागेंद्रन का अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, तमिलनाडु भाजपा को प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए केवल नैनार नागेंद्रन का नामांकन मिला है। तमिलनाडु भाजपा इकाई के अध्यक्ष के रूप में के अन्नामलाई ने सराहनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। चाहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाना हो या पार्टी कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाना हो, अन्नामलाई का योगदान अभूतपूर्व रहा है। भाजपा अन्नामलाई के संगठनात्मक कौशल का लाभ पार्टी के राष्ट्रीय ढांचे में उठाएगी।

नैनार नागेंद्रन तमिलनाडु में भाजपा विधायक दल के प्रमुख हैं। इससे पहले 2001 से 2006 तक वे एआईएडीएमके सरकार में मंत्री रहे। 16 अक्टूबर, 1960 को वदिवेस्वरम में जन्मे नागेंद्रन ने जे

जयललिता के नेतृत्व वाली एआईएडीएमके से अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और तिरुनेलवेली निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। 2001 से 2006 तक जयललिता के मुख्यमंत्री रहने के दौरान वे कैबिनेट मंत्री बने और बिजली, उद्योग और परिवहन विभागों को संभाला।दिसंबर 2016 में एआईएडीएमके नेता जयललिता के निधन के तुरंत बाद 2017 में नागेंद्रन भाजपा में शामिल हो गए। नैनार नागेंद्रन 2020 से तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष हैं और 2021 में वे भाजपा के टिकट पर तिरुनेलवेली निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव जीते। हालांकि, 2019 और 2024 दोनों में वे लोकसभा के लिए अपनी दावेदारी में असफल रहे।

किश्तवाड़ में एक आतंकवादी ढेर, उधमपुर में तलाशी अभियान तेज

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया, जबकि उधमपुर जिले में तीन आतंकवादियों के एक समूह को पकड़ने के लिए एक अलग अभियान चल रहा है। उधमपुर जिले के जोफर-मार्टा जंगलों में तलाशी अभियान चल रहा है। खोजी कुत्तों और हवाई निगरानी से लैस कई सुरक्षा एजेंसियां इलाके में छिपे तीन आतंकवादियों का पता लगाने के लिए पूरे जंगल क्षेत्र की तलाशी ले रही हैं। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू क्षेत्र के पहाड़ी जिलों में विभिन्न स्थानों के बीच संभावित रूप से घूमने वाले आतंकवादियों पर नजर रखने के लिए डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में निगरानी का दायरा बढ़ा दिया है। किश्तवाड़ में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से चतरू वन क्षेत्र में बुधवार को शुरू किये गए अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। ऑपरेशन के दौरान बलों का आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ। मारा गया आतंकवादी पाकिस्तान के सैफुल्लाह मॉड्यूल का हिस्सा था, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह वही मॉड्यूल है, जिसने 15 जुलाई, 2024 को डोडा में सेना की एक टीम पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें एक अधिकारी और एक राइफलमैन की मौत हो गई थी। सेना की व्हाइट नाइट कोर या 16 कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मुठभेड़ के दौरान अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। दुर्गम इलाके और प्रतिकूल मौसम के बावजूद हमारे बहादुर सैनिक अथक अभियान जारी रखे हुए हैं।

निष्काम सेवा ही दुनिया की सबसे बड़ी सेवा, आनंदपुर धाम इसे निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहा : प्रधानमंत्री

एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सेवा ऐसी गंगा है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति डुबकी लगाए तो उसका जीवन सार्थक हो सकता है। आज आनंदपुर धाम आकर मन अभिभूत है, जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया है, जहां सेवा के संकल्प मानवता का पथ प्रशस्त करते हों, वो धरती साधारण नहीं है। यहां मंदिर में दर्शन किए और सेवा कार्यों की जानकारी ली तो हृदय आनंदित हो गया। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में श्री आनंदपुर ट्रस्ट के प्रयास सराहनीय और अनुकरणीय हैं। उन्होंने कहा कि निष्काम सेवा ही दुनिया की सबसे बड़ी सेवा है। आनंदपुर धाम इसे निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी अशोकनगर जिले के आनंदपुर धाम में वार्षिक वैशाखी मेले और संस्था

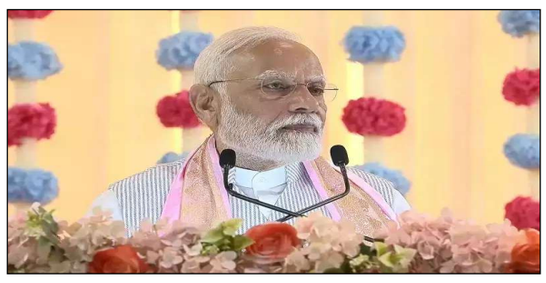

के गुरु महाराज के अवतरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार भी सेवा की भावना को केन्द्र में रखकर निर्धन वर्ग के लिए निःशुल्क अनाज, पेयजल, आवास और स्वास्थ्य से जुड़ी जनकल्याण की योजनाओं का संचालन कर रही है। देश में नए-नए एम्स, आईआईटी, आईआईएम संस्थान प्रारंभ किए जा रहे हैं। हमारा पर्यावरण संरक्षित हो, इसके लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान जारी है। गरीब और वंचित व्यक्तियों के उत्थान के लिए सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास का मंत्र सरकार की नीति और निष्ठा है। सेवा की भावना हमारे व्यक्तित्व को निखारती है और व्यक्ति को बड़े उद्देश्यों से जोड़ती है।

कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सांसद वीडी शर्मा व जनार्दन सिंह सिग्रीवाल सहित बड़ी संख्या में आनंदपुर धाम के अनुयायी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने आश्रम के गुरू महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आनंदपुर धाम मंदिर परिसर का भ्रमण किया और गुरुजी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की।

देश की प्रगति में छत्तीसगढ़ की अग्रणी भूमिक : जी. किशन रेड्डी

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में खनिज विभाग की समीक्षा बैठक ली। इसमें छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा, अन्वेषण कार्यों, तकनीकी नवाचारों और राजस्व उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने खनन क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की और देश की प्रगति में राज्य की अग्रणी भूमिका की बात कही। उन्होंने वर्ष 2024-2025 में देश में कोयला उत्पादन में 01 बिलियन टन का लक्ष्य हासिल करने पर खुशी जाहिर की और इसे पाने में छत्तीसगढ़ के योगदान को सराहा। इस मौके पर मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने देश के पहले लिथियम

ब्लॉक के कंपोजिट लाइसेंस अनुबंध दस्तावेज सफल बोलीदाता के प्रतिनिधि को सौंपे। साथ ही दंतेवाड़ा जिले के तीन और कांकेर जिले के एक लौह अयस्क ब्लॉक के प्रीफर्ड बिडर आदेश प्रदान किए। केंद्रीय खान मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का एकमात्र टिन उत्पादक राज्य होने का गौरव भी छत्तीसगढ़ को प्राप्त है। रेड्डी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में 'क्रिटिकल मिनरल्स' और खनन क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ ने इस दिशा में जो अग्रणी कदम उठाए हैं, वे भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार खनिज संसाधनों के अन्वेषण, सतत उपयोग और खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़, खनिज क्षेत्र में अपनी मजबूत भूमिका निभाते हुए देश के समग्र विकास में प्रभावी योगदान देता रहेगा।

कांग्रेस ने बार-बार किया डॉ. अंबेडकर का अपमान: मेघवाल

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल ने मुंबई में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर का बार-बार अपमान किया है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने अनेक कार्यों से बाबा साहब का सम्मान बरकरार रखा है। मेघवाल ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे विपक्ष की ओर से बाबा साहब, संविधान और भारतीय जनता पार्टी के बारे में फैलाए जा रहे झूठे प्रचार को तोड़ते हुए सच्चाई को सभी तक पहुंचाएं।अर्जुन मेघवाल मुंबई में प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर %सम्मान अभियान% नामक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में 15 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यशाला में 13 से 25 अप्रैल के बीच पूरे प्रदेश में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की योजना बनायी गयी तथा उन पर

चर्चा की गयी। 13 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं, स्मारकों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई की जाएगी, 14 अप्रैल को अंबेडकर की जयंती पर विभिन्न स्थानों पर बधाई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अर्जुन मेघवाल ने कहा कि भाजपा ने भारत रत्न पुरस्कार, संविधान गौरव यात्रा, पंचतीर्थ एवं दीक्षाभूमि का विकास, सेंट्रल हॉल में बाबा साहब का तैल चित्र स्थापित करने सहित अनेक गतिविधियों के माध्यम से बाबा साहब के प्रति अपना सम्मान प्रदर्शित किया है। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहेब से नफरत की. डॉ. उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि चुनावों में बाबा साहब अंबेडकर को हराने से लेकर संविधान सभा में काम करने तक कांग्रेस ने बाबा साहब को सभी पिछड़े वर्गों के उत्थान और सर्वांगीण विकास के लिए संविधान में आवश्यक प्रावधान करने की अनुमति नहीं दी। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व राज्यमंत्री दिलीप कांबले, अनुसूचित जाति मोर्चा मुंबई अध्यक्ष शरद कांबले, भाजपा प्रदेश महासचिव माधवी नाईक, वरिष्ठ नेता भाई गिरकर, सम्मान अभियान संयोजक भरत पाटिल, मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बान, कार्यालय सचिव मुकुंद कुलकर्णी आदि उपस्थित थे।

छत्रपति संभाजी नगर जिले में औरंगजेब की कब्र पर सुरक्षा बढ़ाई गई, 600 जवान तैनात

एजेंसी

मुंबई। छत्रपति संभाजी नगर जिले में स्थित खुलताबाद में औरंगजेब की कब्र पर हनुमान जयंती के मद्देनजर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जिला पुलिस ने खुलताबाद क्षेत्र में 600 पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शनिवार को हनुमान जयंती के वजह से शहर में स्थित भद्र मारुति मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए आने की संभावना है। पिछले कुछ दिनों से खुल्ताबाद में औरंगजेब के मकबरे का मुद्दा पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। राजनीतिक नेताओं ने इस बारे में विवादास्पद बयान दिये। नागपुर में तनाव के कारण इस वर्ष हनुमान जयंती पर पुलिस को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया गया है। इस पृष्ठभूमि में विशेष पुलिस महानिरीक्षक वीरेंद्र मिश्रा, अधीक्षक डॉ. विनय कुमार राठौड़ ने आज खुलताबाद में सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इसके बाद उपविभागीय पुलिस अधिकारी विजय कुमार ठाकुरवाड़ को सुरक्षा व्यवस्था का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही ठाकुरवाड़ के नेतृत्व में 2 पुलिस निरीक्षक, 17 सहायक निरीक्षक, उपनिरीक्षक, 168 पुलिसकर्मी, एक दंगा नियंत्रण दस्ता, 100 से अधिक सशस्त्र एसआरपीएफ जवान और 398 होमगार्ड 48 घंटे के लिए तैनात किया गया है। साथ ही, खुल्ताबाद की ओर जाने वाले मार्ग पर सभी प्रकार के भारी वाहनों के प्रवेश पर शनिवार मध्य रात्रि तक प्रतिबंध लगा दिया गया है।

तमिलनाडु में भाजपा और एआईएडीएमके में दोबारा गठबंधन, अमित शाह ने की घोषणा

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के बीच दोबारा गठबंधन हुआ है। तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का नेतृत्व एआईएडीएमके करेगी। चेन्नई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों दलों के बीच गठबंधन की घोषणा करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा और एआईएडीएमके तमिलनाडु विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेगी। यह चुनाव राज्य स्तर पर एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। दोनों पार्टियां राज्य में अपनी उपस्थिति मजबूत करने और आगामी चुनाव तैयारियों के लिए मिलकर काम करेंगे।

गठबंधन का उद्देश्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मुद्दों को बढ़ावा देना है और मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए दोनों दलों की ताकत का उपयोग करना है। इस घोषणा का तमिलनाडु की राजनीति पर खास असर पड़ेगा क्योंकि एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन राज्य के चुनावी परिदृश्य को बदल सकता है। गठबंधन की सफलता तमिलनाडु के मतदाताओं की चिंताओं को दूर करने और एक एकीकृत एजेंडा को बढ़ावा देने की क्षमता पर निर्भर करेगी। तमिलनाडु में एनडीए गठबंधन के भीतर एआईएडीएमके का नेतृत्व एक रणनीतिक कदम है क्योंकि राज्य में पार्टी की मजबूत उपस्थिति है। दूसरी ओर, भाजपा तमिलनाडु में अपने प्रभाव का विस्तार करना और राज्य की राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में खुद को स्थापित करना चाहती है।यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब नैनार नागेंद्रन भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के रूप में के. अन्नामलाई की जगह लेने के लिए एकमात्र दावेदार के रूप में उभरे हैं।

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। बाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

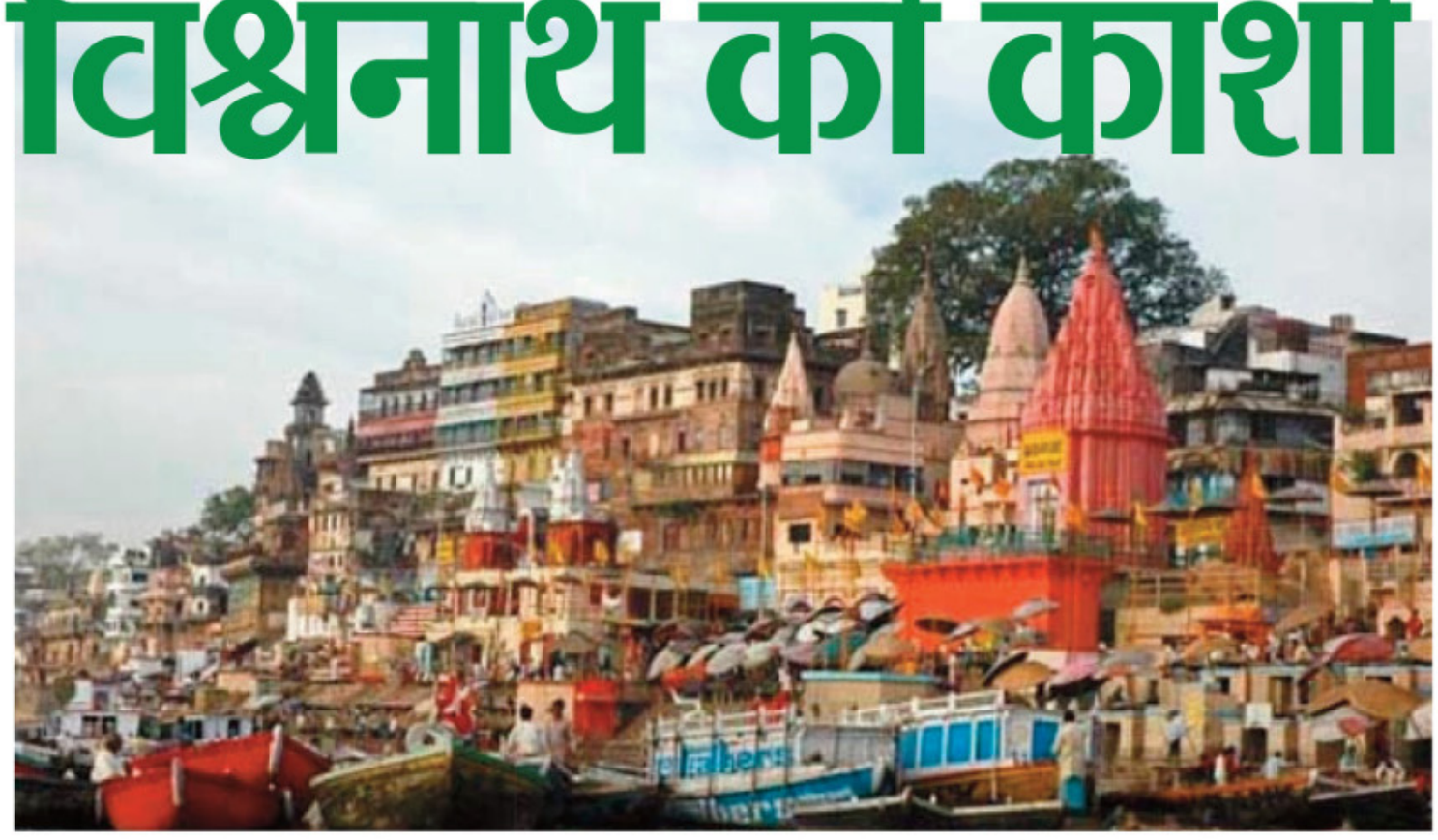

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयुरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयुरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दशमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्राट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फ़ोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भद्र की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेंटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।

आशी और अभ्युदय ने जीते खिताब

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आशी शमशेरी और अभ्युदय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए डा. केएल गर्ग मेमोरियल आइटा सीएस-7 (अंडर-18) टेनिस टूर्नामेंट में क्रमशः बालिका और बालक वर्ग के खिताब अपने नाम कर लिए। बालिका वर्ग के फाइनल में दूसरी वरीय आशी शमशेरी ने उत्तर प्रदेश की ही सिद्धि सिंह को 6-3, 6-2 से हराकर खिताब जीता। पूरे मैच में आशी ने शानदार कोर्ट कवरेज का नजारा पेश किया और सटीक शॉट्स लगाए और अपने बेहतरीन खेल से जीत सुनिश्चित की। वहीं बालक वर्ग में अभ्युदय ने तेजतर्रार सर्विस करने के साथ दमदार फोरहैंड और बैक हैंड शॉट खेलते हुए खिताबी जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल मुकाबले में महत्वपूर्ण अंक हासिल करते हुए दबाव बनाया और उत्तर प्रदेश के अनुरुद्ध को 6-1, 6-2 से मात दी।

पाकिस्तान की महिला टीम ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराया

लाहौर। फातिमा सना (चार विकेट) और सादिया इकबाल (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद मुनीबा अली (71) और आलिया रियाज (नाबाद 68) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत पाकिस्तान की महिला टीम ने शुक्रवार को आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर के चौथे मुकाबले में स्कॉटलैंड को आठ गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। बारिश के कारण मैच को 32-32 ओवरों का कर दिया गया था।187रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 36 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी आलिया रियाज ने मुनीबा अली के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में क्लो एबेल ने मुनीबा अली को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मुनीबा अली ने 72 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (71) रन बनाये। इसके बाद कप्तान फतीमा सना (सात) रन बनाकर आउट हुई। आलिया रियाज ने 70 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 68 रन बनाये। पाकिस्तान ने 30.4 ओवर में चार विकेट पर 190 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया।इससे पहले आज यहां पाकिस्तान की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे 17 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान कैथरीन ब्राइस ने सारा ब्राइस के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सारा ब्राइस (21) रन बनाकर आउट हुई।

घरेलू मैदान पर जीत के क्रम को जारी रखने उतरेगी दिल्ली

नयी दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स रविवार शाम जहां राजधानी के अरुण जेटली स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग के 29वें मैच में अपने जीत के क्रम को जारी रखने मैदान में उतरेगी वहीं मुंबई इंडियंस को लगातार दो हार के बाद जीत के लिए भिड़ेगी। दिल्ली कैपिटल्स इस सत्र में चार मैचों में आठ अंक के साथ अजेय है और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है जोकि उसके आत्मविश्वास को दर्शाता है। वहीं इसके विपरीत, मुंबई की टीम पांच मैचों में केवल एक जीत के साथ तालिका में आठवें स्थान पर और जीत हासिल करने के संघर्ष करती दिख रही है। दिल्ली की शानदार शुरुआत के पीछे केएल राहुल का फॉर्म है, जो उनकी बल्लेबाजी लाइनअप की धुरी बनकर उभरे हैं। स्टाइलिश दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने न केवल शीर्ष पर रहने की काबलियत है, बल्कि जरूरत पड़ने पर आक्रामक की भूमिका निभाने की क्षमता है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर छह विकेट की शानदार जीत के साथ दिल्ली के पिछले मैच में 53 गेंदों पर उनकी नाबाद 93 रन की पारी दबाव में लक्ष्य का पीछा करने की उनकी दक्षता को दर्शाता है। 58 रन पर 4 विकेट गंवाने के बाद राहुल ने ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 38) के साथ 111 रनों की मैच जिताऊ साझेदारी की। 169.72 की शानदार स्ट्राइक रेट से तीन पारियों में 185 रन बनाने वाले राहुल की मौजूदगी दिल्ली की बल्लेबाजी की मजबूत कड़ी है। इस बल्लेबाज ने जरूरत पड़ने पर संतुलित और मौका मिलने पर विस्फोटक बल्लेबाजी की है। इस बीच, स्टब्स मध्यक्रम में एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं, जो स्ट्राइक रोटेट करते हैं और खराब गेंदों का भरपूर फायदा उठाते हैं।

मुझे इस बात पर एक प्रतिशत भी शर्म नहीं आती कि मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकता : मोहम्मद रिजवान

नई दिल्ली। मुल्तान सुल्तान्स के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने अपनी इंग्लिश पर आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि उनका प्राथमिक कर्तव्य पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेलना है। पाकिस्तान को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और उसके बाद न्यूजीलैंड के व्हाइट-बॉल दौरा बुरे सपने से कम नहीं रहा जिसमें टीम को करारी हार मिली। यह मामला तब शुरू हुआ जब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हॉग ने वीडियो शेयर किया जिसमें रिजवान जैसे दिखने वाले एक व्यक्ति से बात की। वह व्यक्ति मजाकिया अंदाज में जवाब देता है, 'मैं और विराट एक जैसे हैं। वह पानी पीता है, मैं पानी पीता हूं। हम दोनों एक जैसे हैं, कोई अंतर नहीं है।' हॉग द्वारा रिजवान की अंग्रेजी कौशल की प्रशंसा करने से पहले वह व्यक्ति यह भी कहता है, 'जीतना है या सीखना है।'

मोंटे कार्लो मास्टर्स: कार्लोस अल्कराज सेमीफाइनल में, स्टेफानोस सितसिपास बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्कराज ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने स्थानीय खिलाड़ी आर्थर फिस को 4-6, 7-5, 6-3 से हराया। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे चला, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। फिस ने शुरुआत में दो ब्रेक लेकर 3-0 की बढ़त बनाई थी, लेकिन अनुभव ने अंत में अल्कराज को जीत दिलाई।

पहला सेट फिस ने 6-4 से जीता और दूसरे सेट में भी उनके पास कई ब्रेक पॉइंट्स थे, लेकिन वो उन्हें भुना नहीं सके। फिस ने दूसरे सेट में सात ब्रेक पॉइंट गंवाए, वहीं अल्कराज ने 12वें गेम में शानदार लॉब लगाकर सेट अपने नाम किया। तीसरे सेट में भी फिस ने शुरुआती बढ़त ली, लेकिन अल्कराज ने धैर्य

नहीं खोया और वापसी कर दो बार सर्विस ब्रेक की। तीसरे सेट के आठवें गेम में सर्विस गंवाने के बाद फिस ने गुस्से में अपना रैकेट तोड़ दिया। यह पल निर्णायक साबित हुआ क्योंकि इसके बाद वे लय में नहीं लौट सके और अल्कराज ने आसानी से मैच खत्म कर दिया।जीत के बाद अल्कराज ने कहा, ÷सच्चे चैंपियन वही होते हैं जो ज़रूरत के समय अपना सर्वश्रेष्ठ स्तर पा लेते हैं। मैं भी चाहता हूं कि पहले से आखिरी पॉइंट तक बेस्ट टेनिस खेलूं, लेकिन ढाई घंटे तक लगातार टॉप लेवल पर खेलना आसान नहीं होता। दूसरी ओर, चौथी बार के चैंपियन स्टेफानोस सितसिपास को इटली के लोरेंजो मुसैती ने 1-6, 6-3, 6-4 से हराकर बाहर कर दिया। मुसैती अब ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर से भिड़ेंगे, जिन्होंने ग्रिगोर दिमित्रोव को महज 44 मिनट में 6-0, 6-0 से हराया। दिमित्रोव ने मैच में 23 अनफोर्स्ड एरर्स किए। अब सेमीफाइनल में कार्लोस अल्कराज का सामना अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा।

वेस्टइंडीज की महिला टीम ने आयरलैंड को छह रन से हराया

एजेंसी

लाहौर । चिनेल हेनरी (नाबाद 46), स्टेफनी टेलर (46) और जैदा जेम्स (36) रनों की पारियों के बाद हैली मैथ्यूज (चार विकेट), करिश्मा रामहेक और आलियाह एलीने (दो-दो विकेट) की बदौलत वेस्टइंडीज की महिला टीम ने आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर के पांचवें मुकाबले में आयरलैंड को छह रन से हरा दिया। बारिश के कारण मैच को 33-33 ओवरों का कर दिया गया था। वेस्टइंडीज के 181 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड के बल्लेबाज वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके। आयरलैंड के लिए एमी हंटर ने 46 गेंदों में (48), लौरा डेलानी (32), क्रिस्टीना कोल्टर रीली (26), अलीन केली (18) और कप्तान गैबी लुईस ने (17) रनों की पारी खेली। एक समय ऐसा लगा रहा था कि आयरलैंड यह मुकाबला आसानी से जीत लेगा। 33वें ओवर की दूसरी गेंद पर हैली मैथ्यूज ने अलीन केली को आउटकर आयरलैंड के हाथों से जीत छीन ली वेस्टइंडीज की ओर से हैली मैथ्यूज ने चार विकेट, करिश्मा रामहेक और आलियाह एलीने ने दो-दो विकेट लिये। एफी फ्लैचर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। आज यहां आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद जैदा जेम्स और स्टेफनी टेलर ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 87 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में जेन मगुइरे ने स्टेफनी टेलर को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। टेलर ने 56 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 46 रन बनाये।

फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम टूर: कार्लसन और कारुआना के बीच जबरदस्त मुकाबला, 67 चालों के बाद ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम टूर के सेमीफाइनल के पहले चरण में मैग्नस कार्लसन और फेबियानो कारुआना के बीच एक बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। यह खेल 67 चालों तक चला और अंत में सिर्फ दोनों खिलाड़ियों के राजा ही बोर्ड पर बचे, जिससे मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ। सफेद मोहरों से खेलते हुए कारुआना ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने नाइट और बिशप को तेजी से एक्टिव किया, लेकिन कार्लसन ने शांत और संतुलित अंदाज़ में उनका दबाव झेला। उन्होंने अपनी क्लीन का शानदार उपयोग करते हुए कारुआना की बढ़त को रोक दिया।

क्लीन एक्सचेंज के बाद रणनीतिक जंग: 18वीं चाल तक दोनों खिलाड़ियों ने अपनी रानियां एक्सचेंज कर दी थीं, जिससे खेल रणनीतिक मोड़ पर आ गया। इसके बाद का खेल बेहद संतुलित रहा, जहां दोनों ग्रैंडमास्टर्स ने बारीकी से हर चाल चली।

अंत तक चला संघर्ष, घड़ी ने भी बढ़ाया रोमांच: 67वीं चाल में कारुआना ने आखिरी प्यादा भी हटा दिया, लेकिन तब तक सिर्फ राजा ही बचे थे। इस वक्त कारुआना की घड़ी में सिर्फ

10 मिनट बचे थे, जबकि कार्लसन के पास आधे घंटे से भी ज्यादा समय था।

नकामुरा और कीमर का मुकाबला रहा फीका

दूसरे सेमीफाइनल में हिकारू नकामुरा और विंसेंट कीमर के बीच खेल उतना रोमांचक नहीं रहा। यह मुकाबला मात्र 40 चालों में समाप्त हो गया। हालांकि बोर्ड पर कई मोहरे बचे थे, लेकिन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती क्लीन एक्सचेंज के बाद कोई बड़ा जोखिम नहीं उठाया और ड्रॉ पर सहमति बना ली। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों ने अगली बाज़ी के लिए ऊर्जा बचाने की रणनीति अपनाई।

दूसरे चरण के मुकाबले आज: सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले आज (12 अप्रैल) खेले जाएंगे, जहां सभी खिलाड़ी फाइनल में पहुंचने के लिए पूरी ताकत झोंकते नज़र आएंगे।

मोहम्मद सालाह ने लिवरपूल के साथ दो साल का करार बढ़ाया, अटकलों पर लगा विराम

एजेंसी

नई दिल्ली। लिवरपूल के स्टार फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह ने अपने भविष्य को लेकर महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए क्लब के साथ दो साल का नया करार कर लिया है। 32 वर्षीय मिस्र के स?टार खिलाड़ी सालाह का अनुबंध इस साल जून में खत्म होने वाला था, जिसके बाद वह फ्री एजेंट बन सकते थे। लेकिन अब वह 2027 तक लिवरपूल की जर्सी में नजर आएंगे। सालाह 2017 में इटली के क्लब एएस रोमा से लिवरपूल में शामिल हुए थे। अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद सालाह ने कहा, बिलकुल, मैं बेहद उत्साहित हूं। हमारे पास इस समय शानदार टीम है। पहले भी टीम मजबूत थी, लेकिन मैंने साइन इसलिए किया क?योंकि मुझे लगता है हम और ट्रॉफी जीत सकते हैं और फुटबॉल का आनंद ले सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने अपने करियर के सबसे अच्छे साल यहां बिताए हैं। आठ साल हो गए हैं, और उम्मीद है कि अब यह 10 साल पूरे होंगे। मैं यहां की जिंदगी और फुटबॉल का पूरा मजा ले रहा हूं। सालाह लिवरपूल के ऑल-टाइम टॉप स्कोरर लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक 394 मैचों में 243 गोल किए हैं। अपने आठ साल के सफर में वह

एक प्रीमियर लीग, एक चैंपियंस लीग, एक एफए कप, दो लीग कप, एक यूएफा सुपर कप और एक फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीत चुके हैं। वह प्रीमियर लीग गोल्डन बूट की दौड़ में 27 गोल के साथ सबसे आगे हैं। उनकी दमदार फॉर्म की बदौलत लिवरपूल ने दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल पर 11 अंकों की बढ़त बना ली है और खिताब की प्रबल दावेदार बन गई है। ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक, क्लब और सालाह के बीच लंबे समय से चल रही बातचीत में हाल ही में बड़ी प्रगति हुई थी। इस दौरान ऐसी खबरें भी आई थीं कि सऊदी प्रो लीग से उन्हें बड़े ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, सालाह को क्लब की निरंतर सफलता के लिए अहम माना जा रहा है। उधर, क्लब के कप्तान वर्जिल वैन डाइक के अनुबंध में भी विस्तार की उम्मीद है, जबकि डिफेंडर ट्रेंट एलेक्जेंडर-अर्नोल्ड को रियल मैड्रिड से जोड़ा जा रहा है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2025: क्वार्टर फाइनल में ध्रुव-तनिशा की हार के साथ भारतीय चुनौती समाप्त

एजेंसी

नई दिल्ली। बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2025 में भारत की आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई, जब मिश्रित युगल वर्ग में ध्रुव कपिला और तनिशा क्रास्टो की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हार गई। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का अंत हो गया।

विश्व नंबर 18 रैंकिंग वाली भारतीय जोड़ी को हांगकांग, चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी तांग चुन मैन और त्से यिंग सूएट के हाथों 41 मिनट में 20-22, 13-21 से हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में ध्रुव-तनिशा की जोड़ी ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए 8-0 की बढ़त

बनाई। हालांकि, इसके बाद हांगकांग की जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर लिया। गेम के अंत तक दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा, लेकिन 19-19 के स्कोर के बाद तांग और त्से ने दूसरा गेम पॉइंट भुनाते हुए पहला गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम की शुरुआत में भारतीय जोड़ी मुकाबले में बनी रही और स्कोर 9-9 तक बराबर रहा। लेकिन इसके बाद हांगकांग की जोड़ी ने लगातार आठ अंक हासिल करते हुए बढ़त बना ली, जिसे ध्रुव और तनिशा पाट नहीं पाए। अंततः उन्हें सीधी गेमों में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2025 में भारत का सफर समाप्त हो गया।

लैनिंग की सहायक कोच, मेंटर के रूप में हुई राष्ट्रीय टीम में वापसी

एजेंसी

ब्रिसबेन। सात बार की विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग की आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप 2027 की तैयारियों को लेकर 26 सदस्यीय टीम के लिए सहायक कोच और मेंटर के रूप में राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई हैं। लैनिंग बनाम पेरी श्रृंखला में लैनिंग अपने नाम वाली टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगी, हालांकि वह ब्रिस्बेन के राष्ट्रीय क्रिकेट परिसर के शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों के साथ काम करेंगी। यह समूह अप्रैल के अंत में तीन टी-20 मैचों के लिए एकत्रित होगा, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया 2027 टूर्नामेंट की तैयारी शुरू कर रहा है और इस दौरान खिलाड़ी अपने खेल में सुधार करने के लिए ध्यान केंद्रित करने के लिएअलग-अलग सत्रों में भाग लेंगे। इस सीरीज के लिए चयन को वाईएसपी द्वारा राज्य और क्षेत्रीय संघों के सहयोग से नामांकन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन का मानना है कि लैनिंग का जुड़ना अगली पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए सीखने और अपने भविष्य को बदलने वाला अवसर है। थॉम्पसन ने कहा, यह हमारे सर्वश्रेष्ठ उभरते क्रिकेटरों के लिए ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेटरों में से एक से क्रिकेट के गुर सीखने का अविश्वसनीय अवसर है।

लगातार पाँचवीं हार के बाद भी सीएसके ने नहीं छोड़ी प्लेऑफ की उम्मीद, हसी बोले - अब भी कर सकते हैं वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अब तक बेहद निराशाजनक रहा है। शुक्रवार (11 अप्रैल) को कोलकाता नाइट राइडर्स से करारी हार झेलने के बाद टीम लगातार पाँचवाँ मैच हार गई और अंकतालिका में नौवें स्थान पर खिसक गई है। इसके बावजूद टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का मानना है कि सीएसके अब भी प्लेऑफ में जगह बना सकती है। कोलकाता से हार के बाद माइकल हसी ने कहा, हम अभी हार मानने को तैयार नहीं हैं। टूर्नामेंट लंबा है और इसमें बस चौथे स्थान पर पहुंचना जरूरी होता है। हां, इस वक्त हमारे पास कोई मोमेंटम नहीं है और हम अच्छा क्रिकेट नहीं खेल पा रहे हैं, ये हम मानते हैं। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि चीजें बदल नहीं सकतीं।उन्होंने आगे कहा, अगर हम एक-दो जीत दर्ज कर पाएं तो टीम

का आत्मविश्वास लौटेगा और तब कुछ भी हो सकता है। हमें भरोसा है कि हम टेबल में अंतिम चार में जगह बना सकते हैं। सीएसके की लगातार हार के बाद टीम में बदलाव की मांग उठ रही है, लेकिन हसी इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह समय है एकजुट रहने का, न कि सबकुछ बदलने का। हमारे खिलाड़ी जिस अंदाज में खेलने के आदी हैं, हम उन्हें अचानक एकदम अलग तरीके से खेलने के लिए नहीं कह सकते। सीएसके हमेशा स्थिरता में विश्वास रखती है, और हमें उसी पर कायम रहना है। टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका न दिए जाने पर उठ रहे सवालों के बीच हसी ने कहा कि अनुभव का अपना महत्व है। उन्होंने कहा, शेन वॉटसन और अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ियों ने अपने करियर के अंतिम दौर में सीएसके के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। मुझे अब भी लगता है कि हमारे अनुभवी खिलाड़ी टीम के लिए काफी कुछ दे सकते हैं। माइकल हसी ने कहा कि मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग, कप्तान एमएस धोनी और चोट के बावजूद टीम के साथ बने रहने वाले रुतुराज गायकवाड़ मिलकर टीम को एकजुट रखेंगे। उन्होंने सीएसके फैन्स से भी समर्थन बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा, हमारे पास अब भी टैलेंट है और हम इस स्थिति से निकल सकते हैं। लेकिन इसके लिए मेहनत करनी होगी।

गत चैंपियन दिल्ली ने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव को 14-0 से रौंदा

नारायणपुर (छत्तीसगढ़)। गत चैंपियन दिल्ली ने स्वामी विवेकानंद अंडर-20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 के ग्रुप एफ के अपने पहले मुकाबले में दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव को 14-0 से रौंदा। आज यहां रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्राउंड में खेले गये मुकाबले में दिल्ली के लिए दस अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। मोइरंगथेम सिंह ने दूसरे मिनट में ही गोल करके आक्रमण शुरुआत की, उसके बाद पांचवें मिनट में लैशराम मैतेई ने गोल दागा। मैतेई और आदित्य अधिकारी खेल के सितारे रहे। मैतेई ने 11वें मिनट और 58वें मिनट में दो और गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की, जबकि आदित्य ने पहले हाफ में ही 22वें, 45वें और इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की।

बिली जीन किंग कप: वैदेही और श्रीवल्ली की बदौलत भारत प्लेऑफ के करीब

एजेंसी

पुणे। युवा खिलाड़ियों-श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी- के शानदार खेल की बदौलत टीम इंडिया ने बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में चीनी ताइपे को 2-1 से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। मेजबान टीम लगातार तीसरी जीत के साथ इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। यह टूर्नामेंट पुणे के महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में एमएसएलटीए द्वारा आईटीएफ, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। वैदेही चौधरी के लिए यह एक और सफल परफॉरमेंस था। इस बार उन्होंने फेंग एन लिन के खिलाफ़ दो मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। एकल में 351वीं रैंक वाली भारतीय स्टार ने पहले सेट में दबदबा बनाया, लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने निर्णायक सेट के लिए मजबूर कर दिया। हालांकि, वैदेही ने शानदार तरीके से जवाब दिया और अंततः 2 घंटे और 9 मिनट में 6-2, 5-7, 6-4 से

जीत दर्ज की। उनकी इस जीत से भारत को इस अहम मुकाबले में 1-0 की बढ़त मिली। दूसरे मैच में, श्रीवल्ली भामिदीपती ने एक और जीत के साथ टूर्नामेंट में अपना बेहतरीन रिकॉर्ड बनाए रखा। उन्होंने 207वीं रैंक वाली जोआना गारलैंड के खिलाफ़ कड़े मुकाबले में लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत की सबसे होनहार स्टार में से एक 304वीं रैंक वाली श्रीवल्ली ने पहले सेट में दबदबा बनाया और अंततः 2 घंटे और 38 मिनट में 6-2, 7-6 (7-3) के स्कोर के साथ मैच को समाप्त कर दिया। दिन के अंतिम मैच में, चीनी ताइपे की युगल जोड़ी यी त्सेन चो और फेंग-हसीन वू ने अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी को हराया।

भारत ने वर्ष के पहले शूटिंग विश्व कप में ओवरऑल दूसरा स्थान हासिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में आयोजित वर्ष के पहले अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में भारतीय निशानेबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। हालांकि, अंतिम स्पर्धा में लक्ष्य श्योराण और नीरू की युवा ट्रैप मिक्स्ड टीम जोड़ी एक अंक से पदक, यहां तक कि संभावित स्वर्ण, जीतने से चूक गई। गुरुवार को सुरुचि और सौरभ चौधरी की मिश्रित टीम एयर पिस्टल जोड़ी ने कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक संख्या को चार स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य तक पहुंचाया था जिससे भारत कुल पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा। चीन ने अंतिम दिन मिश्रित टीम एयर पिस्टल में 1-2 स्थान हासिल कर पांच स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। दिन का अन्य स्वर्ण पदक चीनी ताइपे ने मिश्रित टीम ट्रैप स्पर्धा में जीता। भारत के प्रदर्शन की सबसे बड़ी झलक थी- सिफत कौर समरा (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन महिलाएं), रुद्रांक्ष पाटिल (10 मीटर एयर राइफल पुरुष), सुरुचि (10 मीटर एयर पिस्टल महिलाएं) और विजयवीर सिद्धू (25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल पुरुष) द्वारा जीते गए स्वर्ण पदक। विजयवीर इस स्पर्धा में आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने। किशोरी सुरुचि की शीर्ष खिलाड़ियों को हराकर मिली जीत भी टूर्नामेंट का एक आकर्षक क्षण रही।ये चारों औसतन सिर्फ 21 वर्ष के हैं और

इनमें से दो– सिफत और विजयवीर– पहले ही ओलंपियन रह चुके हैं। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में युवा पैरिस ओलंपियन ईशा सिंह (आयु 20 वर्ष) की रजत पदक जीत भी उल्लेखनीय रही। वह मिश्रित टीम की मौजूदा विश्व चैंपियन भी हैं और अपने पहले ओलंपिक में पदक न जीत पाने के बाद भी उनके इरादों में कोई कमी नहीं दिखी।

कुछ दिल को छू लेने वाले प्रदर्शन भी देखने को मिले जैसे कि अनुभवी निशानेबाज़ चैन सिंह, जो एक दशक पहले एशियाई खेलों में पुरुषों की 3पी स्पर्धा में पदक जीत चुके हैं, उन्होंने अपना पहला व्यक्तिगत आईएसएसएफ विश्व कप पदक जीता। वहीं पूर्व एशियाई खेलों और युवा ओलंपिक चैंपियन सौरभ चौधरी दो साल बाद एक बार फिर विश्व कप पदक तालिका में लौटे। सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी ज़ोरावर सिंह संधू, जो 1998 से आईएसएसएफ विश्व कप में हिस्सा ले रहे हैं, ने भी पुरुष ट्रैप स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहते हुए बेहतरीन जज़्बा दिखाया। वह अंतिम क्वालिफिकेशन स्थान के लिए पाँच खिलाड़ियों के बीच शूट-ऑफ में दूसरे स्थान पर रहे। अब यह भारतीय दल पेरू के लीमा की ओर रवाना होगा, जहाँ दक्षिण अमेरिका चरण का दूसरा और संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप का अगला चरण 15 अप्रैल 2025 से शुरू होगा।

41 की उम्र में दोबारा प्रेग्नेंट हुईं

गौहर खान

बेबी बंप किया फ्लॉन्ट, पति जैद के साथ सुनाई खुशखबरी

एक्ट्रेस गौहर खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. गौहर अपनी जिंदगी की छोटी-बड़ी खुशियों को अपने फैन्स के साथ शेयर करती रहती हैं. एक्ट्रेस के पति जैद दरबार भी सोशल मीडिया से जुड़े रहते हैं. इसी बीच इस कपल ने अपनी जिंदगी की बड़ी खुशी सभी के साथ शेयर की है. गौहर और जैद दरबार अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने जा रहे हैं. सही समझे आप, गौहर 41 साल की उम्र में एक बार फिर से प्रेग्नेंट हैं.

उन्होंने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर सोशल मीडिया पर वीडियो के साथ शेयर की है.गौहर और जैद ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों इंग्लिश सॉन्ग पर रील बनाते हुए नजर आ रहे हैं. ये वीडियो काफी प्यारा है. इस रील के अंत में गौहर अपना बेबी फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं. दोनों के चेहेर पर बड़ी सी मुस्कुराहट और खुशी साफ-साफ देखी जा सकती है. दोनों थिरक रहे हैं, डांस कर रहे हैं और अपने जीवन में आने वाली खुशी को सेलिब्रेट कर रहे हैं. फैन्स भी उनके इस वीडियो पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं.

दूसरी बार मां बनने जा रही हैं गौहर

गौहर खान ने वीडियो को शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा, 'बिस्मिल्लाह!! आपकी प्रार्थनाओं और प्यार की जरूरत है. प्यार फैलाकर दुनिया को इशारो पर नचाओ. गाजा बेबी 2.' गौहर और जैद के इस पोस्ट बधाईयां देने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. टीवी सितारों से लेकर बड़ी-बड़ी हस्तियों ने उन्हें बधाई दी है. एक फैन ने उनके लिए लिखा, आप को किसी की नजर न लगे. दूसरे यूजर ने लिखा, आप कपल गोल हैं.

बता दें, साल 2020 दिसंबर में इस कपल ने एक-दूसरे को अपना हमसफर चुना था. दोनों एक-दूसरे के साथ अक्सर तस्वीर शेयर करते रहते हैं. दोनों का एक बेटा भी है. गौहर अपने काम के साथ-साथ मां होने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाती है. उनके पहले बच्चे का नाम ज़ेहान है.

सलमान खान को लेने के बाद करण जौहर ने क्यों बंद कर दी 'द बुल'? अब सच का लगा पता, हैरान रह जाएंगे आप

2023 की शुरुआत में एक खबर सामने आई थी, जिसमें बताया गया था कि करण जौहर आर्मी पर आधारित एक फिल्म बनाने जा रहे हैं जिसका नाम 'द बुल' होगा. इस फिल्म में करण सलमान खान को बतौर लीड एक्टर लेने वाले थे और फैंस इस खबर से काफी एक्साइटेड हो गए थे. लेकिन फिर दिसंबर 2023 में ही एक दूसरी खबर आई, जिसमें बताया गया कि ये फिल्म बंद हो गई.करण जौहर ने सलमान खान के साथ बनने वाली इस फिल्म को क्यों बंद दिया? इसके पीछे का कारण हर कोई जानना चाहता था. लेकिन अब लगभग दो सालों के बाद ये वजह सामने आई है कि आखिर 'द बुल' क्यों बंद हुई थी?

सामने आई 'द बुल' बंद होने की असली वजह

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म द बुल की कहानी जब करण जौहर ने सलमान खान को सुनाई थी तो उन्हें पसंद आई थी. फिल्म में सलमान खान को एक आर्मी ऑफिसर का रोल प्ले करना था, जिसमें भारत-मालदीव के संघर्ष की असली कहानी भी दिखाई जानी थी. करण जौहर ने फिल्म की कहानी विष्णुवर्धन को लिखने को दी और वो ही इसे डायरेक्ट भी करने वाले थे. फिल्म की कहानी के हिसाब से सलमान के अलावा कोई दूसरा एक्टर भी लिया जाना था जो फाइनल नहीं हो पा रहा था.करण जौहर और विष्णुवर्धन चाहते थे इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा को लिया जाए, लेकिन सलमान चाहते थे कि उनके बॉडीगार्ड शेरा के बेटे टाइगर को लॉन्च किया जाए. सलमान ने विष्णु और करण को काफी समझाया, लेकिन बात नहीं बन पाई. फिल्म का बजट 250 करोड़ से ज्यादा था और साथ में फिल्म की कास्ट को लेकर भी आपसी तालमेल नहीं बैठ रहा था, इसलिए करण ने फिल्म को बंद करना ही सही समझा.

सलमान खान की फिल्में

सलमान खान की पिछली रिलीज फिल्म सिकंदर थी जो 30 मार्च को रिलीज हुई थी. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म सिकंदर ने पहले दिन 26 करोड़ का कलेक्शन किया था और पहले हफ्ते में 90.25 करोड़ की कमाई हुई. फिल्म ने 11 दिनों में टोटल 107.01 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है और अभी इसकी कमाई बढ़ने के चांस हैं. फिल्म सिकंदर का निर्देशन एआर मुरुगादॉस ने किया है जिन्होंने फिल्म गजनी (2008) बनाई थी. फिल्म सिकंदर में सलमान खान लीड रोल में दिखे, वहीं इनके अलावा फिल्म में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी और सत्यराज जैसे कलाकार नजर आए थे.

चारों खाने चित्त! पहले JAAT सनी देओल से मात खाई, 24 साल बाद शाहरुख खान ने फिर की भिड़ने की गुस्ताखी

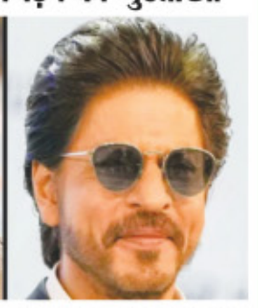

दो भाई दोनों तबाहीज्ये बात साल 2023 के बाद से 'देओल' खानदान के दो सुपरस्टार सनी और बॉबी के लिए कही जा रही है. गिरकर कैसे उठा जाता है ये कोई सनी देओल और बॉबी देओल से सीखे. कपूर्स और खान्स की हिंदी सिनेमा में मजबूत पकड़ के बीच एक बार फिर से देओल के नाम का भी परचम लहराता हुआ नजर आ रहा है. सनी पाजी इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर छक्के के जरिए अपने ढाई किलो के हाथ का दम दिखा रहे हैं. लेकिन 24 साल पहले शाहरुख खान ने सनी देओल की फिल्म के साथ भिड़ने की गुस्ताखी की थी, जिसका नतीजा कुछ ऐसा रहा कि किंग खान की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सनी को टक्कर नहीं दे पाई.

सनी देओल का 80-90 के दशक में दौर हुआ करता था. अपनी देशभक्ति और एक्शन फिल्मों के जरिए वो दर्शकों के दिलों के राजा बने बैठे थे. सनी ने एक के बाद एक कई ऐसी फिल्में रिलीज की थीं, जिसमें वो पाकिस्तान के परखच्चे उड़ाते हुए नजर आते हैं. साल 1993 में सनी देओल ने शाहरुख खान के साथ फिल्म 'डर' में काम किया था. 'डर' के हीरो सनी थे और विलेन शाहरुख बने थे. पहले तो विलेन बने शाहरुख हीरो पर भारी पड़ते नजर आए, लेकिन अंत में सनी ने उन्हें तगड़ा सबक सिखाया. 'डर' ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.

24 साल पहले सनी देओल का दबदबा

'डर' के बाद सनी देओल और शाहरुख खान के बीच अनबन हो गई थीं. दोनों ने आज तक दोबारा किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया. लेकिन इस फिल्म के बाद साल 2001 में बॉक्स ऑफिस पर दोनों सुपरस्टार्स की फिल्मों का आमना-सामना हुआ. उस दौर में सनी देओल की फिल्मों को चलाने के लिए उनका नाम ही काफी था और अगर उनकी फिल्में देशभक्ति पर बेस्ड हों फिर तो उन्हें कोई रोक सकता. 26 अक्टूबर 2001 को देओल परिवार के बड़े बेटे की फिल्म 'इंडियन' ने बॉक्स ऑफिस पर दस्तक थी. डीसीपी राजशेखर बनकर जब सनी बड़े पर्दे पर आए, तो उनकी देशभक्ति ने फिर से लोगों का दिल जीत लिया.

सनी देओल से टकराए शाहरुख खान

कम ही लोग जानते हैं कि 26 अक्टूबर 2001 को सिर्फ सनी देओल की 'इंडियन' ही नहीं रिलीज हुई थी, बल्कि इस दिन शाहरुख खान की फिल्म 'अशोका' भी बॉक्स ऑफिस की जंग में उतरी थी. शाहरुख और सनी की टक्कर काफी मजेदार थी. एक तो दोनों के बीच की अनबन की खबरों का बज था, वहीं दोनों की फिल्मों में से कौन किसी पर भारी पड़ेगी, ये जानने के लिए भी हर कोई बेकरार था.

दो-दो तलाक के बाद नहीं मिला रहा था काम,

चाहत खन्ना

का छलका दर्द, कहा- 'जिंदगी बहुत मुश्किल हो गई'

टीवी एक्ट्रेस चाहत खन्ना अब कम ही छोटे पर्दे पर नजर आती हैं. हालांकि सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती हैं. चाहत अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रह चुकी हैं. उनकी पहली शादी ज्यादा लंबी नहीं चली थी. महज 4 महीने के अंदर ही उन्होंने तलाक ले लिया था. फिर उन्होंने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत की और दोबारा शादी की. लेकिन उनके इस रिश्ते का अंत भी तलाक ही निकला. दो-दो तलाक के बाद लोग अब उनके बारे में क्या सोचते हैं इस पर उन्होंने खुलकर बात की. एक्ट्रेस ने बताया कि कोई उनके साथ काम तक नहीं करना चाहता है.हाल ही में हाउटरफ्लाई के साथ एक इंटरव्यू में चाहत ने अपने दर्दनाक तलाक के बारे में बात की और याद किया कि इस वजह से लोग उनके साथ काम करने से मना कर देते थे. चाहत ने कहा कि तलाक और सेपरेशन कभी भी आसान नहीं होते, खासकर तब जब बच्चे हों. उन्होंने आगे कहा, मेरा दूसरा डिवोर्स बहुत मुश्किल था. मेरी एक बेटी फरहान के साथ रहती है और एक मेरे साथ रहती है और हम अच्छे रिलेशन रखते हैं. हम बच्चों के लिए एक-दूसरे से बात करते हैं क्योंकि वे हमारी ज़िम्मेदारी हैं.

दो-दो तलाक के बाद चाहत की बदल गई जिंदगी

चाहत ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर आगे कहा, किसी भी तरह का तलाक दर्दनाक होता है. ये बिल्कुल भी आसान नहीं है. साथ ही, अगर आप एक जाने-माने व्यक्ति हैं, तो दूसरों का सामना करना मुश्किल हो जाता है. कई बार ऐसा हुआ जब मैं लोगों के सामने जाना नहीं चाहती थी क्योंकि मुझे पता था कि वे मुझे जज करेंगे. मैंने अपने दोनों एक्स पतियों से कोई एलिमनी नहीं ली है. लेकिन फिर भी लोग मुझे गोल्ड डिगर कहते हैं. मैं सोचती थी, गोल्ड कहां है? लोग मुझे मैसेज करते हैं और मुझे डी.एम. करते हैं, कहते हैं कि मैं एलिमनी पर जी रही हूं. ये भी एक टैबू की तरह है.

लोगों ने काम करने से किया मना -चाहत

उन्होंने इंडस्ट्री में तलाक को लेकर बन चुकी सोच को लेकर कहा, बहुत से लोग मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे. आपका नाम बैड लाइट में है तो बहुत से लोग आपके साथ जुड़ना नहीं चाहते. आपके पर्सनल अफेयर्स इतने मीडिया में हैं तो लोगों को आपके साथ काम नहीं करना है. ए-लिस्ट प्रोडक्शन हाउस आपके साथ काम नहीं करेंगे.